THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 259 (हैदराबाद, निजामाबाद,विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.11 2082 सोमवार, 15 दिसंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पौने दो किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद

अहमदाबाद, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्पाद शुल्क विभाग और ईडी की टीमों ने हांगकांग से गुजरात लाए जा रहे पौने दो किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा को सूरत एयरपोर्ट पर बरामद किया है। जांच एजेंसियों को सूचना मिली थी कि हांगकांग से गुजरात में हाइड्रोपोनिक गांजा की तस्करी की जा रही है।

एअर इंडिया एक्सप्रेस विमान से हाइड्रोपोनिक गांजा लाने की सूचना मिलते ही उत्पाद शुल्क व ईडी की टीमों ने सूरत एयरपोर्ट पर इस विमान के सभी यात्रियों को रोककर उनकी तलाशी ली। एक सूटकेश में गांजा के 24 पैकेट मिले। इसकी जांच करने पर पता चला कि हांगकांग से लाया गया यह हाइड्रोपोनिक गांजा है।

नितिन नबीन को कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर बीजेपी ने बढ़ाई ममता बनर्जी की मुश्किल

बंगाल में बन सकते हैं 'मास्टरस्ट्रोक'

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। जैसी उम्मीद थी बिल्कुल वैसा ही हुआ। उत्तर प्रदेश के वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के नाम का औपचारिक ऐलान होने के कुछ ही देर बाद बीजेपी ने जे.पी. नड्डा के उत्तराधिकारी का ऐलान कर दिया। पार्टी ने बिहार में चार बार के विधायक और मंत्री नितिन नबीन के नाम का ऐलान कर दिया। नितिन नबीन का नाम कहीं भी चर्चा में नहीं था। नबीन के नाम का ऐलान होते हुए बीजेपी ने कई नए रिकॉर्ड बनाने की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। अगर वे पूर्णकालिक अध्यक्ष बनते हैं तो सबसे कम उम्र के होंगे। नितिन नबीन बीजेपी नेता नवीन किशोर सिन्हा के बेटे हैं। नबीन की तरह बीजेपी ने पहले अमित शाह के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते हुए जेपी नड्डा को भी कार्यकारी अध्यक्ष बनाया था।

बीजेपी ने नबीन पर क्यों खेला दांव :

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में एनडीए की जीत के बाद कहा था कि गंगा जी ने बंगाल का रास्ता बना दिया है। उन्होंने मंच से ऐलान किया था कि बीजेपी का अगला लक्ष्य बंगाल है। कायस्थ्य वर्ग से आने वाले नबीन बीजेपी के लिए बंगाल विधानसभा चुनावों में ट्रंप कार्ड साबित हो सकते हैं। पश्चिम बंगाल कायस्थ वर्ग की काफी संख्या है।

>14

बनासकांठा में पुलिस-फॉरेस्ट टीम पर हमला

47 लोग घायल : दावा- पौधे लगाने गई थी टीम, 500 की भीड़ ने पत्थर, गुलेल और तीर चलाए, गाड़ियां जलाईं

अहमदाबाद, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। अंबाजी तीर्थ शहर से 14 किमी दूर दांता तालुका के पाडलिया गांव में शनिवार दोपहर 500 लोगों ने वन विभाग और पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इन लोगों ने पत्थरबाजी की। गुलेल चलाए और तीरों से भी पुलिस कर्मियों को निशाना बनाया। भीड़ ने पुलिस और वन विभाग के सरकारी वाहनों में भी आग लगा दी।

टीम गांव में पौधारोपण करने पहुंची थी। इसी दौरान गांव वालों ने टीम हमला कर दिया। हमले के दौरान वन विभाग के वाहनों में आग लगा दी गई और सरकारी वाहनों के टायर काट दिए गए। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस ने 50 से ज्यादा गोलियां चलाईं और लगभग 20 आंसू गैस के गोले दागे।

हमले की वजह भूमि विवाद भी :

पाडलिया गांव में वन विभाग के सर्वे नंबर 9 क्षेत्र को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। गांववालों को आशंका है कि उन्हें जमीन से बेदखल कर दिया जाएगा। इसी को हमले की मुख्य वजह माना जा रहा है।

अंबाजी के पीआई की हालत गंभीर :

इस घटना में पुलिस, वन और राजस्व विभागों के 47 अधिकारी घायल हुए हैं। घायलों में से 36 अधिकारियों को अंबाजी सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि 11 को पालनपुर सिविल अस्पताल रेफर किया गया। अंबाजी पुलिस इंस्पेक्टर (पीआई) आर.बी. गोहिल की हालत गंभीर होने पर उन्हें पालनपुर रेफर किया गया है। इधर, बनासकांठा कलेक्टर मिहिर पटेल ने कहा है कि घटना दोपहर करीब 2.30 बजे हुई, जब पुलिस, वन और राजस्व अधिकारियों की एक संयुक्त टीम वन विभाग के सर्वे नंबर 9 इलाके में नर्सरी और पौधारोपण कर रही थी।

दिल्ली को दुल्हन बनाएंगे

पाकिस्तान ने भारत को सबक सिखाया, 50 साल तक हमला करने की हिम्मत नहीं करेगा : लश्कर कमांडर अब्दुल रऊफ के बिगड़े बोल

इस्लामाबाद, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में मौजूद लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर हाफिज अब्दुल रऊफ ने भारत के खिलाफ भड़काऊ बयान दिया है। उसने कहा कि हम दिल्ली को दुल्हन बनाएंगे। यह वीडियो नवंबर का है, लेकिन अभी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

रऊफ ने कहा, मक्की साहब कहते थे, हम एक दिन दिल्ली को दुल्हन बनाएंगे और ये होकर रहेगा। गजवा-ए-हिंद होकर रहेगा। हम एक दिन ये निजाम बदल देंगे और इस मुल्क में शरिया की हुकूमत लेकर आएंगे। हम जीती हुई कौम हैं। रऊफ ने दावा किया कि भारतीय वायुसेना पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में घुसने की हिम्मत नहीं करेगी और पाकिस्तान इस्लामी देशों में इकलौती परमाणु शक्ति है। रऊफ ने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत अगले 50 साल तक पाकिस्तान पर हमला करने की हिम्मत नहीं करेगा।

वीडियो में रऊफ ने जिस मक्की का नाम लिया है, वह मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद का साला है।

पिछले साल दिसंबर में दिल का दौरा पड़ने से उसकी मौत हो गई थी। रऊफ, लश्कर सरगना हाफिज सईद का करीबी सहयोगी है। अब्दुल रऊफ पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगा रखा है।

वीडियो में रऊफ ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के कम होने की बातों को खारिज करते हुए कहा कि कश्मीर की लड़ाई खत्म नहीं हुई है। रऊफ ने चेतावनी दी कि जो लोग इसके उलट सोचते हैं, वे गलत हैं। रऊफ ने लश्कर चीफ हाफिज सईद के साले अब्दुल रहमान मक्की का हवाला देते हुए दावा किया कि हमारा मकसद दिल्ली पर हुकूमत करना है। इसके अलावा रऊफ ने भारत की सैन्य ताकत को कमजोर बताते हुए कहा कि उनके राफेल लड़ाकू विमान, एस-400 मिसाइल सिस्टम और ड्रोन कुछ नहीं कर सकते।

अब्दुल रऊफ 1999 से लश्कर-ए-तैयबा का मेंबर है और फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन का प्रमुख है। आतंकियों के जनाजे में अब्दुर रऊफ के मौजूद होने की बात सामने आने के बाद पाकिस्तानी सेना ने उसे 'आम आदमी' बताकर बचाने की कोशिश की थी। भारत ने 7 मई को पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 9 आतंकी ठिकानों पर स्ट्राइक की थी।

ईसी भाजपा की बी टीम

राहुल का भाजपा पर बड़ा हमला : उनकी वोट चोरी पकड़ी गई, खड़गे बोले- हमारा वंदेमातरम् भी इन्होंने चोरी किया

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को कांग्रेस की 'वोट चोर गद्दी छोड़' रैली जारी है। पार्टी सांसद राहुल गांधी ने कहा- पीएम मोदी का कॉन्फिडेंस खत्म हो गया है। अमित शाह के हाथ कांपते हैं। वो जानते हैं कि उनकी चोरी पकड़ी गई है।

राहुल ने आरोप लगाया कि चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, सुखबीर सिंह, विवेक जोशी बीजेपी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। पीएम ने इनके लिए कानून बदला है। हम इस कानून को बदलेंगे और इन लोगों के खिलाफ एक्शन लेंगे। इन लोग नहीं भूलना

चाहिए कि ये हिंदुस्तान के इलेक्शन कमिश्नर हैं बीजेपी के नहीं।

राहुल से पहले पार्टी महासचिव और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि जीवन में वोट की कीमत समझना जरूरी है। आज न्यायालय पर दबाव है। सारी मीडिया अंबानी-अदाणी की है। कांग्रेस के नेताओं को तरह-तरह के आरोप लगाकर जेल में बंद किया गया। जो उनकी पार्टी में शामिल हो गए, उसे उनकी वॉशिंग मशीन ने साफ कर दिया।

इससे पहले रैली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी के खिलाफ नारेबाजी की। वोट चोर गद्दी छोड़ और मोदी तेरी कब्र खुदेगी के नारे लगाए। कांग्रेस कार्यकर्ता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरोध वाले बैनर लेकर पहुंचे हैं।

इसमें लिखा है- देश की जनता की अदालत का सबसे बड़ा गुनहगार कैदी नं. 420 ज्ञानेश कुमार। चुनाव आयोग बना है मोदी आयोग।

ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर गोलीबारी, शूटर समेत 12 की मौत, दो शख्स गिरफ्तार

सिडनी, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बॉन्डी बीच पर रविवार को दो बंदूकधारियों ने यहूदियों पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए 12 लोगों की हत्या कर दी। हमले के बाद पुलिस ने एक हमलावर को मार गिराया और एक गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया है कि घटना में घायल 29 लोगों को अस्पताल में भर्ती जाया गया है, जिनमें दो पुलिस अधिकारी भी हैं। इस बीच घटनास्थल से एक वीडियो क्लिप सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि एक आम नागरिक ने बहादुरी दिखाते हुए हमलावर से बंदूक छीन ली।

बॉन्डी बीच से सामने आए नाटकीय वीडियो में देखा जा सकता है कि हमलावर जब दनादन फायरिंग कर रहा होता है, तभी एक शख्स अचानक उस पर झपट पड़ता है। इस आदमी को हमलावर से भिड़कर उसकी राइफल छीनते हुए और उस पर ही गोली चलाने की कोशिश करते देखा जा सकता है। उसने ये ऐसे समय किया, जब बुरी तरह अफरा-तफरी मची हुई थी। उसने बहादुरी से एक हमलावर को काबू करते हुए शायद और खून-खराबा होने से बचा लिया।

गोलियों के बीच भागती भीड़ :

फुटेज में गोलियों की आवाज और भागती भीड़ को देखा जा सकता है। इसी अफरातफरी में एक शख्स के हमलावर को काबू करने की घटना कैद हो गई। एक और वीडियो क्लिप में दूसरा शूटर ऊंचे फुटपाथ पर खड़ा दिख रहा है। वह नीचे लोगों पर गोलियां चला रहा है। इसमें कई लोगों को गोलियां लग रही हैं।

ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं की है कि इस हमले का मकसद क्या था। ये हमला यहूदी त्योहार हनुक्का की शुरूआत का जश्न मनाने के लिए जमा हुए लोगों पर किया गया। इस त्योहार के लिए सैकड़ों लोग बॉन्डी बीच पर चानुका बाय द सी नाम के कार्यक्रम के लिए जमा हुए थे।

हमले की जांच जारी :

पुलिस ने बताया है कि हमले के बाद जांच जारी है। आसपास के इलाके में मिली कई संदिग्ध वस्तुओं की जांच विशेषज्ञ अधिकारी कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने अपने बयान में कहा है कि बॉन्डी बीच के दृश्य चौंकाने वाले और दुखद हैं। पुलिस और आपातकालीन कर्मी मौके पर हैं।

केरल में पहली बार भाजपा का मेयर श्रीलेखा बन सकती हैं

तिरुवनंतपुरम से जीतीं राज्य की पहली महिला आईपीएस अधिकारी डीजीपी पद से रिटायर हुईं हैं

तिरुवनंतपुरम, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल के निकाय चुनाव में एनडीए को बड़ी कामयाबी मिली है। गठबंधन ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्डों में से 50 वार्डों पर जीत दर्ज की है। पिछले 45 साल से यहां वाम लोकतांत्रिक मोर्चा का कब्जा है। एलडीएफ को 29 और कांग्रेस गठबंधन को 19 वार्डों में जीत मिली है।कॉर्पोरेशन (मेयर) की कुल 6 सीटों पर हुए चुनाव में भाजपा को एक सीट मिली। भाजपा की तरफ से चुनाव लड़ीं पूर्व आईपीएसअधिकारी आर श्रीलेखा ने सस्थमंगलम डिवीजन से भारी अंतर से जीत हासिल की।श्रीलेखा की जीत के बाद अटकलें लगाई जा रही हैं कि मेयर के लिए वे बीजेपी की पसंद होंगी। अगर ऐसा होता है तो वह राज्य में भाजपा की पहली मेयर होंगी।

75 साल की दोस्ती को नया आयाम, भारतीय राजदूत बोले

रिश्तों को नए स्तर पर ले जाने का अवसर

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 और 16 दिसंबर को जॉर्डन के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगे। यह उनका जॉर्डन का पहला द्विपक्षीय दौरा होगा। इस दौरे को भारत और जॉर्डन के बीच रिश्तों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। ऐसे में पीएम मोदी के इस दौरे को लेकर जॉर्डन में भारत के राजदूत मनीष चौहान ने कहा है कि यह यात्रा दोनों देशों की दोस्ती को और मजबूत करने के साथ-साथ रिश्तों को एक नए स्तर पर ले जाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब भारत और जॉर्डन अपने राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं।

चौहान ने कहा कि यह मौका ऐतिहासिक है और इस वर्ष की सबसे यादगार घटनाओं में से एक होगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 15 दिसंबर को जॉर्डन पहुंचेंगे और 16 दिसंबर तक वहां रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह इस सदी में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला ऐसा दौरा है।

2018 में जॉर्डन गए थे पीएम मोदी

बता दें कि इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी 2018 में जॉर्डन सिर्फ ट्रांजिट (रुकते हुए) आए थे। यह यात्रा जॉर्डन के राजा किंग अब्दुल्ला द्वितीय के निमंत्रण पर हो रही है। राजदूत ने कहा कि यह दौरा भारत-जॉर्डन संबंधों और पूरे क्षेत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है। इस दौरान दोनों देश न सिर्फ अब तक की मजबूत दोस्ती पर चर्चा करेंगे, बल्कि भविष्य में सहयोग को और आगे बढ़ाने पर भी बात करेंगे।

जॉर्डन में पीएम मोदी की कार्यक्रम

राजदूत चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहेगा। वे जॉर्डन के राजा किंग अब्दुल्ला द्वितीय से मुलाकात करेंगे। इस बैठक में राजनीतिक, आर्थिक, व्यापारिक और सांस्कृतिक सहयोग सहित कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। दोनों नेता क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी अपने विचार साझा करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी और किंग अब्दुल्ला द्वितीय भारत–जॉर्डन बिजनेस इवेंट को भी संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री जॉर्डन में रहने वाले भारतीय समुदाय से भी मुलाकात करेंगे।

भारत-जॉर्डन के संबंध

विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत और जॉर्डन के रिश्ते हमेशा से दोस्ताना और मजबूत रहे हैं। दोनों देशों के नेताओं के बीच अच्छा तालमेल है। आर्थिक क्षेत्र में भी दोनों देशों के संबंध मजबूत हैं। भारत, जॉर्डन का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और दोनों देशों के बीच व्यापार करीब 2.8 अरब डॉलर का है।

तीन देशों की यात्रा का पहला चरण

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी का जॉर्डन दौरा उनकी तीन देशों की यात्रा का पहला चरण है। इसके बाद वे 16 से 17 दिसंबर तक अफ्रीकी देश इथियोपिया के राजकीय दौरे पर जाएंगे और फिर 17 से 18 दिसंबर तक ओमान का दौरा करेंगे। ओमान की यह उनकी दूसरी यात्रा होगी।

फर्जी पासपोर्ट रैकेट मामले में ईडी ने छह आरोपितों के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

कोलकाता, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। फर्जी पासपोर्ट रैकेट मामले में ईडी ने कोलकाता स्थित विशेष अदालत में छह आरोपितों के खिलाफ पूरक चार्जशीट दाखिल की है। ईडी का कहना है कि आरोपितों ने आयकर रिटर्न के दस्तावेजों में नाम और पैन बदलकर नए सिरे से पासपोर्ट के लिए आवेदन सैकड़ों लोगों के पासपोर्ट बनवाए थे। ईडी ने इस मामले में पहले आजाद मल्लिक नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था, जो पाकिस्तान का नागरिक है।

जांच के दौरान पता चला कि वह बांग्लादेश के रास्ते भारत आया था। आजाद की गिरफ्तारी के बाद उसके संपर्कों की कड़ी से अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी की गई। इस गिरोह ने लगभग 300 फर्जी पासपोर्ट तैयार किए थे। मुख्य आरोपितों में एक तथा आजाद मल्लिक का सहयोगी इंदुभूषण हालदार को 14 अक्तूबर को नदिया से गिरफ्तार किया गया था। उस पर 2016 से पासपोर्ट रैकेट से जुड़े होने का आरोप है। वह आजाद मल्लिक के लिए फर्जी पासपोर्ट तैयार करने में भी शामिल था।

'लोकतंत्र को तमाशा बना दिया'

संसद में अमित शाह ने ऐसा क्या बोला, जिसपर भड़क गए प्रियांक खरगे?

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंत्री और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियंक खरगे ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की संसद में कथित अपशब्दों के इस्तेमाल की कड़ी आलोचना की। खरगे ने कहा कि इससे सिर्फ उनके नजरिए का पता चलता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि वर्तमान सरकार में जवाबदेही की कमी है। खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कहा जाता है कि आपकी भाषा आपके नजरिए को दिखाती है। प्रियांक खरगे ने आगे कहा कि इन सबके बीच सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण था चेयर की प्रतिक्रिया, मुस्कान और चुप्पी।

न कोई फटकार, न कोई जवाबदेही। न संसद का सम्मान, न संविधान का। खरगे ने भाजपा-आरएसएस पर आरोप लगाया कि उन्होंने लोकतंत्र को सिर्फ एक तमाशा बना दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा-आरएसएस ने हमारी लोकतांत्रिक संस्थाओं को गंभीर से लेकर मजाक में बदल दिया है।

संसद में अमित शाह और राहुल के बीच तीखी बहस

बता दें कि संसद में यह विवाद 10 दिसंबर को तब शुरू हुआ, जब गृह मंत्री अमित शाह और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बीच 'वोट चोरी' को लेकर बहस गरम हो गई। राहुल गांधी ने लगातार शाह को प्रेस वार्ता में उठाए गए मुद्दों पर बहस करने की चुनौती दी। वहीं अमित शाह ने कहा कि संसद उनकी मर्जी के अनुसार नहीं चलेगी। साथ ही शाह ने इस बात पर भी जोर दिया कि वे सभी सवालों का जवाब अपनी क्रम में देंगे।

अमित शाह ने विपक्ष पर साधा था निशाना

इस दौरान अमित शाह ने विपक्ष पर जमकर निशाना भी साधा। शाह ने कहा कि वे वोटर लिस्ट सुधार (एसआईआर) प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं। ये वही प्रक्रिया है जिससे वोटर लिस्ट सही की जाती है। विपक्ष इसका विरोध कर रहा है, लेकिन उनका हार निश्चित है। चुनाव आयोग के प्रति दोहरा मानदंड नहीं चलेगा।

राहुल गांधी ने कुछ ऐसे किया था पलटवार

हालांकि राहुल गांधी ने गृह मंत्री के जवाब को रोकते हुए तीन प्रेस वार्ता में उठाए गए 'वोट चोरी' के आरोपों पर बहस की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि मैंने पूछा कि चुनाव आयोग को पूरी सुरक्षा क्यों दी गई। अमित शाह केवल हरियाणा का उदाहरण दे रहे हैं, जबकि 19 लाख फर्जी वोटर्स के मामले हैं। आइए, मेरी तीन प्रेस कॉन्फ्रेंस पर बहस करें।

रात में 3 कारों ने फिल्मी स्टाइल में चलती कार पर किया जानलेवा हमला, 4 यात्री घायल, नकदी भी लूटी

मुंबई, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के वाशिम जिले के रिसोड–लोणार मार्ग पर देर रात यात्रियों पर हुए जानलेवा हमले से इलाके में सनसनी फैल गई। जहां फिल्मी अंदाज में तीन कारों ने रात के सन्नाटे में एक कार पर अचानक से हमला बोल दिया। कार में सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके पास रखी नकदी भी लूट ले गए।

पुलिस ने मामले की अधिक जानकारी देते हुए बताया कि नांदेड जिले के हिमायतनगर से बुलढाणा जिले के सुल्तानपुर गांव इलाज के लिए पीड़ित कार में सवार होकर जा रहे थे। तभी यात्रियों की चारपहिया गाड़ी पर वाशिम जिले के लोणी बुद्रुक गांव के पास रात करीब एक बजे 3 कारों से आए अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। इस हमले में चार यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनका इलाज रिसोड के अस्पताल में किया जा रहा है। हमलावरों ने वाहन को रोककर यात्रियों पर हमला किया। उनके पास मौजूद कुछ नकदी भी लूट ली। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

विधानसभा चुनाव से पहले स्टालिन ने चला दांव महिलाओं के लिए इस योजना का किया विस्तार

चैन्नई, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव अब सिर्फ पांच महीने दूर हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपनी प्रमुख महिला कल्याण योजना 'कलाइग्नर मगलिर उरिमाई थिट्टम' (केएमयूटी) के दूसरे चरण की शुरुआत की है। इस विस्तार से राज्य भर में अतिरिक्त 17 लाख महिलाओं को फायदा होगा। इससे योजना के लाभार्थियों की कुल संख्या 1.3 करोड़ से ज्यादा हो जाएगी। यह घोषणा चेन्नई के नेहरू स्टेडियम में आयोजित 'वेल्लुम तमिल पेंगल' नाम के कार्यक्रम में की गई।

इस योजना की क्या है खास बातें?

इस योजना के तहत परिवार की महिला मुखिया को हर महीने सीधे बैंक खाते में 1000 रुपये ट्रांसफर किए जाते हैं। योजना की औपचारिक शुरुआत 15 सितंबर 2023 को हुई थी और तब से हर महीने की 15 तारीख को राशि जमा होती है। पहले चरण में 1.14 करोड़ से ज्यादा महिलाएं पात्र पाई गईं और उन्हें लाभ मिल रहा है। अब दूसरे चरण के साथ कुल लाभार्थी 1.3 करोड़ हो जाएंगे। मुख्यमंत्री स्टालिन ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने कई घंटे महिलाओं की कहानियां सुनीं, जो बेहद प्रेरणादायक थीं। उन्होंने कहा, मैं आभार और नई ऊर्जा से भरा हूं। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए और ज्यादा काम करने का संकल्प लेता हूं।

'भेदभाव मुक्त समाज बनाना असली मकसद'

स्टालिन ने योजना की विचारधारा पर जोर देते हुए कहा कि सरकार का सपना जाति, धर्म, नस्ल या स्थिति के आधार पर भेदभाव मुक्त समाज बनाना है। किसी भी कल्याण योजना की असली सफलता तब होती है जब लोगों की जिंदगी में साफ बदलाव दिखे। उन्होंने कहा कि यह योजना सिर्फ पैसा देने की नहीं, बल्कि महिलाओं को मजबूत बनाने की है।

भाई की गिरफ्तारी से बढ़ी राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी की सियासी मुश्किलें

भोपाल, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। उनके भाई अनिल बागरी को गांजा तस्करी के आरोप में पकड़े जाने के बाद से भाजपा संगठन नाराज हैं। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए अब भाजपा के शीर्ष नेताओं ने मंत्री को भाजपा कार्यालय बुलाया। प्रदेश कार्यालय में मंत्री बागरी की संगठन के वरिष्ठ नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें हुईं। सबसे पहले क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल से करीब आधे घंटे तक चर्चा हुई। इसके बाद प्रदेश महामंत्री हितानंद शर्मा से भी बंद कमरे में बातचीत की गई। संगठन सूत्रों के अनुसार बैठक के दौरान मंत्री से कड़े सवाल किए गए। उनसे यह स्पष्ट करने को कहा गया कि इतने करीबी पारिवारिक रिश्ते के बावजूद उन्हें कथित गतिविधियों की जानकारी कैसे नहीं थी।

भाई की गिरफ्तारी को लेकर उनसे औपचारिक जवाब भी मांगा गया। मंत्री प्रतिमा बागरी ने संगठन के सामने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि उनके भाई की गतिविधियों से उनका कोई संबंध नहीं है और वह इस मामले में पूरी तरह निर्दोष हैं। बताया जा रहा है कि अजय जामवाल से मुलाकात के बाद मंत्री बागरी का हाव-भाव बदला हुआ और वह असहज नजर आईं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इससे पहले भी मंत्री के परिवार से जुड़े मामलों को लेकर विवाद सामने आ चुके हैं, जिससे संगठन की छवि को नुकसान पहुंचा है। भाजपा नेतृत्व इस मामले पर गंभीर है। फिलहाल आगे की रणनीति पर विचार किया जा रहा है।

हत्या के बाद बवाल, पुलिस ने आरोपी हाशिम का किया हाफ एनकाउंटर, धारा 163 भी लागू

खटीमा, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के खटीमा में युवक की हत्या के मामले में आरोपी का हाफ एनकाउंटर कर दिया गया। तुषार की हत्या के मुख्य आरोपी हाशिम का हाफ एनकाउंटर किया गया है। खटीमा पुलिस ने ये कार्रवाई की है। हाशिम के पैर में गोली लगी है। इसके बाद झनकट चौकी क्षेत्र से उसकी गिरफ्तारी की गई।

खटीमा में रविवार को बीएनएस की धारा 163 लगा दी गई है। उत्तराखंड के खटीमा में एक युवक की हत्या के बाद आक्रोशित लोगों ने जमकर हंगामा किया। गुस्साए लोगों ने हमलावरों की दुकान में आग लगा दी। इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर तनाव को देखते हुए प्रशासन ने धारा 163 लागू किया है। स्थिति को देखते हुए पुलिस बल को मौके पर तैनात किया गया है। प्रशासन द्वारा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है

111 फर्जी कंपनियों से हजार करोड़ की धोखाधड़ी का 'ड्रैगन' कनेक्शन

सीबीआई की चार्जशीट में बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 17 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। इनमें चार चीनी नागरिक भी शामिल हैं। इसके अलावा आरोपपत्र में 58 कंपनियों को भी आरोपी बनाया गया है। ये सभी कथित तौर पर साइबर धोखाधड़ी वाले एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े थे। इन पर मुखौटा (शेल) कंपनियां बनाकर और ऑनलाइन एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी करने का आरोप है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

इस साइबर धोखाधड़ी वाले नेटवर्क का अक्तूबर में भंडाफोड़ हुआ। जांचकर्ताओं ने एक संगठित नेटवर्क का पता लगया, जो विभिन्न प्रकार की धोखाधड़ी करता था। इसमें गुमराह करके ऋण के लिए आवेदन, फर्जी निवेश योजनाएं, पोंजी और कई स्तर के मार्केटिंग मॉटल, नकली पार्टी टाइम नौकरी की पेशकर और ऑनलाइन गेम के जरिये धोखाधड़ी शामिल थे। जांच एजेंसी की अंतिम रिपोर्ट के मुताबिक, इस समूह ने अवैध धन को 111 शेल

कंपनियों के जरिये अलग-अलग खातों में रखा और म्यूल खातों के माध्यम से लगभग 1,000 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। इनमें से एक खाते में ही थोड़े समय में 152 करोड़ रुपये आए। सीबीआई ने कहा कि शेल कंपनियां नकली निदेशकों, फर्जी या गुमराह करने वाले दस्तावेज, फर्जी पते और व्यवसायिक उद्देश्यों के झूठे विवरण का उपयोग करके बनाई गई थीं।

सीबीआई के प्रवक्ता ने बताया कि इन शेल कंपनियों का इस्तेमाल बैंक खाते और पेमेंट गेटवे खाते (उदाहरण के लिए यूपीआई, फोन पे आदि) खोलने के लिए किया गया। इसके जरिये अपराध से कमाए गए पैसे को जल्दी-जल्दी अलग-अलग खातों में घुमाया गया और दूसरी जगह भेज दिया गया, ताकि उसका असली स्रोत छिपाया जा सके।जांचकर्ताओं ने पाया कि यह धोखाधड़ी 2020 में कोरोना महामारी के दौरान शुरू हुई थी। शेल कंपनियां चार चीनी हैंडलर जोउ यी, हुआन लिउ, वेइजियान लिउ और गुआनहुआ के निर्देशन में बनाई गई थीं। उनके भारतीय सहयोगियों ने गैरकानूनी तरीके से लोगों के पहचान दस्तावेज हासिल किए, जिनका इस्तेमाल शेल कंपनियों और म्यूल खातों के नेटवर्क को बनाने और धोखाधड़ी से प्राप्त धन को सफेद करने में किया गया।

जांच में यह भी पता चला कि विदेशी नागरिक अभी भी नेटवर्क को नियंत्रित कर रहे हैं। सीबीआई ने कहा कि दो भारतीय आरोपी के बैंक खातों से जुड़ी यूपीआई आईडी अगस्त 2025 तक विदेशी स्थान पर सक्रिय पाई गई, जिससे विदेशी नियंत्रण और वास्तविक समय में संचालन का प्रमाण मिला। रैकेट में तकनीक का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया गया।

इसके लिए गूगल विज्ञापन, बड़ी संख्या में एसएमएस, सिम-बॉक्स से भेजे गए मैसेज, क्लाउड सिस्टम, फिनटेक प्लेटफॉर्म और कई म्यूल खाते इस्तेमाल किए गए। पीड़ितों को फंसाने से लेकर पैसे इकट्ठा करने और उन्हें एक जगह से दूसरी जगह भेजने तक हर चरण इस तरह बनाया गया था कि असली लोगों की पहचान छिपी रहे और कानून एजेंसियों को पता न चल सके। इस मामले में दाखिल आरोपपत्र में 17 लोगों और 58 कंपनियों के नाम शामिल हैं।

'ममता बनर्जी को गिरफ्तार करो'

मेसी के इवेंट में हुए बवाल पर असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा का बड़ा बयान

गुवाहाटी, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में मशहूर फुटबॉलर लियोनेल मेसी की एक झलक पाने को बेताब फैंस ने उनके जाते ही टेबल-कुर्सी तोड़ना शुरू कर दिया। महंगी टिकट खरीदने के बावजूद उन्हें मेसी को देखने तक का मौका नहीं मिला और इसकी वजह थी कथित वीआईपी कल्चर। इसे लेकर सियासी पारा भी चढ़ने लगा है। इसे लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने ममता सरकार पर निशाना साधा है। हिमंता बिस्वा सरमा ने ममता बनर्जी की गिरफ्तारी की मांग की है। उनका कहना है कि ममता सरकार भीड़ को नियंत्रण करने में नाकामयाब साबित हुई है। अधिकारियों से घिरे होने के कारण भारी संख्या में जुटे लोग उन्हें देख तक नहीं सके।

असम सीएम ने क्या कहा?

हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा, जुबीन गर्ग की मौत के बाद गुवाहाटी की सड़कों पर 3 दिन तक 10 करोड़ से भी ज्यादा लोग मौजूद थे, लेकिन कोई गड़बड़ नहीं हुई। सबकुछ शांति से खत्म हुआ। लगभग 50 हजार लोग अंतिम संस्कार में गए थे, लेकिन कोई हादसा नहीं हुआ। मुंबई में महिला विश्व कप फाइनल के दौरान भी सबकुछ शांति से संपन्न हुआ, लेकिन बंगाल एक ऐसा राज्य है, जहां कुछ भी कहा नहीं जा सकता है। वहां वीआईपी कल्चर काफी ज्यादा है।

हिमंता बिस्वा सरमा के अनुसार,

पश्चिम बंगाल की गृह मंत्री, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ही हैं और कोलकाता पुलिस के कमिश्नर को गिरफ्तार कर लेना चाहिए। कोलकाता में जो कुछ भी हुआ, उसकी पूरी जिम्मेदारी गृह मंत्री और पुलिस कमिश्नर की है। हिमंता बिस्वा सरमा ने आगे कहा, मेसी पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा हैं। ममता बनर्जी को खुद का निरीक्षण करने की जरूरत है। बंगाल में हर दिन लोगों पर अत्याचार होता है। यह चिंता का विषय है।

क्या है पूरा मामला?

बता दें कि विश्व कप विजेता फुटबॉलर लियोनेल मेसी को देखने के लिए कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में भारी भीड़ जुटी थी। सभी दर्शक हजारों रुपये का टिकट खीदकर स्टेडियम में पहुंचे थे। मगर, 20 मिनट की विजिट के दौरान मेसी को अधिकारियों और नेताओं ने घेर रखा था, जिसके कारण लोगों को मेसी की एक झलक तक देखने को नहीं मिली।

इवेंट ऑर्गेनाइजर गिरफ्तार

मेसी के जाते ही लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने प्लास्टिक की बोतलों और कुर्सियों को पिच पर फेंकना शुरू कर दिया। भीड़ पर काबू पाने के लिए पुलिस ने बल का सहारा लिया। पश्चिम बंगाल के गवर्नर सीवी आनंद बोस ने बाद में बताया कि इवेंट के आयोजनकर्ता को गिरफ्तार कर लिया गया है।

दिल्ली- एनसीआर में कोहरे और प्रदूषण का डबल अटैक

सड़कों पर रेंग रहीं गाड़ियां, एक्यूआई पहुंचा 464, ग्रैप- 4 की पाबंदी लागू

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण का कहर जारी है। कड़ाके की ठंड और कोहरे के बीच प्रदूषण भी पहले से ज्यादा बढ़ गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, रविवार सुबह दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 464 तक पहुंच गया, जो 'गंभीर+' श्रेणी में है। कई इलाकों जैसे आनंद विहार, बवाना और चांदनी चौक में एक्यूआई 480-490 के पार दर्ज किया गया। दिल्ली के आनंद विहार इलाके के आस-पास रविवार सुबह जहरीली धुंध छाई रही। इलाके के आस-पास एक्यूआई 491 रहा, जिसे 'गंभीर' कैटेगरी में रखा गया है।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली- एनसीआर में ग्रैप स्टेज-आईवी के तहत सभी एक्शन लागू कर दिए हैं। दिल्ली में सुबह-सुबह कोहरे से स्थिति बेहद खतरनाक बनी हुई है। दिल्ली-मेरठ हाईवे पर कोहरे की वजह से गाड़ियां रेंगती हुई नजर आ रही हैं। वहीं, दूसरी तरफ आज दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति भी बेहद गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। दिल्ली का आज औसत एक्यूआई 464 है। दिल्ली में एक ही दिन में ग्रैप 3 और फिर ग्रैप 4 की पाबंदी लागू कर दी गई हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

जिनमें अकेले चलने के हौसले होते है, एक दिन उनके पीछे ही काफिले होते है!

दूसरे चरण के ग्राम पंचायत चुनाव शांतिपूर्ण : आकांक्ष यादव

डीसीपी ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भुवनगिरि के डीसीपी आकांक्ष यादव, आईपीएस ने कहा कि दूसरे चरण के ग्राम पंचायत चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो रहे हैं। चुनाव के मद्देनज़र डीसीपी ने आज भुवनगिरि मंडल के बॉल्लापल्ली, भुवनगिरि रूरल पुलिस स्टेशन के अंतर्गत बस्वापुर, रामन्नपेट और वलिगोंडा मंडलों के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों की कार्यप्रणाली और मतदान केंद्रों पर किए गए सुरक्षा बंदोबस्त की समीक्षा की। डीसीपी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराया जाए। उन्होंने कहा कि चुनावी क्षेत्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस बल को लगातार सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

डीसीपी ने स्पष्ट किया कि दूसरे चरण के ग्राम पंचायत चुनाव शांत वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हों, इसके लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है।

हैदराबाद में शराब पीकर वाहन चलाने पर 867 लोग पकड़े गए

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने सप्ताहांत में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने के मामले में शहर में 460 लोगों को पकड़ा और उनके खिलाफ केस दर्ज किए। पकड़े गए वाहनों में 350 दोपहिया, 25 तिपहिया, 85 चार पहिया और अन्य वाहन शामिल हैं। यह जांच अभियान सांस विश्लेषण किट से लैस विशेष टीमों द्वारा पूरे शहर में चलाया गया। यातायात पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा।

तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद प्रियंका गांधी ने आज दिल्ली के रामलीला मैदान में कथित वोट चोरी के खिलाफ मेगा रैली में हिस्सा लेते हुए।

जीएचएमसी वार्ड परिसीमन पर एआईएमआईएम ने जताई आपत्ति

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम द्वारा जारी प्रारंभिक वार्ड परिसीमन अधिसूचना पर आपत्ति दर्ज कराते हुए उसमें सुधार की मांग की है। छह दिन पहले जीएचएमसी ने वार्ड परिसीमन की प्रारंभिक अधिसूचना जारी कर दावे और आपत्तियां आमंत्रित की थीं।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, एआईएमआईएम ने चंद्रायनगुट्टा, बहादुरपुरा, राजेंद्रनगर, याकूतपुरा और कुछ अन्य विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले वार्डों की सीमाओं पर आपत्ति जताई है।

पार्टी का कहना है कि वार्डों की सीमाएं विधानसभा क्षेत्रों की सीमाओं से मेल नहीं खानी चाहिए, क्योंकि इससे कई तरह की दिक्कतें पैदा हो सकती हैं। एआईएमआईएम ने अपनी आपत्तियां जीएचएमसी को सौंप दी हैं और अब अंतिम अधिसूचना का इंतजार कर रही है। इस बीच, नए वार्डों की घोषणा से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह है और टिकट के लिए प्रयास शुरू हो गए हैं। पार्टी की परंपरा के अनुसार, किसी भी उम्मीदवार को टिकट देने से पहले स्थानीय विधायक से राय ली जाती है।

फिलहाल जीएचएमसी में एआईएमआईएम के 42 पार्षद हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, अंतिम अधिसूचना जारी होने के बाद नेतृत्व वरिष्ठ नेताओं से चर्चा कर यह तय करेगा कि पार्टी कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। संभावना है कि पार्टी हैदराबाद, सिकंदराबाद, चेवेल्ला और मलकाजगिरि लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ेगी। हैदराबाद और सिकंदराबाद क्षेत्रों से अधिक उम्मीदवार उतारे जा सकते हैं। मलकाजगिरि, मुशीराबाद, सनतनगर, जुबली हिल्स और खैरताबाद विधानसभा क्षेत्रों पर पार्टी विशेष ध्यान दे रही है और यहां कुछ सीटें जीतने की उम्मीद जता रही है।

तेलंगाना कैबिनेट में फेरबदल पर फैसला हाईकमान करेगा: टीपीसीसी प्रमुख

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने कहा कि तेलंगाना मंत्रिमंडल में फेरबदल पर अंतिम निर्णय पार्टी हाईकमान ही करेगा। रविवार को उन्होंने नई दिल्ली में वोट चोरी के खिलाफ आयोजित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की रैली में भाग लिया। इस मौके पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार पर स्वायत्त संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि भाजपा नेताओं ने भारत निर्वाचन आयोग को अपनी जेब की संस्था बना दिया है और यह रैली वोट चोरी के मुद्दे पर केंद्र को चुनौती देने के लिए आयोजित की गई है। टीपीसीसी प्रमुख ने स्पष्ट किया कि उनकी मंत्रिमंडल में शामिल होने

की कोई इच्छा नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की फ्यूचर सिटी के विकास के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित किया, जिसका उद्देश्य हैदराबाद को एक विशिष्ट और प्रतिस्पर्धी वैश्विक केंद्र बनाना है।

महेश कुमार गौड़ ने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस फिर सत्ता में आएगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में बीआरएस पार्टी का कोई भविष्य नहीं है और आरोप लगाया कि बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव में पार्टी का नेतृत्व करने की क्षमता नहीं है तथा वे केवल सोशल मीडिया तक सीमित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा कभी भी तेलंगाना में सत्ता में नहीं आएगी।

एएचपीआई शाइन लैब्स का प्रस्ताव

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य क्षेत्र के कार्यबल विकास को बड़ा बढ़ावा देते हुए, एबेकमेड एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स ऑफ इंडिया (एएचपीआई) के सहयोग से हैदराबाद में एएचपीआई शाइन लैब्स की शुरूआत करेगा। यह भारत का पहला स्टैंड-अलोन को-स्किल्स हब होगा, जो विशेष रूप से अस्पताल कार्यबल प्रशिक्षण के लिए समर्पित है। एक साझा पेशेवर प्रशिक्षण इकोसिस्टम के रूप में डिजाइन की गई एएचपीआई शाइन लैब्स में अस्पतालों के कामकाज को बाधित किए बिना व्यावहारिक प्रशिक्षण, मानकीकृत शिक्षण ढांचे और सर्वोत्तम क्लिनिकल प्रथाओं को अपनाने की सुविधा होगी। यहां उन्नत सिमुलेशन रूम, स्किल्स ट्रेनिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर, मैनिकिन्स, क्लिनिकल उपकरण तथा सर्टिफिकेशन और आउटकम-आधारित मूल्यांकन के साथ डिजिटल प्री-लर्निंग मॉड्यूल उपलब्ध होंगे। इस पहल का उद्देश्य सभी आकार के अस्पतालों में स्वास्थ्य पेशेवरों को अपस्किल कर कार्यबल की तैयारियों और क्लिनिकल परिणामों में सुधार करना है। लॉन्च कार्यक्रम एएचपीआई के डायरेक्टर जनरल डॉ. गिरधर ज्ञानी की उपस्थिति में होगा, जबकि पीवीआरआई ग्रुप के चेयरमैन आर. गोविंद हरि सिमुलेशन रूम का उद्घाटन करेंगे।

इस अवसर पर कॉन्टिनेंटल हॉस्पिटल्स के एमडी रघुनाथ रेड्डी सहित वरिष्ठ स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. सुनील के. खेतरपाल, डॉ. एनी ठाकोर, डॉ. प्रशांत और केयर हॉस्पिटल्स के जोनल सीओओ बिजू नायर भी मौजूद रहेंगे। एबेकमेड की योजना एएचपीआई शाइन लैब्स मॉडल को देश के प्रमुख शहरों में दोहराने की है, ताकि पूरे भारत में स्वास्थ्य को-स्किल्स हब्स का एक राष्ट्रीय नेटवर्क तैयार किया जा सके।

नेहरू चिड़ियाघर में पहली बार आएंगे कंगारू

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जल्द ही नेहरू चिड़ियाघर घूमने आने वाले बच्चों, परिवारों और वन्यजीव प्रेमियों को नए विदेशी जानवर देखने का मौका मिलेगा। इतिहास में पहली बार ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासी कंगारू हैदराबाद के नेहरू चिड़ियाघर में लाए जा रहे हैं। गुजरात के जामनगर में स्थित रिलायंस फाउंडेशन द्वारा संचालित वंतारा वन्यजीव बचाव और संरक्षण केंद्र के साथ पशु विनिमय कार्यक्रम के तहत चिड़ियाघर को एक नर और एक मादा कंगारू मिलेंगे। इसके बदले में हैदराबाद चिड़ियाघर अपना एक कंगारू वंतारा को देगा।

नेहरू चिड़ियाघर प्रशासन ने कंगारुओं के लिए बाड़ा और रात्रि आवास सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं। कंगारू आने के बाद उन्हें कुछ दिनों तक क्वारंटाइन में रखा जाएगा, उसके बाद ही दर्शकों के लिए प्रदर्शित किया जाएगा। वंतारा के निदेशक बृज किशोर गुप्ता के नेतृत्व में एक टीम ने हाल ही में चिड़ियाघर का दौरा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण भी किया है। इससे पहले वर्ष 2020 में जापान के योकोहामा चिड़ियाघर से कंगारू लाने की योजना थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण वह योजना टल गई थी। इसके अलावा, चिड़ियाघर में अकेले रह रहे नर जिराफ सनी को भी जल्द एक मादा साथी मिलेगा। इसके लिए मैसूर चिड़ियाघर से जानवरों के आदान-प्रदान को अंतिम रूप दिया गया है। उम्मीद है कि मादा जिराफ इस महीने के अंत तक आ जाएगी। फिलहाल नेहरू चिड़ियाघर में 199 प्रजातियों के 2,200 से अधिक जानवर और पक्षी मौजूद हैं।

कांग्रेस सरकार पर बीआरएस का हमला

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अल्पसंख्यक नेता मुखीद् चंदा ने टीएमआरईआईएस स्कूलों में हो रही आत्महत्याओं और खाद्य विषाक्तता की घटनाओं को रोकने में नाकामी को लेकर राज्य की कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की है।

उन्होंने कहा कि छात्र बासी भोजन खाने को मजबूर हैं, जबकि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी फुटबॉलर मेस्सी के स्वागत कार्यक्रम की तैयारियों में लगे हुए हैं। उनका आरोप है कि कांग्रेस सरकार गरीब परिवारों के बच्चों की समस्याओं को नजरअंदाज कर मनोरंजन पर ज्यादा ध्यान दे रही है। मुखीद चंदा ने कहा कि बीआरएस सरकार के दौरान टीएमआरईआईएस स्कूलों से गरीब परिवारों के बच्चों को लाभ मिला था।

हैदराबाद और आसपास के जिलों में शीत लहर जारी रहने की संभावना

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और आसपास के जिलों में जारी भीषण शीत लहर अगले कुछ दिनों तक बनी रह सकती है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)-हैदराबाद ने कई जिलों में शीत लहर की चेतावनी मंगलवार, 16 दिसंबर तक बढ़ा दी है। आईएमडी के अनुसार, तेलंगाना में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। अगले दो दिनों में राज्य के कुछ इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 3 डिग्री सेल्सियस कम रह सकता है। आदिलाबाद, कोमुराम भीम आसिफाबाद, मंचरियाल, निर्मल, संगारेड्डी और मेदक जिलों के कुछ हिस्सों में शीत लहर चलने की आशंका है।

इन जिलों में अगले 24 से 48 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान 5 से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। वहीं हैदराबाद और आसपास के जिलों में न्यूनतम तापमान 11 से 15 डिग्री सेल्सियस के बीच बने रहने की संभावना है। इस बीच, स्वतंत्र मौसम विशेषज्ञ टी. बालाजी ने कहा है कि शीत लहर जैसी स्थिति 21 दिसंबर तक जारी रह सकती है। उन्होंने बताया कि 16 से 18 दिसंबर के बीच ठंड ज्यादा रहेगी और 19 दिसंबर को एक और मजबूत शीत लहर की संभावना है।

तेलंगाना और आंध्र में मधुमेह रोगियों में अंग विच्छेदन का खतरा अधिक

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अन्य क्षेत्रों की तुलना में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में मधुमेह के मामलों की संख्या अधिक है, जिससे रोगियों में अंग विच्छेदन का खतरा भी बढ़ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, मधुमेह के हर चार मरीजों में से एक को जीवन में कभी न कभी पैरों में छाले या घाव हो जाते हैं। वरिष्ठ वैस्कुलर सर्जन और मधुमेह विशेषज्ञों ने बताया कि न्यूरोपैथी के कारण मरीजों को दर्द का अहसास नहीं होता, जिससे पैरों के घाव समय पर ध्यान न देने के कारण गंभीर हो जाते हैं और अंत में अंग विच्छेदन तक की स्थिति बन जाती है।

कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (केआईएमएस) द्वारा आयोजित एक सीएमई कार्यक्रम में, जिसमें करीब 200 डॉक्टरों ने भाग लिया, विशेषज्ञों ने बताया कि समय पर जांच और रक्त वाहिकाओं से जुड़ा उपचार होने पर अंग को बचाया जा सकता है। केआईएमएस अस्पताल के वरिष्ठ संवहनी और एंडोवैस्कुलर सर्जन डॉ. वेंकटेश बोलिनेनी ने कहा कि विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टरों के संयुक्त प्रयास से कई मधुमेह रोगियों को अंग विच्छेदन से बचाया जा सकता है। वहीं प्लास्टिक सर्जन डॉ. शरथ चंद्र रेड्डी ने मधुमेह रोगियों को पैरों की नियमित देखभाल करने और छोटे घाव पर भी तुरंत इलाज कराने की सलाह दी।

जीएचएमसी में विलय से बडंगपेट में सुविधाओं की उम्मीद बढ़ी

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) में प्रस्तावित विलय के बाद बडंगपेट नगर निकाय क्षेत्र के लोगों में बेहतर सुविधाओं की उम्मीदें बढ़ गई हैं। बडंगपेट भौगोलिक क्षेत्र के लिहाज से 27 प्रस्तावित शहरी स्थानीय निकायों में सबसे बड़ा माना जाता है। विलय से भवन निर्माण से जुड़ी अनुमतियों और नियमों में सरलता आने की संभावना है, जिससे ऊंची इमारतों के निर्माण का रास्ता खुल सकता है। स्थानीय लोगों और संपत्ति मालिकों का कहना है कि लंबे समय से भवन मानदंडों में एकरूपता और त्वरित मंजूरी की मांग की जा रही थी। इससे बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं में सुधार के साथ निवेश भी बढ़ने की उम्मीद है।

विलय से पहले बडंगपेट नगर पालिका का क्षेत्रफल 74.52 वर्ग किलोमीटर था और यहां केवल भूतल से दो मंजिल तक के निर्माण की अनुमति थी। इसके अंतर्गत बडंगपेट, अलमासगुडा, नादेरगुल, कुर्मलगुडा, गुर्रमगुडा, बालापुर (भाग), वेंकटपुर और मामीडीपल्ली शामिल थे। बालापुर क्षेत्र में रक्षा प्रतिष्ठानों के पास होने के कारण ऊंची इमारतों पर प्रतिबंध है। यहां के संपत्ति मालिकों को उम्मीद है कि जीएचएमसी में विलय के बाद भवन ऊंचाई के नियमों में कुछ राहत मिल सकती है।

आठों नगर निकायों के तहत आने वाली करीब 200 कॉलोनियों में सड़क, पानी और सीवरेज जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी है। लोग सड़कों के चौड़ीकरण और जल आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, कई निवासियों को आशंका है कि विलय के बाद संपत्ति कर और पानी के बिलों में बढ़ोतरी हो सकती है। जीएचएमसी में विलय के बाद बडंगपेट नगर निगम के नाम बोर्ड से ऐतिहासिक बडंगपेट बुरजू का प्रतीक चिन्ह हटाया जा सकता है। यह बुरजू लंबे समय से नगर निगम की पहचान रहा है और सभी आधिकारिक पत्राचार में इस्तेमाल होता रहा है। विलय के आदेश के बाद नगर निगम कार्यालय में लगे बोर्ड पर जीएचएमसी का प्रतीक चिन्ह लगा दिया गया है।

पहाड़ीशरीफ में हिस्ट्रीशीटर की चाकू मारकर हत्या

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पहाड़ीशरीफ इलाके में शनिवार रात अज्ञात लोगों ने एक हिस्ट्रीशीटर की चाकू मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान शेख अमैर (35) निवासी पहाड़ीशरीफ के रूप में हुई है। बताया गया कि कुछ लोगों ने अमैर को घेर लिया और उस पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहाड़ीशरीफ पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस के अनुसार, शेख अमैर पिछले साल दर्ज मुबारक सिघर हत्याकांड में आरोपी था। आशंका जताई जा रही है कि उसकी हत्या बदले की भावना से की गई हो सकती है। मामले की जांच जारी है।

आंदेश्री को दुनिया से परिचित कराने का श्रेय सूचना विभाग को : फणी कुमार

सेवानिवृत्त कर्मचारियों का वार्षिक आत्मीय सम्मेलन

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के पूर्व विशेष आयुक्त फणी कुमार ने कहा कि जनकवि आंदेश्री को दुनिया के सामने लाने का कार्य सूचना विभाग ने ही किया। तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारियों का वार्षिक आत्मीय सम्मेलन आज खैरताबाद स्थित रंगारेड्डी जिला परिषद कार्यालय के सभागार में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एवं सूचना विभाग के पूर्व विशेष आयुक्त जी.एन. फणी कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सेवानिवृत्त निदेशक किस्मत कुमार, सुभाष गौड़, सत्याराव, श्रीनिवास, प्रमोद राव सहित बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे। फणी कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि आंदेश्री पहले से ही एक प्रसिद्ध कवि थे, लेकिन वर्ष 2001 में उनकी गीत रचनाओं के माध्यम से उन्हें विश्व स्तर पर पहचान दिलाने का कार्य सूचना विभाग ने किया। उन्होंने बताया कि 2001 में आयोजित महिला जन्मभूमि कार्यक्रम के लिए विभाग के आमंत्रण पर आंदेश्री ने कई प्रेरणादायक गीत लिखे। उस समय आंदेश्री ने स्पष्ट रूप से कहा था कि वे किसी भी गीत में तेलंगाना के खिलाफ या उसे नीचा दिखाने वाली पंक्तियां नहीं लिखेंगे। उन्होंने कहा कि सभी सरकारी विभागों में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग का विशेष स्थान है। अत्यंत जटिल और बड़े आयोजनों को बहुत कम खर्च में, कड़ी मेहनत और स्वेच्छा से काम करते हुए सफल बनाना केवल इसी विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए संभव है। किसी भी विभाग की समस्या को अपनी समस्या मानकर काम करने वाला विभाग केवल सूचना विभाग ही है। मुख्यमंत्री सहित अन्य वीवीआईपी के साथ सीधे और प्रत्यक्ष रूप से कार्य करने वाला विभाग भी यही है।

फणी कुमार ने कहा कि सूचना विभाग खुफिया विभाग के समान कार्य करता है और सरकार की आंखों और कानों की तरह होता है, इसलिए सरकार में इस विभाग को हमेशा महत्व मिलता है। उन्होंने यह भी कहा कि पीआरओ के रूप में काम करना आसान नहीं है, कितना भी उत्कृष्ट कार्य किया जाए, प्रशंसा बहुत कम ही मिलती है। इस सम्मेलन में 75 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों को भव्य रूप से सम्मानित किया गया। इसके अलावा कानूनी विषयों पर व्याख्यान, योग एवं स्वास्थ्य पर विशेष कक्षाएं तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Makwana Komal, W/o, No.14681634F, NK, Makwana Mahesh Jethabhai,R/o, Rajkot, Gujarat, changed my name from Makwana Komal to Makwana Komal Maheshbhai, vide Affidavit No. 0012223583 dt.13.12.2025, before Notary Advocate, Rajkot.

I , Hemiben, Mother of No 14681634F, NK, Makwana Mahesh Jethabhai, R/o, Rajkot, Gujarat, changed my name from Hemiben to Makwana Hemiben Jethabhai, vide Affidavit No 0012223582 dt.13.12.2025, before Notary Advocate, Rajkot.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

रसगुल्ले के चक्कर में नप गईं महिला अफसर

कानपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। कानपुर में 551 जोड़ों के सामूहिक विवाह और निकाह कार्यक्रम में मची लूट मामले में महिला अफसर पर गाज गिर गई है। सरकार ने जिला समाज कल्याण अधिकारी शिल्पी सिंह को समाज कल्याण निदेशालय, लखनऊ अटैच कर दिया है। उनकी जगह शिवम् सागर को कानपुर भेजा गया है। कार्यक्रम में रसगुल्लों के लिए लूट मच गई थी। दुल्हन को लड्डू कम दिए गए थे। यहां तक कि मेहमानों के लिए खाना भी कम पड़ गया था। दरअसल, 15 हजार लोगों के खाने के लिए टेंडर दिया गया था, लेकिन फर्म ने सिर्फ 5 हजार लोगों का ही इंतजाम किया। खाना कम पड़ने की भनक लगते ही लोग स्टॉल पर टूट पड़े थे। तमाम लोग बिना खाए ही लौट गए थे। हर जोड़े को 10 किलो लड्डू की डलिया देनी थी, लेकिन 3 किलो लड्डू ही दिए गए। एडीएम सिटी डॉ राजेश कुमार की अध्यक्षता में जांच टीम बनाई गई। जांच में घोटाले की बात सामने आई। दो फर्मों को 2.50 करोड़ के टेंडर के बाद भी व्यवस्था खराब रही। टेंडर प्रक्रिया की जांच चल रही है।

ईंट से कूचकर मजदूर की हत्या

अमेठी, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के अमेठी में ईंट से कूचकर मजदूर की हत्या कर दी गई। रविवार की सुबह वह साइकिल से काम पर जान के लिए निकला था। रास्ते में वारदात को अंजाम दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौजूद से लोगों से बात करके घटना की जानकारी ली। आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना जगदीशपुर थाना क्षेत्र के हारीमऊ गांव के पास बन रहे अंत्येष्टिस्थल के पास की है। यहां रविवार की सुबह गूगेंमऊ गांव निवासी मनोज सिंह उर्फ मुख्खन (40) की ईंट से कूचकर हत्या कर दी गई। उसके शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। वह अंत्येष्टिस्थल निर्माण कार्य में मेट के रूप में काम कर रहा था। सुबह साइकिल से कार्यस्थल जा रहा था। रास्ते में हत्या कर दी गई।

साधुओं को गिराकर पीटा, नाले में धकेला,: जौनपुर में बच्चा चोरी के शक में रॉड से मारा

जौनपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। जौनपुर में बच्चा चोरी के शक में दो साधुओं को गिरा-गिराकर पीटा। बीच सड़क पर थप्पड़ मारे गए, लात-घूंसे बरसाए और रॉड से मारा। इतना ही नहीं, नाले में भी धकेल दिया। साधु हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाते रहे। वो कह रहे कि हम बच्चा चोर नहीं हैं, लेकिन दोनों नाबालिग हमलावर उन्हें पीटते रहे। साधुओं को पीटता देखकर 100 से अधिक लोग जुट गए।

उन्होंने साधुओं को आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया। बताया जा रहा है कि दोनों साधु सड़क से गुजर रहे थे, तभी एक बच्ची उन्हें देखकर डर गई। दोनों साधु बच्ची के पास पहुंचकर उससे बात करने लगे। बस इसी बात पर लोगों ने उन्हें पीट दिया। पुलिस के पहुंचने से पहले दोनों युवक फरार हो गए। घटना का वीडियो भी सामने आया है। इसके आधार पर पुलिस ने दोनों नाबालिगों समेत 4 लोगों के खिलाफ कोतवाली में एफआईआर दर्ज की है।

अनियंत्रित ओमनी पेड़ से टकराई, दो की मौत

आजमगढ़, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। आजमगढ़–गाजीपुर मार्ग पर नगर पंचायत जहानागंज बाजार क्षेत्र के भुजही मोड़ से कुछ आगे रविवार सुबह करीब 6:30 बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। गाजीपुर से आजमगढ़ की ओर आ रही मारुति ओमनी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए। ओमनी में कुल तीन लोग सवार थे। मृतकों की पहचान शशि सिंह (40) निवासी ग्राम सेमऊर, जखनियां (गाजीपुर) और तौफीक (25) निवासी दुल्लहपुर के रूप में हुई है।

पंकज चौधरी बने यूपी भाजपा के नए अध्यक्ष

विनोद तावड़े और पीयूष गोयल ने की घोषणा; सीएम योगी रहे मौजूद

लखनऊ, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी भाजपा को नया प्रदेश अध्यक्ष मिल गया है। केंद्रीय पर्यवेक्षकों ने उनके नाम की घोषणा की। हालांकि शनिवार को एकमात्र नामांकन होने की वजह से पहले ही उनके नाम पर औपचारिक मुहर लग गई थी। लखनऊ के राम मनोहर लोहिया विवि कैंपस के सभागार में इसकी घोषणा की गई। इस मौके पर केंद्रीय चुनाव पर्यवेक्षक, राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचन के केंद्रीय प्रभारी, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, प्रदेश चुनाव अधिकारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेंद्र नाथ पांडेय ने पंकज चौधरी की जीत की घोषणा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, बृजेश पाठक तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह सहित अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

राजनीतिक सफर की शुरुआत में ही बन गए थे डिप्टी मेयर

गोरखपुर के घंटाघर हरबंश गली स्थित घर में 20 नवंबर 1964 में जन्मे पंकज चौधरी ने एमपी इंटर कॉलेज और गोरखपुर विश्वविद्यालय से स्नातक तक की शिक्षा ग्रहण की। औद्योगिक घराने में जन्मे पंकज चौधरी ने राजनीति में कदम रखा और नगर निगम गोरखपुर में 1989 में पार्षद बने और डिप्टी मेयर बने। महराजगंज में पंकज के लिए राजनीतिक जमीन उनके भाई स्वर्गीय प्रदीप चौधरी ने तैयार की। वह महराजगंज के पहले जिला पंचायत अध्यक्ष थे। वे ही पंकज को अपने साथ लाए और उन्हें स्थापित किया।

पंकज ने भी अपनी राजनीतिक समझ से धीरे-धीरे अपनी पहचान बना ली। राम लहर में 1991 में पहली बार भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। उसके बाद से वह महराजगंज के ही होकर रह गए। अब तक दो बार ही (1999 और 2009 के लोकसभा चुनाव) में ही पंकज को हार का सामना करना पड़ा। पीएम नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल में पहली बार केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री बने और तीसरे कार्यकाल में भी उन्हें दोबारा यह जिम्मेदारी मिली।

पीयूष गोयल ने किया ऐलान, हुआ शंखनाद

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह संगठन की ताकत है कि पार्टी आज इस मुकाम पर है। पीयूष गोयल की घोषणा करते ही पूरा सभागार तालियों से गूंज गया। भूपेंद्र चौधरी ने पार्टी का झंडा नव निर्वाचित अध्यक्ष को सौंपा। इस मोके पर राष्ट्रीय परिषद के 120 नव निर्वाचित सदस्यों की भी घोषणा की गई।

चौथे कुर्मी प्रदेश अध्यक्ष होंगे

प्रदेश भाजपा के 17वें अध्यक्ष पद के लिए नामांकन करने वाले चौधरी कुर्मी बिरादरी से चौथे अध्यक्ष होंगे। इनसे पहले विनय कटियार, ओम प्रकाश सिंह और स्वतंत्रदेव सिंह भी इसी बिरादरी से अध्यक्ष रह चुके हैं।

चुनाव की औपचारिकता की गई पूरी

दरअसल प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में चौधरी का नाम पहली बार चर्चा में आया था, लेकिन इसे लोग इस आधार पर खारिज कर रहे थे सीएम और अध्यक्ष एक ही क्षेत्र से नहीं हो सकता है। हालांकि शुक्रवार को चौधरी के नाम और तेजी से सामने आया, लेकिन नामांकन दाखिल होने तक भी सियासी गलियारों में कई नाम चर्चा में रहे। भाजपा के संगठनात्मक चुनाव के इतिहास के लिहाज से देखा जाए तो लक्ष्मीकांत बाजपेयी के चुनाव के बाद यह पहला मौका है,जब प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के लिए चुनाव की औपचारिकता की जा रही है।

सत्ता का केंद्र बना गोरखपुर

केंद्रीय राजनीति से प्रदेश की सियासत में लौटे पंकज चौधरी के प्रदेश अध्यक्ष बनने से भाजपा की सियासत में पूर्वांचल का दखल बढ़ गया है। खास तौर से गोरखपुर क्षेत्र सत्ता का नया केंद्र बनकर उभरा है। देखा जाए तो गोरखपुर की राजनीति में योगी और पंकज चौधरी ही भाजपा के दो बड़े क्षत्रप हैं और अब तो इनमें से एक के पास सरकार और एक के पास भाजपा संगठन की कमान आ गई है।

कोडीन कफ सिरप: विभोर राणा और उसके भाई विशाल सिंह की फर्म का लाइसेंस निरस्त

ईडी की जांच जारी

सहारनपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। कोडीनयुक्त कफ सिरप की अवैध तस्करी के मामले में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने विभोर राणा और उसके भाई विशाल सिंह की फर्म का लाइसेंस निरस्त कर दिया है। वहीं, शनिवार को भी ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की टीम ने सीआरपीएफ जवानों की मौजूदगी में उनके शास्त्री नगर स्थित आवास व कार्यालय को खंगाला। एक-एक दस्तावेजों की बारीकी से जांच की।

जीआर ट्रेडिंग का लाइसेंस विभोर राणा और एबट हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड फर्म का लाइसेंस विशाल सिंह के नाम पर है। दोनों सगे भाई हैं। इन पर आरोप है कि दोनों भाइयों ने अपने साथियों के साथ मिलकर कोडीनयुक्त कफ सिरप की अवैध तस्करी यूपी के अलावा पश्चिम बंगाल, असम, उत्तराखंड, बिहार और बांग्लादेश में की है। विभोर, विशाल, सचिन और बिट्टू 12 नवंबर को एसटीएफ ने पकड़े थे। उसके बाद से व्यापार में शामिल एक-एक की गिरफ्तारी होती जा रही है। दो दिन से ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) विभोर और उसके भाई विशाल सिंह के आवास और कार्यालय में जांच कर रही है। भी दिन निकलते ही ईडी ने आवास व कार्यालय पर अवैध दवा बिक्री से जुड़े दस्तावेज, स्टॉक रजिस्टर और वित्तीय लेनदेन की गहन जांच की। देर शाम तक ईडी की कार्रवाई चलती रही।

उधर, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने भी कार्रवाई शुरू कर दी है। सहायक आयुक्त औषधि दीपालाल और औषधि निरीक्षक राघवेंद्र सिंह शास्त्री नगर में दोनों भाइयों के आवास पर पहुंचे। यहां उन्होंने आवास के बाहर दोनों की फर्म का औषधि विक्रय लाइसेंस को निरस्त कर दिया है।

सांसद-विधायक, एमएलसी से लेकर डीएम तक

बिहार के इस जिले की कमान ताकतवर महिलाओं के हाथ

शिवहर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले ने इस बार एक ऐसा अनोखा और ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है, जिसकी चर्चा पूरे बिहार में हो रही है। जिले के चारों शीर्ष पद- सांसद, विधायक,एमएलसी और जिला पदाधिकारी एक साथ महिलाओं के हाथों में हैं। यह स्थिति न सिर्फ बिहार में पहली बार बनी है, बल्कि महिला सशक्तिकरण के दिशा में यह महत्वपूर्ण मॉडल पूरे देश के लिए एक प्रेरणादायी उदाहरण माना जा रहा है। शिवहर में लोकसभा का प्रतिनिधित्व पूर्व सांसद बाहुबली आनंद मोहन की पत्नी लवली आनंद कर रही हैं, एमएलसी रेखा कुमारी है तो वहीं शिवहर विधानसभा के इतिहास में पहली बार निर्वाचित होकर पहुंचीं डॉ। श्वेता गुप्ता ने जिले को नई राजनीतिक पहचान दी है।

इसके साथ ही शिवहर जिला की कमान प्रतिभा रानी को सरकार ने सौपा है। आसपास के जिले में भी इसकी चर्चा जोरों पर है। बिहार के सबसे छोटे जिले शिवहर में चार महिला मुख्य पदों

पर तैनात हो होने से जहां महिलाओं में उत्साह है। वहीं, इस पिछले जिले के विकास के लिए काफी उम्मीद लोगों को बढ़ गई है। जिलाधिकारी के पदस्थापना प्रशासनिक क्षेत्र में नई ऊर्जा और पारदर्शिता लेकर आई है। चारों स्तरों पर महिलाओं की यह कमान जिले के लिए ऐतिहासिक है। इस अनोखे संयोजन से आम लोगों में विकास को लेकर नई उम्मीदें जगी हैं। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि महिला नेतृत्व के आने से जिले में कार्य संस्कृति बदली है।

हालांकि जिला में अधिकांश महत्वपूर्ण पदों पर अधिकारी महिला ही हैं। प्रशासनिक स्तर पर पारदर्शिता योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी और जनसुनवाई अधिक संवेदनशील होंगी। ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं पर विशेष ध्यान दिए जाने की उम्मीद है। अगर अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय हुआ तो निश्चित रूप से शिवहर जिला विकास के मामले में काफी ऊंची छलांग लगाएगी।

शिवहर में संसद के रूप में जहां बाहुबली पूर्व सांसद आनंद मोहन की पत्नी लवली आनंद जदयू से पिछले लोकसभा चुनाव में जीत हासिल कर सांसद बनने का गौरव प्राप्त किया। वहीं, शिवहर जिले के विधानसभा के इतिहास में पहली बार कोई महिला विधायक यहां चुनी गई है। जदयू के टिकट से सीतामढ़ी के प्रसिद्ध सर्जन डॉक्टर वरुण कुमार की पत्नी डॉक्टर श्वेता गुप्ता इस बार विधायक चुनी गई है।

वहीं शिवहर में एमएलसी के रूप में सीतामढ़ी के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ मनोज कुमार की पत्नी रेखा गुप्ता चुनी गई थी। वहीं, अब सरकार ने मोतिहारी के कड़क और ईमानदार एसपी स्वर्ण प्रभात की पत्नी आईएएस प्रतिभा रानी को शिवहर का कमान सौंप कर यह संदेश दिया है। आने वाले समय में शिवहर में महिलाओं की भागीदारी और महिलाओं के सशक्तिकरण के दिशा के रूप में बेहतर सिद्ध होंगे।

नदवा कॉलेज में अवैध तरीके से 3 दिन तक रुका फिलीपींस का नागरिक

प्रिंसिपल और सब रजिस्ट्रार सहित कई पर एफआईआर

लखनऊ, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के प्रतिष्ठित इस्लामी शिक्षण संस्थान दारुल उलूम नदवतुल उलमा (नदवा कॉलेज) में टूरिस्ट वीजा पर भारत आए फिलीपींस के नागरिक मोहम्मद आरून सारिप के चोरी-छिपे ठहरने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) से मिले इनपुट पर लखनऊ पुलिस ने जांच की तो पता चला कि यह विदेशी तीन दिन तक कॉलेज के हॉस्टल में बिना किसी कानूनी औपचारिकता के रूका था। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि मोहम्मद आरून सारिप 30 नवंबर से 2 दिसंबर 2025 तक नदवा के महादुल अली हॉस्टल के कमरा नंबर 307 में ठहरा था।

वह संस्थान के एक छात्र मोहम्मद यासीर के पास रुका और इस दौरान लखनऊ के विभिन्न स्थानों का दौरा भी किया। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि उसके ठहरने की जानकारी न तो स्थानीय हसनगंज थाने को दी गई और न ही विदेशियों के पंजीकरण के लिए अनिवार्य 'फॉर्म-सी' भरा गया।

कॉलेज के मुख्य गेट पर रखे रजिस्टर में भी उसकी कोई एंट्री दर्ज नहीं थी। इंस्पेक्टर हसनगंज चितवन कुमार ने बताया कि नदवा में बड़ी संख्या में विदेशी छात्र पढ़ते हैं, ऐसे में किसी भी विदेशी के आगमन, ठहराव और गतिविधियों की सूचना संबंधित विभागों को देना अनिवार्य है। पुलिस का मानना है कि यह महज लापरवाही नहीं, बल्कि जानबूझकर किया गया काम लगता है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मोहम्मद आरून सारिप टूरिस्ट वीजा पर भारत आए थे।

टूरिस्ट वीजा पर घूमना तो ठीक है, लेकिन धार्मिक प्रचार करने वाले समूह तबलीगी जमात में शामिल होना नियमों का उल्लंघन है। जांच में पता चला कि वह दिल्ली में तबलीगी जमात की गतिविधियों में शामिल हुआ था। जब उसे पता चला कि लखनऊ पुलिस उसके बारे में जानकारी जुटा रही है, तो वह दिल्ली से फरार हो गया। सुरक्षा एजेंसियां इस मामले की गहराई से जांच कर रही हैं। पुलिस उसके संपर्कों की छानबीन कर रही है।

उसके मोबाइल नंबर से की गई कॉल्स और संपर्कों की डिटेल्स निकाली जा रही हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह किन-किन लोगों से मिला। उन सभी से पूछताछ की जाएगी। सात दिन की गहन जांच के बाद पुलिस ने नदवा कॉलेज के प्रधानाचार्य मौलाना अब्दुल अजीज नदवी, सब रजिस्ट्रार डॉ। हारून रसीद, महादुल अली छात्रावास के वार्डन मोहम्मद कैसर नदवी, मुख्य गेट पर तैनात सुरक्षाकर्मी और अन्य जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना में बड़ा फर्जीवाड़ा, 96 लाख रुपये किए गायब

बस्ती, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिलों में प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना (पीएमएमवीवाई) में एक बड़े पैमाने पर वित्तीय योजना का खुलासा हुआ है। इस जन कल्याणकारी योजना के तहत रजिस्ट्रीयों ने राशि में सेंधमारी कर 96 लाख रुपये से अधिक सरकारी धन 1000 से अधिक फर्जी बैंक खाते में जमा कर दिया। इस अनुसंधान विभाग के आंतरिक अल्ट्रासाउंड के दौरान, प्रशासन ने जिस पर हमला किया है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, गर्भवती महिलाओं और स्तन वाली महिलाओं को पोषण सहायता प्रदान करना केंद्र सरकार की सबसे महत्वपूर्ण मंजूरी में शामिल है। इस योजना में हुए स्टार्स ने केवल लाखों रुपये के गैबन को शामिल किया है, बल्कि डिजिटल इंडिया के तहत आने वाले डायरेक्ट बेनिट लिस्ट (डीबीटी) सिस्टम की सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि फर्जी निवेशकों में राशि जमा करने की योजना सु नियोजित थी। आईसीडीएस विभाग के आंतरिक शेयरों में खरीदारी की सूची और उनके बैंक खातों के लाइसेंस में भारी स्टॉक जमा हो गया। डीसीडी ट्रिपल ने बताया कि एक ही आईपी एड्रेस या सिस्टम से बड़ी संख्या में राजेश ने ड्रोन के डेटा अपलोड किए थे, जो स्पष्ट रूप से किसी गिरोह की ओर इशारा करते हैं। इन्वेस्टीगेशन का मानना है कि या तो यह किसी बड़े साइबर फ्रॉड गिरोह की साजिश है,

या इसमें डिवाइन उपकरणों के उपकरण भी शामिल हैं। सरकारी धन को इस प्रकार के फर्जी दस्तावेज में भेजा जाता है, प्रशासन की ओर से अवकाश पर गंभीर प्रश्न है। प्रारंभिक जांच में 96 लाख रुपए के गैबन की पुष्टि हुई है, और जिले के सदर ब्लॉक में सबसे अधिक सिक्के पाए गए हैं।मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश पर मामले की चयन प्रक्रिया को देखते हुए उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया गया है।

बिहार पुलिस के जवानों को अब पटना में रहने में नहीं होगी दिक्कत

सीएम नीतीश ने किया बड़े बैरक का शुभारंभ

पटना, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को नवीन पुलिस केंद्र, पटना परिसर में केंद्रीकृत रसोई-सह-भोजनालय और 700 क्षमता वाले पुरुष सिपाही बैरक का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने पुलिसकर्मियों के लिए तैयार की गई आधुनिक सुविधाओं का निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए पुलिस केंद्र के विकसित होने से पटना पुलिस को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में काफी सहूलियत मिलेगी और कर्मियों को बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध होगा।

120 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार भी मिलेगा

मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीकृत रसोई के निर्माण से पुलिस बल को स्वच्छ, पौष्टिक और सस्ता भोजन उपलब्ध हो सकेगा। यहां एक साथ बड़ी संख्या में भोजन तैयार किया जा सकेगा, जिससे पुलिसकर्मियों की समय और संसाधनों की बचत होगी। इस परियोजना से लगभग 120 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार भी मिलेगा। नवीन पुलिस केंद्र के अंतर्गत प्रशासनिक भवन, महिला पुलिस बैरक, पुरुष सिपाही बैरक, भोजनालय, पार्किंग शेड, वाहन स्टैंड, शौचालय, गार्ड रूम और अन्य आधारभूत संरचनाओं का विकास किया गया है।

निर्माण कार्य की गुणवत्ता की सराहना की

मुख्यमंत्री ने पुलिसकर्मियों के लिए बनाए गए बैरक और भोजनालय का निरीक्षण करते हुए निर्माण कार्य की गुणवत्ता की सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पुलिस बल के कल्याण और सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयासरत है। नई व्यवस्थाओं से पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ेगा और वे और अधिक दक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकेंगे। सरकार का लक्ष्य है कि पुलिस व्यवस्था को मजबूत बनाकर राज्य में कानून-व्यवस्था को और बेहतर किया जाए।

घने कोहरे के चलते आपस में टकराई कई गाड़ियां, दादरी में जीटी रोड पर हादसा, कई जख्मी

ग्रेटर नोएडा, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। सर्दी बढ़ने के साथ ही अब घना कोहरा छाने लगा है। घने कोहरे के चलते ग्रेटर नोएडा में दादरी-जीटी रोड पर कई गाड़ियों की आपस में टक्कर हो गई। इस हादसे में कई लोगों को हल्की चोटें आईं। रविवार सुबह घने कोहरे के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-91 (एनएच-91) पर कोट गांव के पास हुए इस हादसे में छह वाहन आपस में टकरा गए। कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं, हालांकि किसी को गंभीर चोट नहीं आई और कोई जनहानि नहीं हुई। यह घटना दादरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत एनएच-91 पर सुबह के समय हुई।

घने कोहरे और कम विजिबिलिटी के चलते पहले एक कार दूसरी कार से टकरा गई। इसके बाद पीछे से आ रहे दो अन्य वाहन भी एक-दूसरे से जा भिड़े, जिससे कुल छह गाड़ियां एक के बाद एक टकराती चली गईं। हादसे के चलते सड़क जाम हो गई। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त गाड़ियों को सड़क से हटाकर जाम को खुलवाया। यातायात बहाल होने से लोगों ने राहत की सांस ली। टक्कर लगने से गाड़ियों को काफी नुकसान हुआ।

वार्ड सदस्य के पति को अपराधियों ने मारी गोली, हायर सेंटर रेफर

पटना, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। पटना के धनरूआ थाना क्षेत्र में देर रात अपराधियों ने वार्ड सदस्य के पति को गोली मार दी। गोलीबारी के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल को नजदीकी नर्सिंग होम में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए एनएमसीएच रेफर कर दिया। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई।

परीक्षा देकर घर लौट रही थी नाबालिग छात्रा, रास्ते में ऑटो ड्राइवर ने किया रेप

जहानाबाद, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के जहानाबाद से दिल को झकझोर कर रख देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक नाबालिग छात्रा से ऑटो ड्राइवर ने दरिंदगी की। मामला पुलिस तक पहुंचा तो आरोपी ऑटो ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके बाद उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। मामला मखदुमपुर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, यहां परीक्षा देकर लौट रही एक नाबालिक छात्रा के साथ ऑटो ड्राइवर ने रेप किया। आरोपी ऑटो ड्राइवर को मखदुमपुर थाना के पुलिस ने किया गिरफ्तार करके जेल भेज दिया।

दरवाजे पर खड़ा था 4 साल का मासूम, घास में छिपा था तेंदुआ खींच ले गया

मुंबई, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कई जिलों में तेंदुओं की बढ़ती गतिविधियों और हमलों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। अब अहिल्यानगर जिले से एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां तेंदुए के हमले में चार साल के मासूम बच्चे की जान चली गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में डर और गुस्से का माहौल है। यह दुखद घटना अहिल्यानगर जिले के संगमनेर तालुका के जवले कडलग गांव में शनिवार (13 तारीख) शाम करीब साढ़े छह बजे हुई। गांव निवासी सूरज दिलीप कडलग का चार साल का बेटा सिद्धेश कडलग घर के दरवाजे पर खड़ा था। उसी समय घास में छिपे तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया और बच्चे को मौके पर ही मार डाला। घटना इतनी तेजी से हुई कि किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला। घटना के वक्त सिद्धेश के पिता बाड़े में मवेशियों को चारा डाल रहे थे, जबकि दादी घास का बोझ लेकर पास ही गई हुई थीं।

'पुतिन की उतारी आरती लेकिन रूस चीन के करीब'

विदेश नीति पर संजय राऊत ने मोदी सरकार को घेरा

मुंबई, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद और सामना के कार्यकारी संपादक संजय राऊत ने अपने साप्ताहिक कॉलम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के हालिया भारत दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था, लोकतांत्रिक परंपराओं और विदेश नीति पर कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं। संजय राऊत ने लिखा कि 4 दिसंबर को पुतिन के दिल्ली आगमन के दौरान पूरी राजधानी की सड़कें बंद कर दी गईं।

पहले से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की आवाजाही की वजह दिल्ली में जाम आम बात है, ऐसे में पुतिन के दौरे ने आम लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दीं। उन्होंने कहा कि शाह कृष्णा मेनन रोड और आसपास की सड़कों के बंद होने से लोगों को भारी दिक्कत हुई। राऊत ने तंज कसते हुए लिखा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आरती उतारी थी और अब पुतिन की आरती उतारते नजर आए। उन्होंने इसे मजेदार लेकिन चिंताजनक बताया। उनका कहना है कि इस तरह की राजनीति देश के सम्मान से ज्यादा नेताओं की छवि चमकाने पर केंद्रित है।

राष्ट्रपति भवन में कालीन विवाद

सामना में यह भी लिखा गया कि पुतिन के स्वागत के लिए राष्ट्रपति भवन में तंबूवालों से कालीन किराए पर लेने पड़े। राऊत ने सवाल उठाया कि क्या राष्ट्रपति भवन में इतने बड़े विदेशी मेहमान के स्वागत के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। उन्होंने इसे देश की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़ा करने वाला बताया।

राऊत ने कहा कि रूस कभी भारत का सबसे भरोसेमंद दोस्त रहा है, लेकिन मौजूदा हालात में रूस ज्यादा चीन के करीब नजर आता है। उन्होंने यह भी लिखा कि अमेरिका और रूस दोनों ही भारत को अपना सामान बेचने में रुचि रखते हैं। कोई हथियार, तो कोई तेल। उनका आरोप है कि कमजोर अर्थव्यवस्था के कारण भारत का शोषण हो रहा है।

एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी

पुतिन के दौरे के दौरान देश के कई हवाई अड्डों पर अव्यवस्था रही। हजारों यात्री फंसे रहे और उड़ानें रद्द हुईं। राऊत के मुताबिक दुनिया ने एक तरफ मोदी-पुतिन की दोस्ती की तस्वीरें देखीं, तो दूसरी तरफ भारत की बदहाल व्यवस्थाएं भी।

विपक्ष को नजरअंदाज करने का आरोप

संजय राऊत ने सबसे बड़ा सवाल लोकतंत्र को लेकर उठाया। उन्होंने कहा कि पुतिन के सम्मान में आयोजित भोज में विपक्षी नेताओं को नहीं बुलाया गया। राहुल गांधी के बयान का हवाला देते हुए उन्होंने इसे लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ बताया। उनका कहना है कि पहले विदेशी मेहमान विपक्षी नेताओं से भी मिलते थे, लेकिन मोदी सरकार में यह परंपरा खत्म कर दी गई। राऊत ने रूस और भारत की तुलना करते हुए कहा कि रूस में विपक्ष लगभग खत्म हो चुका है और भारत भी उसी राह पर बढ़ता दिख रहा है।

घने कोहरे के कारण 10-12 गाड़ियां आपस में टकराईं, 25 घायल, 2 की मौत

रोहतक, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक में घने कोहरे के कारण बड़ा हादसा हुआ है। यहां लगभग 10-12 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इस हादसे में लगभग 25 लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। इनमें से दो लोगों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया है। बताया जा रहा है कि गाड़ियां एक के बाद आपस में टकराती चली गईं और इनकी संख्या 12 तक पहुंच गई। घना कोहरा होने के कारण विजिबिलिटी बेहद कम थी। इसी वजह से हादसा हुआ है।

कई लोग घायल हुए हैं, जिनको पीजीआई रोहतक ले जाया गया। पुलिस मौके पर मौजूद है। पीजीआई रोहतक में 25 घायल पहुंचे हैं और दो की मौत हो गई है। घायलों का पीजीआई में इलाज चल रहा है। हादसा खरकड़ा गांव के पास 152डी हाईवे पर हुआ। यहां धुंध के कारण दो वाहन आपस में टकराए। इसके बाद तेज रफ्तार वाहन पीछे से टकराते चले गए। धुंध के कारण ज्यादा आगे का रास्ता दिख नहीं रहा था और हाईवे में कोई भी ड्राइवर वाहन खड़े होने की उम्मीद नहीं करता। इसी वजह से सभी तेज रफ्तार में चल रहे थे। अचानक वाहन दिखने पर ब्रेक नहीं लगे और पीछे से गाड़ियां आपस में टकराती चली गईं।

झज्जर में भी हादसा

झज्जर के रेवाड़ी रोड पर कोहरे के चलते ट्रेवलर बस सड़क पर खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसा कुलाना और गुरावड़ा गांव के बीच हुआ। हादसे में बस के चालक को गंभीर चोट आई है। उसका पांव कट गया। गंभीर रूप से घायल चालक ने हादसे की आपबीती बताई। हादसे का शिकार हुई बस खाटू श्याम से बहादुरगढ़ जा रही थी। बस में 50 श्रद्धालु सवार थे। कुछ श्रद्धालुओं को मामूली छोटे लगने की खबर है। वहीं, गंभीर रूप से घायल ड्राइवर को प्राथमिक उपचार के बाद पीजीआई रेफर कर दिया गया है।

यूक्रेनी नागरिक को समंदर में पड़ा दिल का दौरा

फरिश्ता बने भारतीय तटरक्षक; बचाई जान

पणजी, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय तटरक्षक बल ने गोवा तट पर एक अभियान चलाकर 62 वर्षीय यूक्रेनी नागरिक को दिल का दौरा पड़ने के बाद बचाया। 13 दिसंबर 2025 को भारतीय तटरक्षक के जहाज सी-420 ने समुद्र में एक त्वरित मेडिकल इवैक्यूएशन (मेडेवैक) का संचालन किया। यह अभियान गोवा तट से समुद्र में माल्टा ध्वज वाले व्यापारी जहाज एमवी इंटरएशिया एम्प्लीफाई पर सवार 62 वर्षीय यूक्रेनी नागरिक को दिल का दौरा पड़ने के बाद बचाने के लिए किया गया।

जानकारी के अनुसार भारतीय तटरक्षक ने समय रहते मरीज को सुरक्षित तरीके से जहाज से निकाल कर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई। इस अभियान ने भारतीय तटरक्षक की समुद्र में जीवन की रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को फिर से साबित किया। मामले में आईसीजी ने बताया कि इस तरह की तत्परता और तेज कार्रवाई समुद्र में यात्रा करने वाले सभी लोगों के लिए सुरक्षा की गारंटी देती है।

10 लाख की रंगदारी लेने आए अपराधी, पुलिस ने मार दी गोली, इलाके में दहशत का माहौल

लुधियाना, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के लुधियाना में बीती रात पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई। 10 लाख रुपये की फिरौती मांगने आए दो आरोपियों में से एक पुलिस की जवाबी गोलीबारी में घायल हो गया और बाद में पुलिस ने उसे पकड़ लिया। इस घटना ने सभी को हिलाकर रख दिया है। दरअसल, बीती रात पुलिस को सूचना मिली थी कि एक जौहरी से 10 लाख रुपये की फिरौती मांगने अपराधी आने वाले हैं। इस आधार पर पुलिस ने ट्रैप लगाकर आरोपी को पकड़ने की कोशिश की। जैसे ही अपराधी मौके पर पहुंचे, पुलिस ने उन्हें आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन अपराधियों ने गोलीबारी कर दी। इसके बाद, पुलिस ने भी जवाबी गोलीबारी की, जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया। उसके बाद उसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। उसके बाद गिरफ्तार किए गए आरोपियों ने यह बताया कि वह एक जौहरी से 10 लाख रुपये की फिरौती मांगने आए थे और साथ ही उसने अपने साथी की पहचान भी बताई।

3 साल बाद उठा मौत से पर्दा

पति ने सांप से कटवाकर की थी कांग्रेस नेता नीरजा आंबेकर की हत्या, हुए खुलासे

मुंबई, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बदलापुर में तीन साल पहले कांग्रेस पार्टी की महिला पदाधिकारी नीरजा आंबेकर की हुई मौत के मामले में अब चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। जिसे अब तक प्राकृतिक मौत माना जा रहा था, वह असल में एक सोची-समझी हत्या निकली। इस मामले में पुलिस ने नीरजा के पति रूपेश आंबेकर समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही, जिस सरकारी अस्पताल ने मौत का प्रमाण पत्र जारी किया था, उसकी भूमिका की भी जांच शुरू कर दी गई है।

दूसरे अपराध की जांच में खुला राज

यह मामला अचानक नहीं खुला। कुछ दिन पहले बदलापुर में एक युवक पर जानलेवा हमला हुआ था। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी ऋषिकेश चालके को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान पुलिस उपनिरीक्षक राजेश गज्जल ने ऋषिकेश से पूछा कि उसने पहले और कौन-कौन से अपराध किए हैं। इसी दौरान ऋषिकेश ने तीन साल पुरानी एक हत्या की बात कबूल कर ली। यह सुनकर पुलिस भी हैरान रह गई। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि साल 2022 में नीरजा आंबेकर की मौत कोई हादसा नहीं थी। उनकी हत्या की साजिश उनके पति और व्यवसायी रूपेश आंबेकर ने रची थी। उस समय पुलिस ने इस मौत को आकस्मिक मानते हुए एडीआर (अचानक मृत्यु रिपोर्ट) दर्ज की थी। कोई संदेह न होने के कारण मामला वहीं बंद हो गया था।

झूठे मृत्यु प्रमाण पत्र की भी जांच

हत्या के बाद नीरजा को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत का प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। अब पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि कुलगांव-बदलापुर सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने बिना गहराई से जांच किए मृत्यु को प्राकृतिक कैसे घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस ने नीरजा के पति रूपेश आंबेकर और उसके तीनों साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस सनसनीखेज खुलासे ने पूरे इलाके में हलचल मचा दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर कड़ी को जोड़कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सांप के काटने से की गई हत्या

ऋषिकेश चालके के कबूलनामे के अनुसार, यह हत्या बेहद चालाकी से की गई थी। रूपेश आंबेकर ने अपने तीन साथियों चेतन दुधाने, कुणाल चौधरी और ऋषिकेश चालके के साथ मिलकर योजना बनाई। हत्या में सांप का इस्तेमाल किया गया ताकि मौत को प्राकृतिक दिखाया जा सके। रूपेश ने पहले ही घर के किचन में एक बोरी में सांप छिपाकर रख दिया था। हत्या वाली रात नीरजा को पैरों की मालिश के बहाने हॉल में उल्टा लिटाया गया। उसी समय चेतन दुधाने, जो सर्पमित्र था, किचन से सांप निकालकर ऋषिकेश को दिया। नीरजा के ऊपर रूपेश बैठा रहा और ऋषिकेश ने सांप से उनके बाएं टखने पर तीन बार डंक मरवाया।

'नई जिंदगी देने के लिए शुक्रिया', कांग्रेस नेता को सैल्यूट

हजारों फीट ऊंचाई पर बचाई विदेशी की जान

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। हजारों फीट ऊंचाई पर फ्लाइट में विदेशी महिला यात्री अचानक बेहोश हो गई थी, जिसे कांग्रेस की पूर्व विधायक और डॉक्टर अंजलि निंबालकर ने सीपीआर देकर बचाया। अगर वे समय पर उपचार नहीं करती तो महिला यात्री की मौत हो चुकी थी, लेकिन अंजलि ने स्थिति को संभाला और इंसानियत की मिसाल पेश की। अंजलि के इस निस्वार्थ कर्म के लिए न सिर्फ यात्रियों ने उसकी पीठ थपथपाई, बल्कि महिला यात्री ने भी नई जिंदगी देने के लिए आभार जताया।

फ्लाइट में बेहोश हो गई थी महिला

अंजलि गोवा से दिल्ली आ रही इंडिगो की फ्लाइट में सफर कर रही थी। अचानक पायलट ने मेडिकल इमरजेंसी का ऐलान करते हुए फ्लाइट में किसी डॉक्टर के होने के बारे में पूछा। अंजलि ने क्रू को बुलाकर अपने बारे में बताया तो क्रू ने बताया कि फ्लाइट में 34 साल की विदेशी महिला जेनी भी सफर कर रही है, जो अचानक बेहोश हो गई है। अंजलि क्रू के साथ जेनी के पास गई और सीपीआर दिया, जिससे जेनी होश में आ गई और क्रू मेंबर ने उसे ओरल इलेक्ट्रोलाइट सॉल्यूशन पिलाया।

दूसरी बार फिर बेहोश हुई महिला

अंजलि ने बताया कि आधे घंटे बाद जेनी की तबियत फिर बिगड़ गई। उसे घबराहट हो रही थी और वह कांप रही थी तो अंजलि ने उसका हाथ पकड़कर ब्रीदिंग एक्सरसाइज कराई, जिसके बाद उसकी हालत में सुधार हुआ। अंजलि पूरे सफर में जेनी के साथ बैठी रहीं। केबिन क्रू ने चीफ पायलट को मेडिकल इमरजेंसी के बारे में बताया और दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट लैंड कराई गई। रनवे पर एंबुलेंस पहले से मौजूद थी, जिसमें बिठाकर जेनी को अस्पताल ले जाया गया और इस तरह जेनी की जान बची।

जेनी ने किया अंजलि का धन्यवाद

अस्पताल जाने से पहले जेनी ने अंजलि का धन्यवाद किया और कहा कि नई जिंदगी देने के लिए शुक्रिया। जेनी ने बताया कि वह कैलिफोर्निया से है और अपनी बहन के साथ दिल्ली में एक शादी समारोह में शिरकत करने जा रही थी, लेकिन गोवा एयरपोर्ट से फ्लाइट टेकऑफ होते ही 10 मिनट बाद उसे घबराहट होने लगी। वह कांपने लगी और बेहोश होकर गिर गई। यह देखकर उसकी बहन भी घबरा गई थी, लेकिन अंजलि ने समय पर उपचार देकर उसकी जान बचा ली, नहीं तो वह मर सकती थी।

17 दिसंबर से बदलेगा मौसम, होगी बारिश, बढ़ेगी ठंड

अहमदाबाद, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। मौसम विज्ञानी अंबालाल पटेल ने एक बार फिर मावठा के संकट की चेतावनी दी है। हाल ही में भविष्यवाणी की थी कि राज्य में दिसंबर में मावठा हो सकता है। 17 से 24 दिसंबर के दौरान राज्य के विभिन्न हिस्सों में मावठा की भविष्यवाणी की है। अंबालाल की मावठा की भविष्यवाणी से किसानों में चिंता व्याप्त हो गई है।

गुजरात वर्तमान में दोहरी ऋतु का अनुभव कर रहा है, दिसंबर लगभग आधा बीत गया लेकिन ठंड के कोई संकेत नहीं हैं। मौसम विभाग ने भी अगले एक सप्ताह तापमान में कमी के कोई संकेत नहीं दिए हैं। इसके विपरीत मौसम विभाग ने तापमान एक से 2 डिग्री बढ़ने के संकेत दिए हैं। जिससे अगले सप्ताह भी ठंड बढ़ने के कोई संकेत नहीं हैं। इन सबके बीच मौसम विशेषज्ञ अंबालाल पटेल ने 17 दिसंबर से गुजरात के कुछ जिलों में मावठा की चेतावनी दी है।

दिसंबर में गुजरात में मावठा का एक और प्रहार होने की प्रबल संभावना व्यक्त की है। भविष्यवक्ता अंबालाल पटेल ने 17 से 24 दिसंबर के बीच वातावरण में बदलाव के साथ मावठा के संकेत दिए हैं। अंबालाल पटेल की भविष्यवाणी के मुताबिक,18 से 24 दिसंबर के बीच एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ आएगा और इस अवधि के दौरान बंगाल की खाड़ी में डिप्रेशन बनेगा, जिसके प्रभाव से गुजरात में वातावरण में बदलाव आएगा और इसके कारण मावठा की संभावना है।

अंबालाल पटेल के आकलन के मुताबिक इस नमी के प्रभाव और अरब सागर में हल्की नमी के कारण मजबूत पश्चिमी विक्षोभ के कारण चक्रवाती परिसंचरण बनेगा। इसके कारण दिसंबर के मध्य में गुजरात में मावठा की संभावना है। अंबालाल पटेल ने किसानों को भी चेतावनी दी है कि, इस मावठा के कारण खासकर गेहूं, अरहर, जीरे की फसल को नुकसान हो सकता है।

मौसम विभाग ने राज्य में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण ठंड में कमी होने की संभावना व्यक्त की है। मौसम विभाग ने अगले चार दिन बाद न्यूनतम तापमान में वृद्धि होने से ठंड में कमी होने की संभावना व्यक्त की है। वर्तमान में हवा की दिशा पूर्व की ओर होने से सामान्य ठंड का अनुभव हो रहा है। आज राज्य में सबसे कम तापमान नलिया में 9.8 डिग्री दर्ज किया गया तो अहमदाबाद का न्यूनतम तापमान 14 डिग्री दर्ज किया गया है।

आरएसएस मुख्यालय के दौरे पर एकनाथ शिंदे, डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर में अर्पित की श्रद्धांजलि

नागपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज (14 दिसंबर) सुबह नागपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मुख्यालय रेशीमबाग का दौरा किया, जहां उनके साथ शिवसेना के मंत्री, विधायक और पदाधिकारी उपस्थित रहे। यह भेंट संगठन की मजबूती, राष्ट्रसेवा की भावना और शताब्दी वर्ष के गौरव को रेखांकित करती है। दौरे के दौरान डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर में श्रद्धांजलि अर्पित की गई और संघ के ऐतिहासिक योगदान पर चर्चा हुई। इस अवसर का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि नागपुर संघ की जन्मभूमि है और यहां से प्रेरणा लेकर देशभर में सामाजिक कार्य संचालित होते हैं। भेंट के बाद उपमुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत कर संगठन की व्यापक पहुंच और निरंतर सेवा को सराहा।

रेशीमबाग की अनुभूति और संगठनात्मक सामर्थ्य

डिप्टी सीएम ने कहा कि रेशीमबाग आने पर प्रत्येक कार्यकर्ता को राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति की विशिष्ट अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि यहां से समाजसेवा और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा लेकर कार्यकर्ता सक्रिय रूप से कार्य करते हैं।

देशभर ही नहीं, बल्कि विश्वभर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाएं कार्यरत हैं और यह संगठनात्मक सामर्थ्य अत्यंत उल्लेखनीय है। शिंदे के अनुसार, संघ का कार्य मॉडल सेवा, अनुशासन और समर्पण पर आधारित है, जो कठिन परिस्थितियों में भी समाज को दिशा देता है।

शताब्दी परंपरा, मार्गदर्शन और नागपुर का ऐतिहासिक महत्व

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि डॉ. मोहन भागवत का मार्गदर्शन कार्यकर्ताओं को निरंतर प्रेरणा देता है और समाजसेवा व राष्ट्रसेवा की शक्ति प्रदान करता है। उन्होंने स्मरण कराया कि सौ वर्ष पूर्व परमपूज्य डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। इसलिए नागपुर केवल उपराजधानी नहीं, बल्कि संघ की जन्मभूमि भी है। यहां आने वाला प्रत्येक स्वयंसेवक जाति, भाषा और प्रांत से ऊपर उठकर राष्ट्रप्रेम की सीख लेकर देशसेवा में सहभागी होता है। बिना किसी प्रसिद्धि या अपेक्षा के सौ वर्षों से निःस्वार्थ भाव से कार्य करना एक ऐतिहासिक तथ्य है।

केटीआर से सटी आबादी के लिए आतंक का पर्याय बना बाघ पिंजरे में कैद, महिला को बनाया था निवाला

देहरादून, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व(केटीआर) से सटे जयहरीखाल ब्लॉक के ग्राम पंचायत अमलेसा के तोक गांव डाल्यूंगाज और इससे सटे सिरोबाड़ी गांवों में बीते पांच दिसंबर से दहशत का पर्याय बने बाघ को वन विभाग की टीम ने ट्रैंकुलाइज कर पिंजरे में कैद कर लिया है। कॉर्बेट के पशु चिकित्सक डॉ. दुष्यंत कुमार के नेतृत्व में एसओजी व रेस्क्यू टीम क्षेत्र बीते दो दिन से उसकी निरंतर निगरानी कर रही थी। केटीआर के प्लेन रेंज के रेंजर अमोल इष्टवाल ने इसकी पुष्टि की है। रविवार तड़के करीब तीन बजे टीम ने सिरोबाड़ी गांव में उसे ट्रैंकुलाइज करने में सफलता हासिल की। इसके बाद उसे पिंजरे में कैद कर कॉर्बेट के ढेला रेंज ले जाया गया है। बाघ के पकडे.जाने से क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली है। ग्राम पंचायत अमलेसा के तोक गांव डाल्यूंगाज में विगत पांच दिसंबर को चारा पत्ती काट रही उर्मिला देवी (60) पर बाघ ने हमलाकर मार डाला था।

बदरीनाथ में माइनस 10 डिग्री पारा, ठंड से जम गई ऋषि गंगा, पर्वतीय क्षेत्रों के लिए अलर्ट जारी

रुद्रप्रयाग, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के चार धामों में से एक बदरीनाथ धाम में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। तापमान में लगातार गिरावट के चलते धाम में शीतलहर का असर तेज हो गया है। हालात ऐसे हैं कि बदरीनाथ में बहने वाली ऋषि गंगा पूरी तरह जम गई है। ठंड के कारण यह गंगा पहाड़ से झरने के रूप में बहने के बजाय वहीं जमकर बर्फ का रूप ले चुकी है। बताया जा रहा है कि बारिश न होने की वजह से क्षेत्र में कोरी ठंड पड़ रही है। रात के समय जमकर पाला गिर रहा है, जिससे बदरीनाथ धाम का तापमान माइनस आठ से माइनस दस डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। अत्यधिक ठंड के चलते धाम के आसपास बहने वाले छोटे-बड़े नदी-नाले भी जमने लगे हैं। ऋषि गंगा के अलावा अन्य जलधाराएं भी बर्फ की परत में तब्दील हो रही हैं।

कपाट बंद होने के बाद से बदरीनाथ धाम में आम लोगों की आवाजाही पूरी तरह बंद है। वर्तमान में धाम में केवल सुरक्षा बलों के जवान, बदरी-केदार मंदिर समिति (बीकेटीसी) के कुछ कर्मचारी और मास्टर प्लान के तहत चल रहे कार्यों में लगे मजदूर ही मौजूद हैं। लगातार गिरते तापमान के कारण इन लोगों को भी कड़ी ठंड का सामना करना पड़ रहा है।

मौसम विभाग ने बर्फबारी और बारिश की जताई संभावना इधर, मौसम विज्ञान केंद्र ने उत्तराखंड के पर्वतीय इलाकों

के लिए रविवार को बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार चमोली, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग और बागेश्वर जिलों के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, प्रदेश के 3700 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के आसार बने हुए हैं।

आने वाले दिनों में पहाड़ी इलाको में बढ़ेगी ठंड

हालांकि, मैदानी और अन्य जिलों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि आगामी दिनों की बात करें तो 19 दिसंबर तक प्रदेशभर में मौसम मुख्यतः शुष्क बना रह सकता है। बावजूद इसके, पहाड़ी इलाकों में तापमान में और गिरावट आने से ठंड का प्रकोप बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। बदरीनाथ सहित ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बढ़ती ठंड और संभावित बर्फबारी को देखते हुए प्रशासन भी सतर्क नजर आ रहा है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 15 दिसंबर - 2025

दक्षिण में बदलती सियासी बयार

केरल के तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर के मिजाज बीते कुछ वक्त से बदले-बदले से नजर आ रहे थे। आलाकमान की बैठकों से भी दूरी और भाजपा से नजदीकी इस बात की तस्दीक है कि थरूर के मन में कुछ तो चल रहा है। एक दिन पहले जहां उन्होंने कांग्रेस के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए राहुल गांधी की अध्यक्षता में हुई लोकसभा सांसदों की बैठक छोड़ दी थी तो इससे पहले थरूर सोनिया गांधी की अध्यक्षता में हुई उस बैठक में से भी नदारद रहे, जहां पार्टी की शीतकालीन सत्र की रणनीति पर चर्चा होनी थी। वहीं अब अपने लोकसभा क्षेत्र तिरुवनंतपुरम में स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की जीत पर उनका विरोधी दल को बधाई देना भी चर्चा का विषय बन चुका है। थरूर के संसदीय क्षेत्र में भाजपा की बढ़त ने साबित कर दिया है कि अब वहां से कांग्रेस के लिए मुकाबला काफी चुनौतीपूर्ण बन गया है। भाजपा ने थरूर के गढ़ में बड़ी सेंध मारी की है। केरल में शुरू हुए नए अध्याय से पीएम नरेंद्र मोदी भी खुश हैं। मोदी ने अपने एक्स पोस्ट में इसे केरल की राजनीति का निर्णायक मोड़ बताया। पीएम मोदी ने लिखा 'धन्यवाद तिरुवनंतपुरम! उन्होंने कहा कि राज्य की जनता अब यह मानने लगी है कि केरल की विकास की आकांक्षाओं को केवल भाजपा ही पूरा कर सकती है। परिणामों पर शशि थरूर ने एक्स पर पोस्ट करते हुए तिरुवनंतपुरम में बीजेपी के प्रदर्शन को ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने कहा, मैंने 45 वर्षों के एलडीएफ के कुशासन से मुक्ति के लिए प्रचार किया, लेकिन मतदाताओं ने अंततः एक ऐसी पार्टी को पुरस्कृत किया, जिसने शासन में स्पष्ट बदलाव की मांग की थी। बहुमत से एक सीट दूर यह जीत 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले बीजेपी के लिए बड़े मनोबल के रूप में देखी जा रही है। इसके अलावा एनडीए ने पलक्कड़ नगरपालिका बरकरार रखी और त्रिपुनिथुरा नगरपालिका यूडीएफ से छीन ली। त्रिशूर क्षेत्र में भी बीजेपी की मौजूदगी और मजबूत हुई है। थरूर की यह राजनीतिक उदारता ऐसे समय में सामने आई है, जब हाल के महीनों में वे केंद्र सरकार के कुछ कदमों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की सराहना कर चुके हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद उनके नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका, ब्राजील और कोलंबिया जैसे देशों का दौरा कर आतंकवाद के खिलाफ भारत का पक्ष मजबूती से रखा। हालांकि कांग्रेस के भीतर इस भूमिका को लेकर मतभेद भी उभरे। पीएम मोदी की कूटनीति की सार्वजनिक सराहना और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ डिनर में थरूर की मौजूदगी ने पहले ही अटकलों को हवा दे दी थी। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि थरूर खुद को पारंपरिक पार्टी लाइन से ऊपर रखकर एक "स्टेट्समैन" की छवि गढ़ने की कोशिश कर रहे हैं, जहां राष्ट्रीय हित, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनादेश को प्राथमिकता दी जाती है। थरूर के इन बयानों से कांग्रेस के भीतर असहजता साफ दिखती है, जबकि बीजेपी इसे अपनी स्वीकार्यता बढ़ने के संकेत के तौर पर देख रही है। हालांकि थरूर ने स्पष्ट किया है कि वे केरल के हितों, सुशासन और जनता की जरूरतों के लिए काम करते रहेंगे।

न्यायाधीश महोदय- आपके पास संविधान का चाबुक है

रघु ठाकुर

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री सूर्यकांत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के पास प्रदूषण मिटाने की कोई जादू की छड़ी नहीं है उनके इस बयान को निराशा माना जाये या कमजोरी माना जाये यह विचारणीय है। परन्तु उनके इस बयान से प्रदूषण से पीड़ित लोगों के लिये निराशा हुई है। पिछले लगभग 3 माह से दिल्ली का प्रदूषण नर हत्यारा जैसा बन गया है और पिछले 20-30 दिन से तो दिल्ली के प्रदूषण का मानक 600 और उससे अधिक तक का रहा है। इतना ही नहीं इस प्रदूषण में जो धूल के कण हैं या अन्य जहरीले तत्व कण हैं वे भी लोगों को अगर मार नहीं रहे तो मौत की ओर धकेल रहे हैं।

अक्टूबर माह में दिवाली के बाद से अभी तक दिल्ली का प्रदूषण धुंध की छाया में है हालाँकि सरकार ने बहुत प्रचार किया था कि दीपावली के बाद पानी का छिड़काव कर प्रदूषण कम करेंगे। जैसा की आमचलन है कि पानी का छिड़काव वीआईपी और भाजपा की सत्ता के आसपास होकर रह गया। सत्ताधीशों और अफसरों के घरों में एयर प्यूरिफाई पहले ही लग चुके हैं। दिल्ली की हालत इतनी बदतर है की दो में से एक व्यक्ति श्वास, कफ, खांसी और बुखार का शिकार है । अस्पतालों में लंबी-लंबी लाईन लगी हैं यहां लोग इलाज की उम्मीद लगा रहे हैं परंतु चिकित्सा सेवाएं और डॉक्टर की भी सीमाएं हैं। अगर एक डॉक्टर के पास 200-300 मरीज पहुंचेंगे तो वह कितनों की जांच कर सकेगा? कितनों को गंभीर रूप से देख सकेगा? यह कोई समझना कठिन नहीं है परंतु सरकारें तो केवल मीडिया के प्रचार पर जिंदा हैं जिन्हें आमजन से कोई लेना-देना नहीं है। मीडिया का काम सरकार के झूठे सपने परोसाना मात्र रह गया है। दिल्ली के एक वरिष्ठ पत्रकार श्री राहुल देव का एक पीड़ादायक बयान अखबारों में छपा है कि अब दिल्ली आम लोगों के लिए रहने के लायक नहीं है। उन्होंने लिखा है कि मैं 38 साल पहले दिल्ली आया था परंतु अब मैं एनसीआर में रहने की स्थिति में नहीं हूं। अब मैं दिल्ली छोड़कर लाचार होकर लखनऊ जा रहा हूं और अगर लखनऊ में भी प्रदूषण का यही हाल रहा तो मैं गांव चला जाऊंगा।

श्री राहुल देव मेरे प्रिय मित्र हैं, मैं उनका सम्मान करता हूं, परंतु मैं उनके इस निर्णय से सहमत नहीं हूं। मैं उनकी टिप्पणी को अधूरी मानता हूं। श्री राहुल देव गांधीवादी है या नहीं यह मैं नहीं कह सकता परंतु उनकी गांधी के प्रति गहरी आस्था है यह मैं जानता हूं। अच्छा होता कि वह अपनी इस टिप्पणी में गांधी की याद दिलाते। गांधी की बीज पुस्तक शिंद स्वराज्य का जिक्र करते जिसमें महात्मा गांधी ने 1909 में ही हिन्द स्वराज में इस शहरीकरण सभ्यता के खतरों से दुनिया को अवगत कराया था। आज से लगभग 116 साल पहले एक भारतीय यह साहस कर रहा था कि न केवल भारत को बल्कि उस समय की दुनिया और समाज को जो बड़े औद्योगिकरण और शहरीकरण की ओर आकर्षित हो रही थी, को गांधी सावधान कर रहे थे कि यह सभ्यता इंसान की हत्यारी सभ्यता है और वापस गांव की ओर जाने की सलाह दे रहे थे। महात्मा गांधी ने हिंद स्वराज के अध्याय 5 श्सभ्यता्य में लिखा था कि श्पहले लोग खुली हवा में उतना ही काम करते थे जितना उन्हें जरूरी जान पड़ता था। आज हजारों मजदूर अपनी गुजर बसर के लिए इकत्रे होकर बड़े कारखाने या खदानों में काम करते हैं उनकी दशा जानवरों से भी बतदर हो गई है। पहले लोग मारकर गुलाम बनाए जाते थे आज पैसे और सुख का लालच देकर गुलाम बनाए जाते हैं जो पहले नहीं थे। ऐसे लोग पैदा हो गए हैं और कुछ लोग अनुसंधान करने में लगे हैं की सभ्यता से उत्पन्न इन रोगो को कैसे मिटाया जाए। महात्मा गांधी जी ने तो दूरगामी आवागमन के साधनों के प्रति भी सावधान किया था कि यह कई बीमारियां, महामारियां नई सभ्यता से फैलती हैं आज हम देख रहे हैं कि कई प्रकार के संक्रामक वायरस विदेश से भी भारत पहुंचे हैं। जैसे दिल्ली के संदर्भ में कहा जा रहा है कि अब दिल्ली में कोई अफ्रीकी वायरस आया है जो लगभग लाईलाज है और इस संक्रमण और वायरस के लिए तेज गति से बढ़ाने वाले वाहन और आवागमन जवाबदार हैं। कोरोनाकाल में भी सारी दुनिया ने गांधी को याद किया था जब लोग शहरों को छोड़कर गांव भाग रहे थे और गांवों में जाकर गुजर बसर कर रहे थे। हम इतनी अद्धतज्ञ कौम और संतान हो चुके हैं कि अपने महापुरुषों की कही गई सच्चाई और बताये रास्तों का संकट में प्रयोग तो करते हैं परंतु कहने में शर्माते हैं।

दिल्ली के प्रदूषण के पीछे सबसे बड़ा कारण कारें हैं हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद जो अध्ययन हुआ है उसमें पाया गया कि लगभग 56 प्रतिशत प्रदूषण कारखाने का है, 27 प्रतिशत कारों का है और लगभग 7-8 प्रतिशत पराली के धुंये का है। दिल्ली के भीतर जो बड़े-बड़े कारखाने थे, बड़े बड़े कपड़े मिल थी, वे लगभग या तो बंद हो चुके हैं या दिल्ली के बाहर है। पराली जलाना भी मुख्य रुप से एनसीआर के बाहर ही होता है यानी पंजाब, हरियाणा आदि में, जो दिल्ली से 40-50 या 100-150 किलोमीटर दूर खेतों में होता है। शायद उसके धुंये का थोड़ा बहुत हिस्सा ही दिल्ली पहुंचता होगा। वह तो वहीं के आसपास खेतों गांव में ही रह जाता है दिल्ली के धुएं का मुख्य कारण कारों का धुंआ है जो निरंतर बढ़ रहा है। दिल्ली में कारों की संख्या प्रतिवर्ष बढ़ रही है। इस वर्ष मारुति सुजुकी ने लगभग 2 लाख कारें बेची और इसी प्रकार टाटा, हुंडई व अन्य कार निर्माताओ की कारों की बिक्री भारी बढ़ी है। दिल्ली की आबादी के आधे के बराबर कारें हो गई हैं। कारों का धुंआ इतना जहरीला होता है कि उसकी कल्पना करना भी कठिन है परंतु हमारा सभ्य समाज, श्रेष्ठी वर्ग और यहां तक की संवैधानिक संस्थाएं भी कारों के प्रदूषण की चर्चा नहीं करती या बहुत कम करती है, क्योंकि अमूमन सब की समझ नई सभ्यता से बनती है। हम उसके अभ्यस्त और नशेड़ी हो चुके हैं। वे अपनी वर्गीय श्रेष्ठता और सुख को कायम रखना चाहते हैं यानी वह ऐसा समाज चाहते हैं कि प्रदूषण तो वे फैलाए पर उससे गरीब मरे। उद्योग जगत और पूंजीवादी तबके के मुनाफे पर कोई रोक न हो और वे स्वयं भर सुरक्षित रहें बकाया देश का जो होना हो सो हो। वरना सुप्रीम कोर्ट सरकार को सलाह देता कि लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी दशको से जो सुझाव दे रही है कि एक परिवार अधिकतम एक कार का कानून बने जो वास्तव में समस्या का हल है उसे लागू करने को कहते, परंतु पूंजीवाद के विकास का एक चक्र है जो एक हिस्से की आमदनी बढ़ाता है, उसे फिजूलखर्ची सिखाता है और गैर जरूरी जरुरतों का निर्माण कर अपने मुनाफे के चक्र को चलाता रहता है। अभी कई ताजा शोध हुए हैं उनकी रिपोर्ट तो और भी भयावह है। कई शोध कार्यों से यह सूचना आई है कि प्रदूषण और संक्रमण यह ऐसे मुकाम पर पहुंच गया है, जहां वह व्यक्ति के डीएनए को भी प्रभावित करने लगा है। यह प्रदूषण अंदर जाकर शरीर कीशारीरिक संरचना को विद्रूत कर रहा है। उसके परिणाम स्वरुप व्यक्ति की अतीत या सैकड़ों साल में निर्मित शारीरिक संरचना को ही बिगाड़ रहा है।

मनरेगाः सार्थक सुधारों के बीच नाम परिवर्तन

आरके जैन

ग्रामीण भारत की जीवनरेखा के रूप में विख्यात महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) ने पिछले दो दशकों में करोड़ों परिवारों को केवल रोजगार ही नहीं दिया, बल्कि उन्हें गरिमामय जीवन का भरोसा, आत्मसम्मान और सामाजिक सुरक्षा भी प्रदान की है। यह योजना महज़ मजदूरी का माध्यम नहीं रही, बल्कि भूख, बेरगारी और मजबूरी में शहरों की ओर होने वाले पलायन के विरुद्ध एक मजबूत और प्रभावी सुरक्षा कवच बनकर उभरी है-जिसने गांवों को उजड़ने से रोका, स्थानीय संसाधनों के संरक्षण को बढ़ावा दिया और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को स्थायित्व तथा मजबूती प्रदान की।

हालिया ऐतिहासिक निर्णयों ने इस योजना को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में अहम मोड़ दिया है। भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानी जाने वाली इस योजना का नाम अब 'पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना' किया जा रहा है। 12 दिसंबर 2025 को केंद्र सरकार ने नाम परिवर्तन को मंजूरी देने के साथ-साथ गारंटीड कार्यदिवसों की सीमा 100 से बढ़ाकर 125 करने और मजदूरी दर में उल्लेखनीय वृद्धि का फैसला लिया। निस्संदेह ये कदम दूरदर्शी और जन-संवेदनशील हैं, जो ग्रामीण श्रमिकों की आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करते हैं, उनकी क्रय-शक्ति बढ़ाते हैं और गांवों की सुस्त पड़ी अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार करते हैं।

अधिक कार्यदिवसों का सीधा अर्थ है- लंबे समय तक स्थिर रोजगार, परिवारों के लिए भरोसेमंद आय और पलायन की मजबूरी पर प्रभावी रोक। वहीं मजदूरी में वृद्धि महंगाई की मार झेल रहे ग्रामीण परिवारों के लिए सच्ची राहत का संबल है। यदि इन सुधारों को समयबद्ध भुगतान, पर्याप्त बजटीय प्रावधान और पारदर्शी एवं जवाबदेह क्रियान्वयन से जोड़ा जाए, तो यह योजना ग्रामीण भारत के समग्र कायाकल्प का एक शक्तिशाली माध्यम सिद्ध हो सकती है। यही वह दिशा है, जिसकी आकांक्षा देश के गरीब, वंचित और श्रमिक वर्ग ने लंबे समय से की है। किन्तु इन सकारात्मक पहलों के साथ योजना के नाम में परिवर्तन का निर्णय गंभीर प्रश्न खड़े करता है। क्या यह बदलाव वास्तव में आवश्यक था? सरकार इसे महात्मा गांधी को 'पूज्य बापू' के रूप में सम्मान देने का तर्क देती है, पर क्या 'महात्मा गांधी' नाम स्वयं में सम्मान का सर्वोच्च प्रतीक नहीं है? जब योजना का उद्देश्य, ढांचा और क्रियान्वयन जस का तस है, तो केवल नाम बदलने से क्या हासिल होगा? क्या इससे मजदूरों को समय पर मजदूरी मिलेगी, उनके औजार मजबूत होंगे या कार्यस्थलों पर पानी, छाया और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएँ सुनिश्चित होंगी? उत्तर स्पष्ट है-नाम परिवर्तन इन जमीनी समस्याओं का समाधान नहीं करता। वास्तविक परिवर्तन नाम में नहीं, बल्कि नीयत, नीति और क्रियान्वयन की गुणवत्ता में निहित है।

नाम परिवर्तन किसी वास्तविक सुधार का संकेत नहीं, बल्कि एक प्रतीकात्मक और सतही अभ्यास भर है।

यह वही समय, ऊर्जा और संसाधन हड़प लेता है, जिन्हें जमीनी और ठोस सुधारों में लगाया जाना चाहिए था। नए नाम के साथ देशभर में साइनबोर्ड बदलेंगे, प्रपत्र संशोधित होंगे, डिजिटल पोर्टल अपडेट करने पड़ेंगे, प्रशिक्षण सामग्री फिर से छापनी होगी और व्यापक प्रचार पर भारी खर्च होगा। यह सब करोड़ों रुपये की कीमत पर होगा—वही धन, जो सीधे मजदूरों की मजदूरी बढ़ाने, भुगतान में हो रही देरी को समाप्त करने और कार्यस्थलों की आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने में लगाया जा सकता था।

ग्रामीण भारत में यह योजना वर्षों से एक पहचाना हुआ, भरोसेमंद और स्वीकृत नाम रही है। यह नाम केवल प्रशासनिक पहचान नहीं, बल्कि करोड़ों श्रमिक परिवारों के विश्वास का पर्याय बन चुका है। ऐसे में अचानक नाम बदलना स्वाभाविक रूप से भ्रम को जन्म देगा, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहाँ साक्षरता सीमित है और सूचना की पहुँच पहले से ही चुनौतीपूर्ण है। लोग यह समझने में समय लगाएंगे कि योजना वही पुरानी है या कोई नई व्यवस्था लागू हो गई है। इस भ्रम को दूर करने में प्रशासनिक तंत्र को अतिरिक्त समय, श्रम और संसाधन झोंकने पड़ेंगे, वहीं रीब्रांडिंग पर करोड़ों रुपये खर्च होंगे, जो सीधे करदाताओं की जेब से जाएंगे और जिसका सीधा असर योजना के वास्तविक क्रियान्वयन पर पड़ेगा। भाषाई और संघीय दृष्टिकोण से भी नाम परिवर्तन के दूरगामी निहितार्थ हैं। भारत विविध भाषाओं, संस्कृतियों और प्रशासनिक परंपराओं का देश है। एक ऐसा नाम, जो वर्षों से सभी क्षेत्रों में समान रूप से प्रचलित और स्वीकार्य रहा है, उसे बदलना अनावश्यक असंतोष और दूरी पैदा कर सकता है।

कई राज्य अपनी स्थानीय परिस्थितियों और प्रशासनिक जरूरतों के अनुरूप योजनाओं का संचालन करते हैं। ऐसे में योजनाओं के नाम बार-बार बदलने की प्रवृत्ति संघीय संतुलन और सहकारी संघवाद की भावना को कमजोर करने का जोखिम भी उत्पन्न करती है। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि नाम परिवर्तन जैसे निर्णय वास्तविक और जटिल समस्याओं से ध्यान भटका देते हैं।

आज भी यह योजना अनेक गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है-मजदूरी भुगतान में लगातार देरी, अपर्याप्त बजटीय आवंटन, काम की मांग की तुलना में सीमित अवसर, भ्रष्टाचार की शिकायतें तथा जलवायु परिवर्तन के कारण कार्यों की प्रकृति में हो रहे बदलाव।

इन मुद्दों पर ठोस नीतिगत हस्तक्षेप और ईमानदार, जवाबदेह क्रियान्वयन की सख्त जरूरत है। किंतु जब सार्वजनिक विमर्श नामकरण तक सिमट जाता है, तब मजदूरों के अधिकार, उनकी गरिमा और उनकी सुरक्षा जैसे मूल प्रश्न हाशिये पर चले जाते हैं।

यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि किसी विचार, आदर्श या व्यक्तित्व का सच्चा सम्मान उसके नामकरण में नहीं, बल्कि उसके मूल सिद्धांतों को व्यवहार में उतारने में निहित होता है। ग्रामीण रोजगार योजना का वास्तविक सम्मान तब होगा, जब प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को समय पर काम उपलब्ध हो, पूरी और समयबद्ध मजदूरी मिले तथा उसे अपने ही गांव में सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन जीने का अवसर प्राप्त हो।

कार्यदिवसों की संख्या बढ़ाना और मजदूरी दर में वृद्धि करना इसी उद्देश्य की ओर उठाया गया एक सार्थक और सही कदम है। इसके विपरीत, नाम परिवर्तन उस मूल भावना को न तो सुदृढ़ करता है और न ही जमीनी स्तर पर किसी ठोस सुधार को जन्म देता है। ग्रामीण रोजगार योजना में किए गए वास्तविक और ठोस सुधार-अधिक कार्यदिवस तथा बढ़ी हुई मजदूरी-ग्रामीण भारत के लिए आशा, विश्वास और स्थिरता का संदेश लेकर आए हैं।

ये निर्णय न केवल सराहना के योग्य हैं, बल्कि इन्हें पूरी निष्ठा से लागू किया जाना भी उतना ही आवश्यक है। किंतु इन्हीं सकारात्मक पहलों की प्रभावशीलता को नाम बदलने जैसे निर्णय अनावश्यक रूप से धुंधला कर देते हैं।

विकास का मार्ग प्रतीकों, नारों और आडंबर से नहीं, बल्कि जमीनी सच्चाइयों और ठोस परिणामों से होकर गुजरता है। यदि लक्ष्य वास्तव में ग्रामीण सशक्तिकरण है, तो ध्यान नामों पर नहीं, मजदूरों के जीवन, उनकी गरिमा और उनकी सुरक्षा पर केंद्रित होना चाहिए। यही सच्चा, स्थायी और न्यायपूर्ण विकास का मार्ग है।

साफ हवा में सांस लेने की आजादी अभी दूर

राज कुमार सिंह

अरसे बाद हुआ है कि सत्तापक्ष और विपक्ष किसी मुद्दे पर संसद में चर्चा के लिए सहमत हो गये। समाधान तो पता नहीं, पर यह भी संतोष की बात है कि संसद दिल्ली-एनसीआर में सांसों पर गहराते संकट पर चर्चा करेगी। 'वंदे मातरम' और 'चुनाव सुधार' पर राजनीतिक रार के बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को शून्यकाल में वायु प्रदूषण का मुद्दा उठाते हुए पेशकश की कि सत्तपक्ष और विपक्ष सदन में चर्चा कर समाधान खोजें तो संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने भी चर्चा के लिए सरकार की सहमति जतायी। चर्चा आनेवाले दिनों में ही संभव हो पायेगी, लेकिन वायु प्रदूषण तब तक इंतजार करने को तैयार नहीं। सो, छुट्टी का दिन होने के बावजूद शनिवार को दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) छलांग लगाते हुए 400 पार पहुंच गया। नतीजतन ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) एक ही दिन में दो बार अपडेट करना पड़ा। आम तौर पर ग्रैप लागू करने या हटाने का फैसला देर शाम किया जाता रहा है, ताकि अगले दिन से लोग उस पर अमल कर सकें, लेकिन 13 दिसंबर को यह काम दिन में दो बार करना पड़ा। हालांकि अब सरकारी आंकड़े बहुत विश्वसनीय नहीं रह गये हैं, लेकिन उनके मुताबिक भी दोपहर तक दिल्ली में एक्यूआई 431 हो गया, जिसके चलते पहले से लागू ग्रैप-2 को ग्रैप-3 में बदलना पड़ा तो शाम होते-होते एक्यूआई 441 हो गया। नतीजतन गहराते वायु प्रदूषण के मद्देनजर वायु गुणवत्ता आयोग की सब कमेटी ने पूरे दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-4 के तहत प्रतिबंध लगाने का ऐलान कर दिया। फिर भी एक्यूआई रविवार की सुबह एक्यूआई 500 तक पहुंच गया। देश के दिल दिल्ली में हवा की गुणवत्ता इस साल सबसे खराब मानी जा रही है।

खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए जानलेवा वायु प्रदूषण का यह आलम तब है, जब दिल्ली सरकार प्रदूषण नियंत्रण के लिए अपनी पीठ खुद थपथपाती रही है। हाल ही में दावा किया गया कि दिवाली पर पटाखे चले और ऑड-ईवन के तहत कारों-बाजारों पर प्रतिबंध भी नहीं लगा, फिर भी वायु प्रदूषण पिछले साल के मुकाबले नियंत्रण में रहा। सरकार की आत्म संतुष्टि का पैमाना तो पता नहीं, पर विशेषज्ञ मानते हैं कि 1 से 50 एक्यूआई तक ही हवा अच्छी है। 100 तक भी एक्यूआई संतोषजनक माना जाता है, लेकिन दिल्लीवालों को साल में उंगलियों पर गिने जा सकनेवाले दिन ही वैसी साफ हवा नसीब हो पाती है, वरना पूरे एनसीआर में लोग जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। दिवाली के आसपास तो एक्यूआई 900-1000 तक पहुंच जाता है। बेशक दिल्ली-एनसीआर निवासियों के लिए सांसों का यह संकट नया नहीं है। एक दशक से तो वे यह संकट झेल ही रहे हैं, जिसका ठीकरा अकसर दिवाली पर चलाये जानेवाले पटाखों और पड़ोसी राज्यों में जलायी जानेवाली पराली के सिर फोड़ दिया जाता है। दिल्ली सरकार की पैरवी पर सर्वोच्च न्यायालय ने इसी साल, अरसे बाद दिवाली पर सीमित अवधि के लिए ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी। अगले दिन एक्यूआई गंभीरतम श्रेणी में पहुंच जाना अवधि की सीमा और ग्रीन पटाखों की व्यावहारिकता, दोनों पर ही सवालिया निशान लगा गया। फिर भी यह सच है कि पटाखे और पराली का वायु प्रदूषण में योगदान सीमित अवधि तक रहता है।

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) का मानना है कि पराली अब मुख्य खलनायक नहीं है। पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाएं घटी हैं और वायु प्रदूषण में स्थानीय कारणों का योगदान 85 प्रतिशत तक है। अक्टूबर-नवंबर में ज्यादातर दिनों वायु प्रदूषण में पराली का योगदान पांच प्रतिशत के आसपास ही रहा। सीएसई का अध्ययन यह भी बताता है कि वायु प्रदूषण के लिए मुख्य खलनायक वाहन, उद्योग, बिजली संयंत्र और भवन निर्माण आदि हैं। दफ्तर और कार्य स्थल जाने-आने के समय सुबह-शाम प्रदूषण अचानक बढ़ जाना भी बताता है कि वाहनों का बड़ा योगदान है, पर उन पर प्रतिबंध विवेकशील समाधान हरगिज नहीं। पूरे देश की तो छोड़िए, राजधानी दिल्ली और एनसीआर में भी सार्वजनिक परिहवन व्यवस्था की बदहाली किसी से छिपी नहीं है। पिछले एक दशक में भी मेट्रो के विस्तार और गिनती की इलेक्ट्रिक बसों के अलावा सार्वजनिक परिवहन को विश्वसनीय बनाने की दिशा में कुछ खास नहीं किया गया। इसीलिए लोग अपनी सामर्थ्य के अनुसार निजी वाहनों का उपयोग करने को बाध्य होते हैं।

फिटनेस अवधि और प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र को भी नजरअंदाज कर पुरानी निजी कारों पर प्रतिबंध से लोगों के कामकाज और अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ता है। इसलिए वायु प्रदूषण से वास्तविक मुक्ति के लिए असली स्थानीय कारणों के विवेकसम्मत व्यावहारिक समाधान की जरूरत है, लेकिन शासन-प्रशासन अपनी उस जिम्मेदारी से अकसर मुंह चुराते रहे हैं। हर साल अक्तूबर से दिसंबर के बीच डॉक्टर लोगों को दिल्ली-एनसीआर छोड़ कर कहीं और चले जाने की सलाह देते हैं, पर कितने लोग ऐसा कर सकते हैं? हफ्ते-दो हफ्ते के लिए बेहतर एक्यूआईवाले क्षेत्रों में जानेवालों को भी लौट कर तो वापस यहीं आना पड़ता है। सर्वोच्च न्यायालय सांस लेने लायक साफ हवा नागरिकों का मौलिक अधिकार बता चुका है, लेकिन उसका हनन करनेवालों के विरुद्ध कार्रवाई का अभी तक इंतजार है।

लौहपुरुष सरदार पटेल और एकीकृत भारत की नींव

योगेश कुमार गोयल

राष्ट्रीय एकता के प्रति सरदार पटेल की निष्ठा आजादी के इतने वर्षों बाद भी पूरी तरह प्रासंगिक है। एकता की मिसाल कहे जाने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल गुजरात के नाडियाद में एक किसान परिवार में 31 अक्तूबर 1875 को जन्मे थे, जिन्होंने सदैव देश की एकता को सर्वोपरि माना। सरदार पटेल ने भारत को खण्ड-खण्ड करने की अंग्रेजों की साजिशों को नाकाम करते हुए बड़ी ही कुशलता से आजादी के बाद करीब 550 देशी रियासतों तथा रजवाड़ों का एकीकरण करते हुए अखण्ड भारत के निर्माण में सफलता हासिल की थी। राजनीतिक और कूटनीतिक क्षमता का परिचय देते हुए स्वतंत्र भारत को एकजुट करने का असाधारण कार्य बेहद कुशलता से सम्पन्न करने के लिए जाने जाते रहे सरदार पटेल का देहांत दिल का दौरा पड़ने के कारण 15 दिसम्बर 1950 को 75 वर्ष की आयु में हो गया था और इसी दिन को प्रतिवर्ष 'सरदार पटेल स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। देश के पहले गृहमंत्री और पहले उप-प्रधानमंत्री रहे सरदार पटेल का भारत के राजनीतिक एकीकरण के लिए अविस्मरणीय योगदान रहा।

सरदार पटेल ने लंदन से वकालत की पढ़ाई पूरी कर अहमदाबाद में प्रैक्टिस शुरू की थी। वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से अत्यधिक प्रेरित हुए और इसीलिए उन्होंने गांधी जी के साथ भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में हिस्सा लिया। वे भाई-भतीजावाद की राजनीति के सख्त खिलाफ थे और ईमानदारी के ऐसे पर्याय थे कि उनके देहांत के बाद जब उनकी सम्पत्ति के बारे में जानकारियां जुटाई गई तो पता चला कि उनकी निजी सम्पत्ति के नाम पर उनके पास कुछ नहीं था। वह जो भी कार्य करते थे, पूरी ईमानदारी, समर्पण, निष्ठा और हिम्मत से साथ पूरा किया करते थे। उनके जीवन से जुड़े कई ऐसे प्रसंग सामने आते हैं, जो इस महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल प्रशासक के जीवन को समझने में सहायक हैं। एक किसान परिवार में जन्मे वल्लभ भाई पटेल जब छोटे थे, तब अपने पिताजी के साथ खेत पर जाया करते थे। एक दिन जब उनके पिताजी खेत में हल चला रहे थे तो वल्लभ भाई पटेल उन्हीं के साथ चलते-चलते पहाड़े याद कर रहे थे। उसी दौरान उनके पांव में एक बड़ा सा कांटा चुभ गया किन्तु वे हल के पीछे चलते हुए पहाड़े कंठस्थ करने में इस कदर लीन हो गए कि उन पर कांटा चुभने का कोई प्रभाव ही नहीं पड़ा। जब एकाएक उनके पिताजी की नजर उनके पांव में घुसे बड़े से कांटे और बहते खून पर पड़ी तो उन्होंने घबराते हुए बैलों को रोका और बेटे वल्लभ भाई के पैर से कांटा निकालते हुए घाव पर पत्ते लगाकर खून बहने से रोका। बेटे की यह एकाग्रता और तन्मयता देखकर वे बहुत खुश हुए और जीवन में कुछ बड़ा कार्य करने का आशीर्वाद दिया। वल्लभ भाई पटेल वकालत की पढ़ाई करने के लिए सन 1905 में इंग्लैंड जाना चाहते थे लेकिन पोस्टमैन ने उनका पासपोर्ट और टिकट उनके भाई विठ्ठल भाई पटेल को सौंप दिए। दोनों भाइयों का शुरूआती नाम वी. जे. पटेल था, ऐसे में बड़ा होने के नाते उस समय विठ्ठल भाई ने स्वयं इंग्लैंड जाने का निर्णय लिया। वल्लभ भाई पटेल ने बड़े भाई के निर्णय का सम्मान करते हुए न केवल बड़े भाई को अपना पासपोर्ट और टिकट दे दिया बल्कि इंग्लैंड में रहने के लिए उन्हें कुछ धनराशि भी भेजी।

सरदार पटेल का जीवन कितना सादगीपूर्ण था और उनका स्वभाव कितना सहज तथा नम्र था, यह इस किस्से से आसानी से समझा जा सकता है। सरदार पटेल उन दिनों भारतीय लेजिस्लेटिव असेंबली के अध्यक्ष थे। असेंबली के कार्यों से निवृत्त होकर एक दिन जब वे घर के लिए निकल ही रहे थे, तभी एक अंग्रेज दम्पत्ति वहां पहुंचा, जो विदेश से भारत घूमने के लिए आया था। सरदार पटेल सादे वस्त्रों में रहते थे और उन दिनों उनकी दाढ़ी बढ़ी हुई थी। अंग्रेज दम्पत्ति ने इस वेश में देखकर उन्हें वहां का चपरासी समझ लिया और असेंबली में घुमाने के लिए कहा। सरदार पटेल ने बड़ी ही विनम्रता से उनका यह आग्रह स्वीकार करते हुए उन्हें पूरे असेंबली भवन में घुमाया।

फाइल का धर्म

डॉ. सुरेश कुमार

हमारे मोहल्ले में एक दफ्तर है। दफ्तर नहीं, आस्था-स्थल है। वहाँ लोग माथा टेकने नहीं, आवेदन देने आते हैं। प्रवेश द्वार पर लिखा है- "यहाँ काम नियम से होता है।"अंदर जाकर समझ में आता है कि नियम बहुत धार्मिक होते हैं-कभी प्रकट नहीं होते, पर सब उनसे डरते हैं।मैं भी एक दिन वहाँ गया। काम छोटा था-बस प्रमाण चाहिए था कि मैं जीवित हूँ। क्लर्क ने मुझे ऊपर से नीचे देखा, जैसे यह तय कर रहा हो कि मैं जीवित होने लायक हूँ भी या नहीं। फिर बोला,

"फाइल लाइए।"

मैंने कहा, "फाइल तो बनवानी है।"

वह मुस्कराया। यह मुस्कान नहीं थी, सरकारी आश्वासन था। बोला,

"पहले फाइल बनेगी, फिर चलेगी, फिर रुकेगी, फिर खो जाएगी, फिर मिल जाएगी-तब काम होगा।"

फाइल बनी। उसमें कागज़ ऐसे सजे थे जैसे विवाह में रिश्तेदार-कोई दूर का, कोई बिना बुलाए। एक कागज़ पर मेरी उम्र लिखी थी, दूसरे पर मेरी उम्र से असहमति जताई गई थी। क्लर्क ने कहा,

"देखिए, विभाग में मतभेद लोकतंत्र की निशानी है।"

फाइल ऊपर गई। ऊपर बैठे अधिकारी को मैंने नहीं देखा, केवल उनकी कुर्सी देखी। कुर्सी बहुत अनुभवी लग रही थी। उस पर बैठने वाला कोई भी व्यक्ति तुरंत गंभीर हो जाता है।

अधिकारी ने पूछा,

"इस पर टिप्पणी किसने नहीं की?"

क्लर्क बोला, "अभी सबने नहीं की है, सर।"अधिकारी नाराज़ हो गया, "तो पहले सबसे कराइए। बिना टिप्पणी के फाइल अनाथ हो जाती है।"

टिप्पणी होने लगी। हर आदमी ने लिखा-

"देखा जाए।"

यह शब्द विभाग में बहुत शक्तिशाली है। इससे काम तुरंत न होता है, पर आशा बनी रहती है।

तीन महीने बाद मुझे सूचना मिली कि मेरा प्रमाण बन गया है। मैं खुशी-खुशी पहुँचा। क्लर्क ने फाइल खोली, फिर चौंका।

"अरे, आप तो इस बीच सेवानिवृत्त हो गए।"

मैंने कहा, "किस चीज़ से?"

बोला, "जीवित रहने से।"

मैं समझ गया-दफ्तर में समय चलता है, आदमी नहीं। यहाँ फाइलें अमर होती हैं, नागरिक नश्वर।

मैं बाहर आया। बोर्ड अभी भी चमक रहा था-

"यहाँ काम नियम से होता है।"

मैंने सिर हिलाया। सही लिखा है।नहीं होता-नियम होते हैं।

रामा और श्यामा तुलसी किस दिशा में लगाएं?

वास्तु के अनुसार रामा और श्यामा दोनों ही तुलसी के प्रकार को घर पर लगाना बेहद शुभ होता है। इससे घर में सकारात्मकता बनी रहती है। लेकिन इसे सही दिशा में रखना बेहद जरूरी होगा। वास्तुशास्त्र के मुताबिक, तुलसी को ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में लगाना सबसे उत्तम होता है। ऐसा संभव न होने पर आप उत्तर या पूर्व दिशा में भी श्माया और रामा तुलसी का पौधा लगा सकते हैं। साथ ही, रोजाना तुलसी के पास एक दीपक जरूर जलाना चाहिए। इससे मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त हो सकती है।

रामा और श्यामा तुलसी से जुड़े विशेष वास्तु नियम

दोनों ही तुलसी को साफ स्थान पर रखना चाहिए। साथ ही, उस जगह की नियमित साफ-सफाई अवश्य करें। गंदगी वाले स्थान पर तुलसी रखने से माता लक्ष्मी रुष्ट हो सकती हैं।

भूलकर भी घर में तुलसी का ऐसा पौधा नहीं रखना चाहिए जिसके पत्ते पूरी तरह सूख गए हों। क्योंकि जिस प्रकार हरा-भरा पौधा घर में सुख-समृद्धि लाता है, उसी प्रकार घर में सूखा पौधा रखने से दरिद्रता आ सकती है।

तुलसी को भूलकर भी रविवार और एकादशी तिथि के दिन स्पर्श नहीं करना चाहिए। साथ ही, इन दिनों में तुलसी के पौधे में जल भी नहीं डालना चाहिए।

वास्तु के अनुसार, तुलसी के पवित्र पौधे को गलती से भी टॉयलेट या बाथरूम के पास नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से जातक को घर में कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

रामा और श्यामा तुलसी घर में लगाने के लाभ

रामा और श्यामा तुलसी घर में लगाने के लाभ

वास्तु और ज्योतिषशास्त्र में तुलसी के पौधे को बहुत पवित्र माना गया है। दोनों ही तुलसी के प्रकार घर में लगाने से आसपास से नकारात्मकता दूर रहती है। तुलसी भगवान विष्णु को बेहद प्रिय है क्योंकि, इसमें माता लक्ष्मी का वास होता है। ऐसे में इस पौधे को घर में लगाने से माता लक्ष्मी के साथ-साथ भगवान विष्णु की भी कृपा प्राप्त हो सकती है। साथ ही, जातक को गरीबी से मुक्ति मिल सकती है और घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होने लगती है। वास्तु के नियमों का ख्याल रखकर तुलसी का पौधा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

सफला एकादशी व्रत में क्या करें और क्या न करें

सफला एकादशी का हिंदू धर्म में खास महत्व है। हर वर्ष पौष मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को सफला एकादशी पड़ती है। इसका व्रत करने से बेहद पुण्य फल की प्राप्ति होती है। सफला एकादशी पर विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करने का विधान होता है। मान्यता है कि ऐसा करने से जातक को हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त हो सकती है। लेकिन एकादशी तिथि पर व्रत करने वाले जातकों को कुछ विशेष नियमों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। इस दिन कुछ कार्य करने वर्जित माने गए हैं और कुछ कार्य एकादशी पर जरूर करने चाहिए। तभी व्रत और पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

सफला एकादशी के दिन भूलकर भी न करें ये काम

एकादशी तिथि का हिंदू धर्म में खास महत्व है। इस व्रत को बेहद पुण्यकारी माना गया है। ऐसे में भूलकर भी एकादशी तिथि पर व्रती और परिवार के सदस्यों को क्रोध नहीं करना चाहिए। साथ ही, इस दिन बुराई करने, झगड़ा करने आदि कार्यों से भी बचना चाहिए। ऐसा करने से पूजा और व्रत का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है।

सफला एकादशी के दिन व्रत करने वालों को भूलकर भी दिन के वक्त नहीं सोना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। एकादशी तिथि पर भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप और ध्यान करना चाहिए।

इस बार सफला एकादशी व्रत 15 दिसंबर, सोमवार को रखा जाएगा। और एकादशी व्रत के नियमों का पालन करना एक दिन पहले यानी दशमी तिथि से ही शुरू कर देना चाहिए। ऐसे में दशमी तिथि पर भूलकर भी तामसिक भोजन का सेवन न करें।

एकादशी तिथि पर चावल का सेवन करना वर्जित माना गया है। ऐसे में भूलकर भी इस दिन चावल नहीं बनाने चाहिए। साथ ही, इस नियम का ध्यान परिवार के सदस्यों को भी रखना चाहिए।

मान्यता है कि एकादशी तिथि पर कभी भी तुलसी के पत्ते नहीं तोड़ने चाहिए। ऐसा करने से माता लक्ष्मी रुष्ट हो सकती हैं और व्रत का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है।

सफला एकादशी के दिन भूलकर भी बाल नहीं कटवाने चाहिए। साथ ही, दिन के वक्त झाड़ू लगाने से भी बचना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है।

सफला एकादशी के दिन क्या करना चाहिए

व्रती को सफला एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए। साथ ही, उनके अवतारों की पूजा करने से बेहद उत्तम फल की प्राप्ति होती है। इस दिन विष्णुजी के मंत्रों का जाप अवश्य करें।

एकादशी तिथि से एक दिन पहले यानी दशमी तिथि से ही व्रती को ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। इस दिन सात्विक भोजन करना चाहिए और मन में को शांत रखकर अच्छे विचार रखने चाहिए।

सफला एकादशी के दिन सुबह जल्दी उठकर साफ-सफाई करके स्नानादि करना चाहिए। इसके पश्चात, साफ वस्त्र धारण करके विष्णुजी के मंत्र सहित व्रत का संकल्प लें। साथ ही, व्रत कथा का पाठ करना भी आवश्यक माना जाता है।

एकादशी की रात भगवान विष्णु के भजन गाने चाहिए। ऐसा संभव न होने पर रात्रि में जागकर आप विष्णुजी के मंत्रों का जाप कर सकते हैं। इससे जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति हो सकती है।

व्रती को सफला एकादशी व्रत का पारण अलगे दिन यानी द्वादशी तिथि पर करना चाहिए। इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करें। फिर, विष्णुजी की पूजा करके व्रत का पारण करें।

एकादशी तिथि का पारण करने के लिए तुलसी के पत्तों की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में आप द्वादशी तिथि पर अपने घर के बच्चे या किसी परिवार के सदस्य से तुलसी के पत्ते तुड़वा सकते हैं। लेकिन ध्यान रखें की उनका एकादशी का व्रत न हो। क्योंकि व्रती को द्वादशी तिथि के दिन भी तुलसी के पत्ते नहीं तोड़ने चाहिए।

सफेद मोती वाली चांदी की अंगूठी पहनने से मिलते हैं कई फायदे

सफेद मोती की अंगूठी पहनने का ज्योतिषशास्त्र में खास महत्व होता है। सफेद मोती और चांदी का संबंध चंद्रमा से माना जाता है। वहीं, चंद्रमा को भावनाओं, मानसिक स्थिति, कल्पना और मन का कारक माना जाता है। ऐसे में मोती वाली चांदी की अंगूठी धारण करने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं और कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है। लेकिन इस अंगूठी को पहनते समय कुछ खास नियमों का ख्याल भी जरूर रखना चाहिए, अन्यथा प्रतिकूल प्रभाव का सामना करना पड़ सकता है।

मोती की अंगूठी पहनने के नियम

मोती की अंगूठी किस दिन पहनेंऐसी मान्यता है कि सफेद मोती वाली चांदी की अंगूठी का संबंध चंद्रमा से होता है। ऐसे में इसे धारण करने के लिए सबसे शुभ दिन पूर्णिमा तिथि और सोमवार को माना गया है। साथ ही, आप मोती की अंगूठी को शुक्ल पक्ष में किसी भी सोमवार के दिन धारण कर सकते हैं। हालांकि, इस बात का ख्याल जरूर रखें की जिस भी दिन आप अंगूठी पहन रहे हों उस दिन भद्रा, राहुकाल या कोई अशुभ योग का समय न चल रहा हो। इन बातों का ध्यान रखकर ही मोती की अंगूठी धारण करनी चाहिए।

मोती की अंगूठी किस उंगली में पहननी चाहिए

शास्त्रों के अनुसार, किसी भी रत्न की अंगूठी को सही हाथ और सही उंगली में पहनना बहुत जरूरी होता है। अन्यथा इसका पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है। माना जाता है कि सफेद मोती वाली चांदी की अंगूठी को अपने दाहिने हाथ की कनिष्ठा उंगली में धारण करना चाहिए। महिलाएं और पुरुष दोनों ही इसे दाहिने हाथ की कनिष्ठा उंगली में धारण कर सकते हैं। इससे जीवन में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

मोती की अंगूठी किसे नहीं पहननी चाहिए

सफेद मोती की अंगूठी पहनना अच्छा माना जाता है। लेकिन कुछ जातकों को इसे धारण नहीं करना चाहिए, अन्यथा आपको प्रतिकूल प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है। जिन लोगों की कुंडली में चंद्रमा राहु और केतु के साथ युति में हो उन्हें इस अंगूठी को पहनने से बचना चाहिए। वहीं, अगर चंद्रमा पीड़ित अवस्था में हो या चंद्रमा अष्टम भाव में अशुभ ग्रह से दृष्ट हो तो तब भी इसे धारण करने से बचना चाहिए। ऐसी स्थिति होने पर ज्योतिषी से सलाह लेकर और अपनी कुंडली दिखाकर सही रत्न ही धारण करना चाहिए।

मोती की अंगूठी किसे पहननी चाहिए

जिन जातकों की कुंडली में चंद्रमा की स्थिति कमजोर हो उन्हें सफेद मोती वाली चांदी की अंगूठी अवश्य धारण करनी चाहिए। ऐसा करने से जातक को जीवन में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इसके अलावा, 14 साल तक के बच्चों को भी सफेद मोती वाली चांदी की अंगूठी पहननी चाहिए। इससे बेहद शुभ फल प्राप्त होता है और बालारिष्ट योग का प्रभाव भी कम हो सकता है। अपने मन को शांत रखने के लिए भी इसे धारण किया जाता है। लेकिन पहले अपनी कुंडली दिखाकर ज्योतिष की

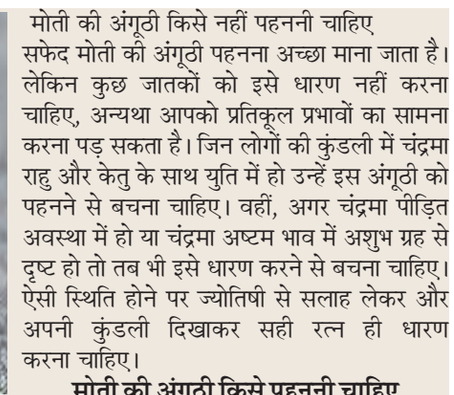

सलाह जरूर लेनी चाहिए।

मोती की अंगूठी पहनने के फायदे

सफेद मोती वाली चांदी की अंगूठी पहनना बेहद लाभदायक माना जाता है। इससे जातक को मानसिक शांति प्राप्त होती है और मानसिक तनाव से भी राहत मिल सकती है। यह अंगूठी भावनाओं को संतुलित और क्रोध को नियंत्रित करने में सहायक होती है। इससे स्वास्थ्य बेहतर होता है और रिश्ते मजबूत होने लगते हैं। चांदी की मोती वाली अंगूठी जीवन में सकारात्मकता बनाए रखती है और इससे कुंडली में चंद्रमा की स्थिति भी मजबूत हो सकती है।

नया घर रास नहीं आ रहा? ये उपाय बदल देंगे आपकी किस्मत

नए घर में शिफ्ट होने के बाद कई लोग बताते हैं कि नौकरी में रुकावट आने लगी, कारोबार में गिरावट, घर के सदस्यों में तनाव बढ़ने लगा, नींद न आना, बेचैनी या डर महसूस होना, अचानक बीमारी या आर्थिक संकट। वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार यह तब होता है जब घर की ऊर्जा हमारे साथ सामंजस्य नहीं बैठा पाती। कब्रिस्तान या वीरान जगह पर बने घर का असर आज के समय में जगह की कमी के कारण कई घर वहां बनाए जाते हैं जहां पहले कब्रिस्तान, श्मशान, वीरान भूमि, लंबे समय तक बंद पड़े भवन आदि मौजूद रहे हों। ऐसी जगहों पर नकारात्मक ऊर्जा अधिक समय तक सक्रिय रहती है, जिससे नए घर में रहने वालों को मानसिक तनाव, डर, बीमारी या असफलता का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए घर लेने से पहले उसका इतिहास अवश्य जानना चाहिए।

नया घर ख़रीदने या किराए पर लेने से पहले ये जांच जरूर करें

मिट्टी और भूमि का इतिहास

घर की जमीन कहां की है, पहले इसका क्या उपयोग था, यह जानना सबसे ज़रूरी है। भूमि की प्रकृति व्यक्ति के भाग्य को प्रभावित करती है।

लंबे समय से बंद घर न लें

कई सालों से खाली पड़े घरों में स्थिर और नकारात्मक ऊर्जा जमा हो जाती है।

दुर्भाग्यग्रस्त व्यक्ति का घर न खरीदें

यदि घर बेचने वाला व्यक्ति लगातार परेशानियों, बीमारियों या भय में जी रहा हो, तो वह ऊर्जा नए घर में भी महसूस होती है।

दुर्घटना या आत्महत्या वाले घर से बचें

ऐसे घरों में बनी नकारात्मक लहरें जल्दी समाप्त नहीं होतीं और परिवार के सुख पर असर डालती हैं।

नकारात्मक ऊर्जा हटाने के असरदार और सरल वास्तु उपाय

अगर आप पहले से ही ऐसे घर में रह रहे हैं और परेशानियों का सामना कर रहे हैं, तो ये उपाय बेहद प्रभावी माने जाते हैं:

दुर्गा सप्तशती या सुंदरकांड का पाठ

यह उपाय बुरी शक्तियों, नजर दोष और घर की अटकी हुई ऊर्जा को शांत करता है।

सर्व बाधा निवारण मंत्र

ग्रहों के बुरे प्रभाव और अड़चनों को कम करता है। नियमित जाप से घर की ऊर्जा संतुलित होती है।

अशोक पत्ते का प्रभावी उपाय

मंदिर में अशोक वृक्ष के 7 पत्ते चढ़ाएं, सूखने पर उन्हें पीपल के पेड़ की जड़ में रखें। हर सप्ताह नए पत्ते चढ़ाएं। यह उपाय घर के माहौल को शांत और शुभ बनाता है।

रात में महिलाएं भूलकर भी न करें ये 6 काम

हम अपने जीवन में जो भी कार्य करते हैं उसका सीधा प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है। दान-पुण्य के कार्य करने से लेकर शाम को नाखून काटने तक का असर हमारे व्यक्तित्व, करियर और जीवन पर देखने को मिलता है। शास्त्रों के अनुसार, महिलाओं को रात के समय यानी सूर्यास्त के बाद भूलकर भी 6 कार्य नहीं करने चाहिए। ऐसा करने से नेगेटिविटी आपको परेशान कर सकती है और जीवन से सकारात्मकता दूर जाने लगती है। ऐसे में एक के बाद एक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है और घर में अलक्ष्मी का वास हो सकता है। आइए जानते हैं कि महिलाओं को रात के वक्त कौन-कौन से कार्य करने से बचना चाहिए।

रात को बाल खुले रखकर न सोएं

मान्यता है कि महिलाओं को सूर्यास्त के बाद बाल खुले नहीं रखना चाहिए और न ही खुले बालों के साथ सोना चाहिए। कहा जाता है कि इससे नकारात्मक शक्तियां आकर्षित होते हैं। बालों के द्वारा कई प्रकार की तंत्र क्रियाएं की जाती हैं। यही कारण है कि खुले बाल रखने से नकारात्मक शक्तियां आकर्षित होने लगती हैं। ऐसे में आपको कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। साथ

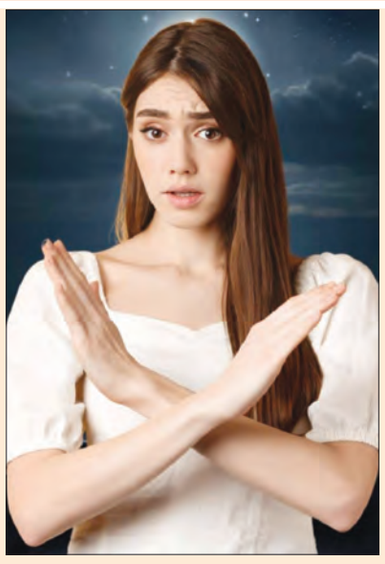

ही, इससे पारिवारिक समस्याएं भी बढ़ सकती हैं।

रात में भूलकर भी न लगाएं इत्र

अगर आप रात में इत्र लगाकर सोते हैं या अकेले परफ्यूम लगाकर बाहर निकलते हैं तो ऐसा बिल्कुल भी न करें। माना जाता है कि इत्र की महक से नकारात्मक शक्तियां आकर्षित होती हैं। ऐसे में आपको नेगेटिविटी परेशान कर सकती है। यही कारण है कि रात में इत्र लगाकर घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए और न ही एकांत में रहना चाहिए। महिलाओं के साथ-साथ पुरुषों को भी रात के समय इत्र का प्रयोग करने से बचना चाहिए।

रात में नाखून काटना है वर्जित

मान्यता है की शाम के समय माता लक्ष्मी का घर में आगमन होता है। ऐसे में सूर्यास्त के बाद कुछ कार्यों को भूलकर भी नहीं करना चाहिए। गलती से भी रात के वक्त नाखूनों को नहीं काटना चाहिए। ऐसा करने से माता लक्ष्मी रुष्ट हो सकती हैं और घर में अलक्ष्मी आ सकती है जिसके चलते जातक दरिद्रता का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही, घर से जुड़ी समस्याएं भी परेशान करने लगती हैं। इसलिए गलती से भी सूर्यास्त के बाद नाखून नहीं काटने चाहिए।

सूर्यास्त के बाद न संवारें बाल

कई बार कहीं बाहर से आने के बाद बाल बहुत ज्यादा उलझे रहते हैं। ऐसे में महिलाएं रात में कंघी करके सोती हैं। लेकिन शास्त्रों में इसे अच्छा नहीं माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार भूलकर भी महिलाओं को सूर्यास्त के बाद अपने बाल नहीं संवारने चाहिए। इससे टूटे हुए बाल पूरे घर में फैल सकते हैं और शाम का समय माता लक्ष्मी के आगमन का वक्त होता है। ऐसे में मां लक्ष्मी रुष्ट हो सकती हैं और घर में अलक्ष्मी आ सकती है। इसलिए सूर्यास्त से पहले ही बालों को संवार लेना बेहतर माना जाता है।

रात में किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें

रात में किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें

अच्छी नींद के लिए रात में मन का शांत होना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में रात के वक्त विवाद और किसी भी प्रकार के झगड़े से दूर रहना चाहिए। सूर्यास्त के बाद कोई भी ऐसी बात नहीं छेड़नी चाहिए, जिससे विवाद उत्पन्न हो सकता है। ऐसे में आसपास नेगेटिविटी फैल सकती है और मन अशांत रहता है। जिसके चलते नींद प्रभावित हो सकती है और इसका प्रभाव अगले दिन पर भी पड़ता है।

रात में ठहाके मारकर हंसने से बचें

मान्यता है कि रात के वक्त कभी भी ठहाके मारकर नहीं हंसना चाहिए। क्योंकि सूर्यास्त के बाद का वक्त शांत होना चाहिए। इससे नींद अच्छी आने के साथ-साथ सुबह की शुरुआत भी अच्छी होती है। वहीं, ऐसा माना जाता है कि रात को जोर-जोर से हंसने से अगला दिन खराब जा सकता है और इससे नकारात्मक ऊर्जाएं भी आकर्षित होती हैं। यही कारण है कि रात में ठहाके मारकर हंसने वर्जित माना गया है।

पाकिस्तान सहित इन 6 देशों में बैन है 'धुरंधर' फिल्म

जानें इसके पीछे की चौंका देने वाली बड़ी वजह

आदित्य धर के निर्देशन में बनी स्पाई एक्शन थ्रिलर 'धुरंधर' ने रिलीज के पहले ही हफ्ते में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की है। 5 दिसंबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने सातवें दिन भी 27 करोड़ रुपये की कमाई की और कुल कलेक्शन 207.25 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर माधवन, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन जैसे स्टार्स से सजी यह फिल्म आपरेशन ल्यारी से प्रेरित है।

फिल्म की कहानी और प्रदर्शन

फिल्म की लंबाई 3 घंटे 30 मिनट है, लेकिन इसके गाने, कहानी, एक्शन और निर्देशन को दर्शकों ने खूब सराहा है। फिल्म का ओपनिंग वीकेंड भी शानदार रहा। पहले दिन 27.60 करोड़, दूसरे दिन 33.10 करोड़ और तीसरे दिन 44.70 करोड़ की कमाई हुई। चौथे दिन 24.30 करोड़ के साथ वीकडे में भी फिल्म ने स्थिरता दिखाई। कुल मिलाकर यह 2025 की दूसरी सबसे बड़ी ओपनर बन गई है, जिसने 'सैयारा' को पीछे छोड़ दिया।

गल्फ और पाकिस्तान में बैन

हालांकि, ग्लोबल मार्केट में फिल्म को बैन का सामना करना पड़ा। फिल्म को पाकिस्तान सहित 6 अन्य देशों में रिलीज़ की अनुमति नहीं मिली। बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में इसे रिलीज़ नहीं किया गया। एक सोर्स के मुताबिक, फिल्म को 'एंटी पाकिस्तानी मूवी' माना गया, इसलिए थीम की वजह से रिलीज़ को मंजूरी नहीं मिली। फिल्म का ओवरसीज कलेक्शन चार दिनों में 44.07 करोड़ रुपये रहा, जो गल्फ मार्केट से अधिक होता अगर रिलीज़ मिली होती।

पहले भी कई भारतीय फिल्में पाकिस्तान-संबंधित कंटेंट के कारण गल्फ में रिलीज़ नहीं हो पाईं। 2025 में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फिल्म 'फाइटर' भी इसी वजह से अधिकांश गल्फ देशों में बैन रही। इसी तरह 'स्काई फोर्स', 'द डिप्लोमैट', 'आर्टिकल 370', 'टाइगर 3' और 'द कश्मीर फाइल्स' जैसी फिल्में भी मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों में प्रतिबंधित रहीं।

सीक्वल की घोषणा

'धुरंधर' की सफलता के बाद मेकर्स ने 'धुरंधर 2' की घोषणा कर दी है। यह फिल्म 19 मार्च 2026 को रिलीज होगी। उसी दिन यश की 'टॉक्सिक' भी रिलीज होने जा रही है। दो बड़ी फिल्मों के रिलीज़ होने से बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों के लिए दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलेगा। इस प्रकार, ग्लोबल मार्केट में बैन के बावजूद 'धुरंधर' भारत में दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय साबित हुई है और बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर रही है।

'मैं शाहरुख के स्टारडम का फायदा नहीं उठा पाया' आनंद एल राय ने बताया क्यों फ्लॉप हुई 'जीरो'?

निर्देशक आनंद एल राय की हालिया रिलीज फिल्म 'तेरे इश्क में' अभी भी सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 15 दिनों में 109 करोड़ से ऊपर की कमाई कर चुकी है। इस फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई है। इस बीच अब आनंद एल राय ने शाहरुख खान के साथ अपनी फिल्म 'जीरो' के फ्लॉप होने को लेकर बात की है।

मैं शाहरुख के स्टारडम को नहीं समझ पाया

निर्देशक आनंद एल राय ने 2018 में आई फिल्म 'जीरो' के फ्लॉप होने पर बात की। निर्देशक ने कहा कि 'जीरो' के साथ समस्या यह थी कि सुपरस्टार मेरे पास बहुत प्यार लेकर आए थे। लेकिन मैं कभी यह नहीं समझ पाया कि उनकी छवि फिल्म का हिस्सा होनी चाहिए। मैं एक बड़े अभिनेता के साथ काम कर रहा था, लेकिन मुझे बाद में एहसास हुआ कि मुझे उनकी छवि का ध्यान रखना होगा। मैं शाहरुख की स्टारडम का फायदा नहीं उठा पाया। शायद मैं अपने किरदारों में स्टारडम को ठीक से ढाल नहीं पाता। मैं हवा में तैर रहा था और मेरा संतुलन बिगड़ा हुआ था।

मैं और शाहरुख शूटिंग का आनंद ले रहे थे

शाहरुख के साथ शूटिंग के अनुभव के बारे में बात करते हुए निर्देशक ने कहा कि मैं इस सफर का आनंद ले रहा था और मुझसे भी ज्यादा शाहरुख को मजा आ रहा था। बाद में यह बात थोड़ी डरावनी लगने लगी क्योंकि हममें से किसी एक को रुककर कहना चाहिए था, 'ये तो स्टार हैं।' उन्होंने कभी इस बारे में बात नहीं की और मुझे कभी समझ नहीं आया। शायद तब हालात कुछ और होते।

आनंद एल राय का वर्कफ्रंट

आनंद एल राय की हालिया रिलीज फिल्म 'तेरे इश्क में' है। इससे पहले आनंद एल राय 'जीरो', 'तनु वेड्स मनु', 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स', 'रांझणा', 'अतरंगी रे' और 'रक्षाबंधन' जैसी फिल्में बना चुके हैं। आनंद एल राय 'तेरे इश्क में' से भी 'रांझणा' जैसी सफलता की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन फिल्म दर्शकों को उतना प्रभावित नहीं कर पाई।

बड़े सपने देखने से डरना नहीं चाहिए : एली अवराम

बॉलीवुड और इंटरनैशनल म्यूजिक के फैंस के लिए 'हुमा डोल' एक यादगार म्यूजिक वीडियो बन गया है । यह गाना न सिर्फ अपने खूबसूरत संगीत के लिए चर्चा में है, बल्कि इसके पीछे की कहानी भी किसी सपने की तरह है ।

एली अवराम ने एक हालिया इंटरव्यू में अपने अनुभवों को सांझा करते हुए बताया कि कैसे यह प्रोजैक्ट उसके लिए दो बड़े सपनों को सच करने जैसा रहा।

एली ने कहा कि उसने हमेशा चाहा था कि वह मोरक्को के सुपरस्टार गायक साद लमजारेंड के साथ किसी म्यूजिक वीडियो में काम करे। उसके लिए यह मौका लंबे समय से एक सपना बनकर रहा था।

उसने कहा, "जब मैंने साद लमजारेंड का एक सुपरहिट अरबी गाना सुना था, तब से ही मन में यही इच्छा थी कि एक दिन उनके साथ काम करूंगी। यह सपना आखिरकार 'हुमा डोल' के जरिए सच हो गया।

गाने को एक साल पूरा होने पर जब उससे यादों के बारे में पूछा गया, तो एली ने कहा कि उसके दिमाग में सैट की एनर्जी और उत्साह समेत कई यादें ताजा हो गईं। उसने कहा, मेरे इस अनुभव ने दो सपनों को पूरा किया। पहला सपना तो साद लमजारेंड के साथ काम करने का था और दूसरा सपना था कि मैं किसी पुराने जमाने की कहानी में एक राजकुमारी जैसी लुक अपनाकर अभिनय करूं। 'हुमा डोल' ने मेरे इन दोनों सपनों को पूरा किया। मैं शूटिंग के दौरान सच में खुद को एक राजकुमारी की तरह महसूस कर रही थी।

अगर आप अपने सपनों को लेकर गंभीर रहते हैं और उन्हें महसूस करने की इच्छा रखते हैं, तो एक दिन वे सच हो सकते हैं। मेरे इस अनुभव ने साबित कर दिखाया कि वे सच में पूरे हो सकते हैं।

एली ने आगे कहा, जब म्यूजिक वीडियो की टीम ने मुझे कास्ट करने के लिए संपर्क किया, तब एहसास हुआ कि बड़े सपने देखने से कभी डरना नहीं चाहिए । अगर आप अपने सपनों को लेकर गंभीर रहते हैं और उन्हें महसूस करने की इच्छा रखते हैं, तो एक दिन वे सच हो सकते । मेरे इस अनुभव ने साबित कर दिखाया कि सपने सच में पूरे हो सकते हैं।

एली ने बताया कि म्यूजिक वीडियो शूट करना उसे किसी फिल्म बनाने से कम नहीं लगता, क्योंकि इसमें सिर्फ अभिनय ही नहीं, बल्कि परफॉर्मेंस और इमोशन भी देने पड़ते हैं । उसे उम्मीद है कि आगे भी उसे ऐसे ही शानदार और जादुई म्यूजिक वीडियो करने का मौका मिलेगा।

ट्रोल करने वालों को दिया जवाब

गत दिनों एली और यू- ट्यूबर आशीष चंचलानी की एक साथ फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट होने के बाद डेटिंग की अफवाहों को हवा मिल गई थी लेकिन

पता चला कि यह दोनों के म्यूजिक वीडियो 'चंदनिया' को प्रमोट करने के लिए था। वायरल फोटो के बाद, एली को नफरत वाली ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। महीनों बाद, एली ने उन ट्रोलर्स पर रिएक्ट किया जिन्होंने उस पर हमला किया था ।

ट्रोलर्स पर भड़कते हुए, एली ने कहा, मुझे लगता है कि यह हमेशा महिलाओं के साथ होता है। यह कभी पुरुषों के साथ नहीं होता। ये सिर्फ कुछ निराश पुरुष हैं, शायद वे बहुत दुखी भी हैं - हम बस उनके लिए प्रार्थना कर सकते कि उन्हें अधिक रोशनी मिले और वे अ धि क स म झ दा र बनें, ठीक हों तथा समझें कि म हि ला ओं और इंसानों का सम्मान कैसे किया जाता है।

मलयालम एक्ट्रेस शोषण मामले में सभी आरोपियों को 20 साल की कैद, मुख्य आरोपी पल्सर सुनी को 5 साल की अतिरिक्त सजा

मलयालम इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री के अपहरण एवं यौन उत्पीड़न से जुड़े केस में एर्नाकुलम प्रिंसिपल सेशंस कोर्ट ने सभी दोषियों को 20 साल की सजा सुनाई है। यह फैसला जज हनी एम. वर्गीस ने सुनाया। कोर्ट ने आरोपियों को रेप के इरादे से किडनैपिंग (IPC 366), क्रिमिनल कॉन्सपिरेसी (IPC 120B) और गैंग रेप (IPC 376D) का दोषी पाया। हर दोषी पर 50,000 रुपये का फाइन भी लगाया गया है। जुर्माना नहीं देने पर दोषियों को एक साल की अतिरिक्त जेल होगी।

पल्सर सुनी को अतिरिक्त पांच वर्ष की सजा

वहीं, इस केस के आरोपी पल्सर सुनी को आईटी एक्ट के तहत पांच साल की अतिरिक्त सजा मिली। यानी पल्सर सुनी को कुल 25 साल की सजा सुनाई गई है। हालांकि, कोर्ट ने साफ किया कि सभी सजाएं एक साथ चलेंगी।

कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि विजुअल्स वाली पेन ड्राइव की कॉपी इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर बैजू पॉलोस के पास सेफ कस्टडी में रखी जाए।

इस मामले में एक्टर दिलीप को किया गया बरी

बता दें कि एक लोकप्रिय अभिनेत्री के यौन उत्पीड़न से जुड़े इस मामले में बीते सोमवार को मलयालम एक्टर दिलीप को बरी किया गया था। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री की अभिनेत्री का फरवरी 2017 में कोच्चि में अपहरण और यौन शोषण हुआ। अदालत ने इस मामले में दिलीप के अलावा तीन अन्य लोगों को भी बरी किया। आठ साल से चली आ रही लंबी और जटिल कानूनी प्रक्रिया अब अपने अंतिम चरण में है। बीते 25 नवंबर को इस मामले की सुनवाई पूरी कर ली गई थी और छह लोगों को दोषी ठहराया गया। दोषियों को सजा सुनाई गई है।

भाग्यलक्ष्मी ने केरल फिल्म कर्मचारी महासंघ से इस्तीफा दिया

बता दें कि मलयालम इंडस्ट्री के लोकप्रिय अभिनेता दिलीप को साल 2017 के इस यौन उत्पीड़न मामले में सेशन कोर्ट ने निर्दोष मानते हुए बरी किया। इसी के बाद दिलीप के फिर से बहाल कर दिया गया। हालांकि, भाग्यलक्ष्मी FEFKA समेत बाकी संगठन इस फैसले से खुश नहीं हैं। अभिनेत्री भाग्यलक्ष्मी ने केरल फिल्म कर्मचारी महासंघ से इस्तीफा दे दिया है। साथ ही उन्होंने संगठन पर कई आरोप भी लगाए हैं।

क्रिसमस पर लौटेगा क्लासिक बॉलीवुड रोमांस, कार्तिक–अनन्या की लव स्टोरी

इस क्रिसमस दर्शकों को मिलने वाला है एक खास सिनेमाई तोहफ़ा। कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे अपनी नई फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में एक बार फिर साथ नजर आएंगे। यह फिल्म 25 दिसंबर 2025 को रिलीज़ होगी और क्लासिक बॉलीवुड रोमांस की उसी पुरानी, मीठी वाइब को वापस लाने का वादा करती है, जिसे दर्शक बेहद पसंद करते रहे हैं। दोनों की सहज, ताज़गी भरी केमिस्ट्री एक बार फिर बड़े पर्दे पर जादू बिखेरने वाली है।

पुरानी यादों जैसा प्यार

फिल्म में रोमांस बिल्कुल पुरानी रूह वाला है सीधा-सादा, दिल को छूने वाला और बिना किसी भारी-भरकम ड्रामा के। कार्तिक अपनी ट्रेडमार्क रोमांटिक-कॉमेडी स्टाइल में नजर आएंगे, वहीं अनन्या अपनी मज़बूत और ग्राउंडेड परफॉर्मेंस के साथ कहानी में एक ताज़ा, ईमानदार एहसास जोड़ेंगी। दोनों का रिश्ता स्क्रीन पर गर्मजोशी, हल्की-फुल्की नोकझोंक और दिल छू लेने वाली मासूमियत से भरा नजर आएगा, जो क्रिसमस की रोशनी में और भी खूबसूरत बन जाता है।

खूबसूरत लोकेशंस और क्रिसमस स्पिरिट से भरपूर फिल्म

क्रोएशिया और भारत की मनमोहक खूबसूरत लोकेशंस पर फिल्माई गई यह कहानी एक त्योहारों से भरी पोस्टकार्ड जैसी दुनिया तैयार करती है रंगों से सजी, संगीत में लिपटी और ऐसी छोटी-छोटी पलों से भरी, जो चेहरे पर मुस्कान ला दें। निर्देशक समीर विदवान्स द्वारा निर्देशित और धर्मा प्रोडक्शंस व नमः पिक्चर्स द्वारा निर्मित यह फिल्म क्रिसमस 2025 के लिए एक गर्मजोशी भरा, दिल को सुकून देने वाला अनुभव पेश करने वाली है।

62 साल की उम्र में 90 के दशक की मीनाक्षी शेषाद्रि ने दिखाया हॉट अंदाज, शॉर्ट्स पहनकर समंदर किनारे की मस्ती

आपको 'दामिनी' और 'हीरो' जैसी फिल्मों की हीरोइन मीनाक्षी शेषाद्रि तो याद ही होंगी। 80 और 90 के दशक में मीनाक्षी शेषाद्रि ने कई हिट फिल्मों में काम किया। उस दौर में वो इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस मानी जाती थीं। अब मीनाक्षी 62 साल की हो चुकी हैं। लेकिन 62 साल की उम्र में मीनाक्षी शॉर्ट्स और फुल स्लीव्स टॉप में समुंदर किनारे अपना जलवा बिखेर रही हैं। इस उम्र में एक्ट्रेस का ये हॉट अवतार देखकर फैंस हैरान हैं। अब अभिनेत्री का ये वीडियो सुर्खियां बटोर रहा है।

वीडियो शेयर कर फैंस से पूछा ये सवाल

मीनाक्षी शेषाद्रि ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने इस वीडियो को साझा किया है। वीडियो में मीनाक्षी गुलाबी रंग के फुल स्लीव्स टॉप और चमकीले सिल्वर शॉर्ट्स में बीच (समुंदर किनारे) पर घूमती हुई दिखाई दे रही हैं। गीली रेत पर चलते हुए उन्होंने सिल्वर म्यूल्स भी पहनी हुई हैं। मीनाक्षी के इस वीडियो में एक आवारा कुत्ता भी उनके साथ नजर आ रहा है। अपने कैप्शन में मीनाक्षी ने इसे अपना दोस्त बताया है। वीडियो को शेयर करते हुए मीनाक्षी ने कैप्शन में लिखा, 'बीच पर खूब मस्ती! लंबे समय बाद शॉर्ट्स पहनना बहुत अच्छा लगा। सबसे अच्छी बात यह थी कि मुझे एक प्यारा सा दोस्त मिल गया। वैसे क्या आप बता सकते हैं कि मैंने किन फिल्मों में शॉर्ट्स पहने हैं?'

फैंस को पंसद आया मीनाक्षी का अंदाज

अभिनेत्री के इस वीडियो पर फैंस के कमेंट की बाढ़ आ गई। कई फैंस को मीनाक्षी का ये अवतार काफी पसंद आया और उन्होंने इसकी जमकर तारीफ की। एक यूजर ने लिखा, 'आप हमेशा से मेरी ड्रीम गर्ल रही हैं, जब मैं साल 1987 में 11 साल का था।' एक और यूजर ने लिखा ने तारीफ करते हुए मीनाक्षी की उन फिल्मों का नाम लिया जिनमें उन्होंने शॉर्ट पहना है। इसके अलावा भी कई फैंस ने मीनाक्षी की खूबसूरती की तारीफ की। तो वहीं एक यूजर ने एक्ट्रेस से उनकी फिटनेस का राज भी पूछ लिया।

कई यूजर्स को रास नहीं आया मीनाक्षी का लुक

हालांकि, एक ओर जहां कई यूजर्स ने शॉर्ट्स में मीनाक्षी के लुक की तारीफ की, तो वहीं कई फैंस को उनका ये अंदाज पसंद नहीं आया। एक प्रशंसक ने लिखा कि आप साड़ी में ज्यादा खूबसूरत लगती हैं। जबकि एक ने साफ कहा कि आप इसमें अच्छी नहीं लग रही हैं। तो वहीं एक प्रशंसक ने उन्हें अपने ओहदे को बर्बाद न करने की सलाह दी।

आखिरी बार 'घायल वंस अगेन' में आई थीं नजर

मीनाक्षी शेषाद्रि अपने करियर में कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों का हिस्सा रही हैं। इनमें 'दामिनी', 'हीरो', 'शहंशाह', 'गंगा जमुना सरस्वती', 'बीस साल बाद', 'बड़े घर की बेटी', 'तूफान', 'घायल' और 'घातक' जैसी फिल्में शामिल हैं। मीनाक्षी आखिरी बार 2016 में आई फिल्म 'घायल वंस अगेन' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनका छोटा सा कैमियो था। इसके बाद से वो बड़े पर्दे से दूर हैं। हालांकि, इस दौरान वो कुछ एक रियलिटी शो में बतौर गेस्ट नजर आ चुकी हैं।

यूपीएससी इंटरव्यू में इसी बार हो जाएंगे पास सरकारी अफसर बनना है तो गांठ बांध लें 20 टिप्स

यूपीएससी इंटरव्यू की प्रक्रिया 08 दिसंबर 2025 से 19 दिसंबर 2025 तक चलेगी. यूपीएससी इंटरव्यू के पहले फेज में 649 अभ्यर्थियों का इंटरव्यू लिया जाएगा. इसके बाद अन्य अभ्यर्थियों के लिए इंटरव्यू शेड्यूल जारी किया जाएगी. यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा का इंटरव्यू 275 अंकों का होता है. कैंडिडेट्स का फाइनल सिलेक्शन इसी के आधार पर किया जाता है. यह इंटरव्यू ज्ञान का नहीं, बल्कि उम्मीदवार के दृष्टिकोण, सामाजिक समझ, दबाव को संभालने की क्षमता और नेतृत्व गुणों का आकलन करता है.

अगर आप यूपीएससी मेंस परीक्षा 2025 में सफल हो चुके हैं तो नीचे बताए गए 20 कारगर टिप्स से यूपीएससी इंटरव्यू की तैयारी कर सकते हैं (हर पॉइंटर में 5 पॉइंट्स दिए गए हैं)

1. पर्सनल और बैकग्राउंड से जुड़ी तैयारी

DAF का गहन अध्ययनः अपने विस्तृत आवेदन पत्र (DAF) के हर शब्द (आपका नाम, गृहनगर, स्कूल, कॉलेज, नौकरी और शौक आदि) पर आधारित 360-डिग्री के प्रश्नों के लिए तैयार रहें.

गृहनगर की बारीकियांः अपने गृह जिले, राज्य और संबंधित क्षेत्र की समस्याओं, संभावनाओं, इतिहास, संस्कृति और राजनीति की गहरी समझ रखें.

शैक्षणिक पृष्ठभूमि की प्रासंगिकताः अपनी ग्रेजुएशन/पोस्ट-ग्रेजुएशन की

स्ट्रीम के मौलिक सिद्धांतों और सिविल सेवा में उसके इस्तेमाल जैसे प्रश्न पूछे जा सकते हैं.

नौकरी का औचित्यः पिछली नौकरी छोड़ने या बदलने के कारण, वर्तमान नौकरी में आपके अनुभव और सिविल सेवा में आपके योगदान के बारे में स्पष्ट, तार्किक जवाब तैयार रखें.

हॉबी का व्यावहारिक ज्ञानः अपने शौक से जुड़े सवालों के लिए केवल थ्योरी वाला ज्ञान नहीं, बल्कि प्रैक्टिकल अनुभव और पर्सनल सीख भी साझा करें.

2. स्पष्ट सोच और नजरिया

बैलेंस्ड अप्रोचः विवादास्पद मुद्दों पर पक्ष और विपक्ष, दोनों तर्क प्रेजेंट करें, लेकिन आखिर में एक न्यूट्रल, संवैधानिक और नैतिक दृष्टिकोण सामने रखें.

सरकारी योजनाओं पर समझः केंद्र और राज्य की प्रमुख वेलफेयर योजनाओं के उद्देश्य, चुनौतियों और कार्यान्वयन की स्थिति का एनालिसिस करें.

सिविल सेवा में प्रेरणाः आपका 'Why Civil Services' (सिविल सेवा में क्यों आना चाहते हैं) का उत्तर ईमानदारी, देश सेवा और बदलाव लाने के उद्देश्य पर बेस्ड होना चाहिए, न कि शक्ति या पद पर.

नैतिक दुविधाएंः काल्पनिक नैतिक दुविधाओं पर आधारित प्रश्नों का उत्तर देते समय हमेशा पब्लिक इंटरेस्ट और नैतिकता को प्राथमिकता दें.

अंतर्राष्ट्रीय संबंधः भारत के पड़ोसी देशों और प्रमुख वैश्विक शक्तियों (G-20, UNO) के साथ संबंधों पर निष्पक्ष और अपडेटेड जानकारी रखें.

3. बोलने का तरीका और हाव-भाव

ईमानदारी सबसे ऊपरः अगर आपको उत्तर नहीं पता है तो विनम्रता से स्वीकार करें. गलत जानकारी देने या अनुमान लगाने से बचें.

पॉजिटिव बॉडी लैंग्वेजः कॉन्फिडेंस के साथ बैठें, आई कॉन्टैक्ट बनाकर रखें और बिना मतलब वाले हाथों के इशारों से बचें.

ध्यान से सुनें प्रश्नः बोर्ड सदस्य का प्रश्न पूरा सुनने के बाद ही बोलना शुरू करें. जल्दबाजी में उत्तर देने से बचना जरूरी है.

स्ट्रक्चरल जवाबः अपने उत्तरों को संक्षिप्त, स्पष्ट और सुसंगठित (जैसेः समस्या, कारण, समाधान) रखें.

जरूरी है विनम्रताः बोर्ड के सदस्यों के साथ कभी भी बहस न करें. अगर आप असहमत हैं तो विनम्र शब्दों में अपना ऑप्शनल अप्रोच प्रस्तुत करें.

4. फाइनल प्रैक्टिस और मॉक टेस्ट

डेली मॉक ड्रिलः रोजाना खुद को एक कमरे में बंद करके सही तरीके से DAF आधारित सवालों का जवाब देने का अभ्यास करें.

मॉक इंटरव्यू में भागीदारीः प्रतिष्ठित संस्थानों के मॉक इंटरव्यू में शामिल हों. इससे दबाव में प्रदर्शन करने और अपनी कमजोरियों को जानने का मौका मिलेगा.

टाइम मैनेजमेंटः यूपीएससी इंटरव्यू हॉल में निर्धारित समय से पहले पहुंचें. इससे आप मानसिक रूप से शांत रह सकेंगे.

वर्तमान रुझानः पिछले वर्ष के सफल उम्मीदवारों के इंटरव्यू ट्रांसक्रिप्ट और वर्तमान के इंटरव्यू रुझानों का एनालिसिस करें.

सजग रहेंः अंतिम क्षणों तक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर अपनी जानकारी को अपडेट रखें.

'पश्मीना शॉल' ठंड में भी रहें स्टाइलिश

पश्मीना शॉल सर्दियों में स्टाइल और एलीगेंस दोनों का एक बेहतरीन मिश्रण है । पश्मीना शॉल की सबसे बड़ी खासियत है कि यह बहुत हल्की होती है, लेकिन सर्दियों में बेहतरीन गर्माहट देती है। बारीक धागे इसकी गर्माहट को प्राकृतिक रूप से बनाए रखते हैं। इसे पहनने पर भारीपन महसूस नहीं होता। आज हम विंटर सीजन में पश्मीना शॉल को स्टाइल करने के शानदार और आसान आइडियाज बताते हैं।

क्लासिक ओवर-द-शोल्डर ड्रेप

यह सबसे सिंपल और एलीगेंट तरीका है। शॉल को एक कंधे पर डालें और दूसरे पर हल्का-सा गिरने दें। शादी, पूजा या किसी फॉर्मल इवैंट के लिए यह परफैक्ट है।

फ्रंट नॉट स्टाइल

शॉल को गर्दन के चारों ओर लपेटकर आगे की तरफ हल्की-सी नॉट (गांठ) लगाएं। यह लुक स्मार्ट, मॉडर्न और सर्दियों में बहुत गर्म रखने वाली है।

बैल्टेड स्टाइल

शॉल को कंधे पर ड्रेप करके वेस्ट पर बैल्ट लगा लें। इंडो-वेस्टर्न और फ्यूजन, आऊटफिट के लिए ट्रैंडी और स्लिम-लुकिंग स्टाइल है।

स्टोल की तरह रैप करें

शॉल को लंबाई में फोल्ड करके स्टोल की तरह नैक के चारों ओर लपेटें। वर्कवेअर या कैज़ुअल आऊटिंग के लिए बढ़िया विकल्प।

शॉल विद कोट लुक

पश्मीना शॉल को कोट या जैकेट के ऊपर पहनने से लुक बेहद रॉयल और विंटरी लगती है। यह ट्रैवल और डेली आऊटफिट दोनों में सूट करता है।

हैड-स्कार्फ स्टाइल

बहुत ठंड में शॉल को सिर से लेकर कंधे तक रैप करें। यह स्टाइल कश्मीरी महिलाओं का क्लासिक तरीका है, जो ठंड से भी बचाता है और बेहद खूबसूरत भी लगता है।

शॉल के साथ लेयरिंग

स्वेटर के साथ पश्मीना शॉल, लॉन्ग कुर्ती के साथ शॉल, टर्टल नैक के साथ शॉल- इससे लुक और ज्यादा रिच और स्टाइलिश बनती है।

हल्का-सा ऑफ-शोल्डर ड्रेप

पार्टी या डिनर के लिए ग्लैमरस लुक देनी हो तो शॉल को सिर्फ एक कंधे पर हल्का-सा लटकाएं। यहलुक फोटो में बहुत खूबसूरत दिखती है।

ध्यान रखें ये बातें

असली पश्मीना बेहद कोमल, हल्की और गर्म होती है। धागे से रगड़ने पर हल्की-सी चमक आती है, लेकिन सिंथेटिक की तरह बहुत ज्यादा नहीं। हैंड-वीव्ड और कश्मीरी पश्मीना की कीमत ज्यादा होती है- क्वालिटी हमेशा महसूस होती है।

नई नौकरी की तलाश में हैं तो खुद को निखारें नए कौशल सीखकर खुद को लगातार बनाएं बेहतर

नई नौकरी में तलाश अक्सर पहाड़ चढ़ने जैसा लगता है, लेकिन जब आप समझ लेते हैं कि रास्ते में आने वाली बाधाओं को कैसे संभालना है, तो यही सफर आसान हो जाता है। सबसे पहले, अनिश्चितता और डर को कम करने के लिए यह तय करें कि आप किस दिशा में जाना चाहते हैं और उसके बारे में जानकारी जुटाएं, क्योंकि स्पष्टता हमेशा डर को छोटा कर देती है।

स्पष्टता जरूरी है

इस दौरान शुरुआत कहां से करें यह समझ न आना स्वाभाविक है। इसे दूर करने के लिए अपनी रुचियों, मूल्यों और ताकतों पर आत्म-चिंतन करें, जर्नलिंग करें और नए विकल्पों पर शोध करें। फिर छोटे कोर्स, वर्कशॉप या फ्रीलांस प्रोजेक्ट के जरिये अलग-

अलग क्षेत्रों को आजमाएं। इससे आपको अपनी दिशा में स्पष्टता और आत्मविश्वास मिलता है

नए क्षेत्र के बारे में सीखते रहें

नई नौकरी प्रवेश के लिए पुराने क्षेत्र को छोड़ने की चिंता, आत्म-संदेह या नए क्षेत्र के लिए खुद को अयोग्य महसूस करना आम है। इसे दूर करने के लिए अपनी उपलब्धियों की सूची बनाएं, अपने स्थानांतरित होने योग्य कौशल पहचानें और खुद के प्रति दयालु रहें। नए क्षेत्र के बारे में सीखते रहें और अपनी सफलता की कल्पना करें।

कौशल और ज्ञान

अक्सर लगता है कि नई भूमिका के लिए हमारे पास जरूरी प्रशिक्षण या प्रमाण-पत्र नहीं हैं, लेकिन इसे छोटे कदम उठाकर आसानी से दूर किया जा सकता है। ऑनलाइन कोर्स, सर्टिफिकेट या स्वयंसेवा के जरिये धीरे-धीरे नए कौशल सीखें, और साथ ही यह समझें कि आपके मौजूदा कौशल भी नई भूमिका में उपयोगी हो सकते हैं।

वित्तीय योजना बनाएं

इस समय आय में कमी और पढ़ाई के खर्च को लेकर होने वाली चिंता स्वाभाविक है। इसे संभालने के लिए एक स्पष्ट वित्तीय योजना बनाएं, जरूरत पड़ने पर पार्ट-टाइम नौकरी के विकल्प देखें, और पढ़ाई से जुड़ी वित्तीय सहायता की जानकारी जुटाएं। इससे बदलाव का दबाव काफी कम हो जाता है।

नेटवर्किंग के लिए अवसर तलाशें

अगर आपके पास नए उद्योग में सही संपर्क नहीं हैं, तो अवसर पाना मुश्किल लग सकता है। इसे दूर करने के लिए नेटवर्किंग बढ़ाने के लिए उद्योग कार्यक्रमों में जाएं, लिंक्डइन पर पेशेवरों से जुड़ें, सलाहकारों से बात करें और लोगों से बातचीत के लिए अनुरोध करें। इससे आपको रेफरल और मौके मिलना आसान हो जाता है।

दबाव बढ़ा लेकिन रास्ते भी खुले, दोहरे संकट में समाधान-केंद्रित सोच की जरूरत

आज की तेज रफ्तार दुनिया में चुनौतियां अक्सर एक साथ आती हैं। कई बार निजी और पेशेवर मुश्किलें एक ही समय पर आने से तनाव बढ़ जाता है, सोचने-समझने की क्षमता कमजोर पड़ जाती है और सही निर्णय लेना कठिन हो जाता है। ऐसे समय में अगर हम व्यर्थ के दबाव में आ जाएं, तो हमारी कार्यक्षमता प्रभावित होती है और स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ सकता है।

इसलिए समझदारी से कदम उठाना, भरोसेमंद लोगों और सहकर्मियों का समर्थन लेना और मजबूत सिस्टम बनाना बेहद जरूरी है। इससे न केवल मानसिक और पेशेवर स्थिरता बनी रहती है, बल्कि बेहतर प्रदर्शन करने और चुनौतियों का सामना करने में भी मदद मिलती है।

परिस्थिति को स्वीकारें

अक्सर हम मान लेते हैं कि निजी और पेशेवर जीवन को पूरी तरह अलग रखा जा सकता है, लेकिन वास्तव में एक क्षेत्र की परेशानी दूसरे को भी प्रभावित करती

है। इसलिए पहला कदम है स्थिति को ईमानदारी से स्वीकार करना। यह समझें कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं। अपनी भावनाओं को पहचानने से ही समाधान का मार्ग मिलता है। स्थिति स्वीकार करने से आपका प्रभाव कम नहीं होता, बल्कि भरोसा बढ़ता है और आप अपने तथा टीम दोनों के लिए एक मजबूत उदाहरण स्थापित करते हैं।

खुद को रीसेट करें

मुश्किल समय में खुद को सर्वश्रेष्ठ साबित करने का दबाव न लें। इस दौर को जीवन का हिस्सा मानें और दोबारा तैयारी करने का अवसर समझें। मानसिक राहत के लिए थेरेपी लें, लंबी सैर पर जाएं या अपने करीबियों के साथ समय बिताएं। अपने काम को फिर से व्यवस्थित करें, प्राथमिकताएं तय करें और अनावश्यक कार्यों को कम करें। समझें कि जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। नियमित दिनचर्या, स्पष्ट सीमाएं और छोटे-छोटे रीसेट आपकी स्थिरता बनाए रखते हैं और टीम का भरोसा भी बढ़ाते हैं।

मदद मांगना बुरा नहीं

खासकर जब निजी और पेशेवर दोनों तरह के संकट एक साथ हों, तो आप सहकर्मियों या सीनियर्स से समर्थन ले सकते हैं। इसके लिए दो तरह से मदद मांगें, पहली रणनीतिक, जिसमें सीनियर्स से सलाह लेना, भूमिका में बदलाव पर बात करना या किसी बड़े प्रोजेक्ट में सहायता मांगना शामिल हो। दूसरी टैक्टिकल, जिसमें टीम के किसी सदस्य को किसी प्रोजेक्ट की पूरी जिम्मेदारी देकर अपने काम का बोझ कम करें और उनकी क्षमता भी बढ़ाएं। याद रखें, मदद मांगना आगे बढ़ने का समझदारी भरा तरीका है।

समय के अनुसार फैसले लें

विपरीत परिस्थितियों में पता चलता है कि आपकी व्यक्तिगत क्षमता की सीमाएं क्या हैं। इसलिए हर जिम्मेदारी अकेले उठाना जरूरी नहीं है।

मीटिंग्स में देखें कि फैसले सही स्तर पर लिए जा रहे हैं या नहीं। तय करें कि कौन-से निर्णय टीम ले सकती है और किन मुद्दों के लिए सीनियर स्तर की मदद चाहिए। साथ ही, काम के स्पष्ट मानक निर्धारित करें, ताकि अस्पष्टता कम हो।

10वीं पास के लिए सुनहरा मौका, दिल्ली में एमटीएस के 714 पद, 17 दिसंबर से आवेदन शुरू

दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड ने एमटीएस के 714 पदों के लिए बड़ा विज्ञापन नंबर 07/2025 जारी किया है।आवेदन प्रक्रिया 17 दिसंबर 2025 से शुरू होकर 15 जनवरी 2026 तक चलेगी। जानें आवश्यक पात्रता और योग्यताएं।

दिल्ली में सरकारी नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (DSSSB) ने मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) के 714 पदों पर भर्ती के लिए वर्ष का सबसे बड़ा विज्ञापन 07/2025 जारी किया है।

खास बात है कि इसके लिए उम्मीदवार को सिर्फ दसवीं पास होना आवश्यक है।

ये वैकेंसी दिल्ली सरकार के 12 विभागों में निकली है। इनमें श्रम विभाग, एनसीसी विभाग, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, विकास विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, आबकारी विभाग, औषध नियंत्रण विभाग समेत अन्य कई विभाग शामिल हैं।

परीक्षा पैटर्न

सभी परीक्षाएं ऑब्जेक्टिव टाइप होगी। किसी भी प्रश्न में नेगेटिव मार्किंग नहीं है। सिलेबस भी दवसीं के स्तर का ही होगा।

योग्यता कितनी चाहिए?

आवेदन के लिए उम्मीदवार को मैट्रिक यानी की दसवीं पास होना आवश्यक है। आवेदक की आयु 18 से 27 वर्ष तक निर्धारित की गई है। आरक्षित श्रेणियों को नियम के अनुसार छूट भी मिलेगी। आवेदन 17 दिसंबर 2025 से दोपहर 12 बजे से शुरू हो जाएगा। अंतिम तारीख 15 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है।

आवेदन शुल्क

सामान्य, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वाले उम्मीदवार को फॉर्म सबमिट करने के दौरान 100 रुपये फीस देनी होगी। जबकि महिला, एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी और पूर्व सैनिक के लिए मुफ्त है।

ऐसे करें आवेदन

सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट https://dsssbonline.nic.in पर जाएं।

वन टाइम रजिस्ट्रेशन करें।

विज्ञापन नंबर 07/2025 चुनें।

फॉर्म भरें और फोटो-सिग्नेचर अपलोड करें।

शुल्क जमा कर फॉर्म सबमिट करें।

केवीएस में टीजीटी-पीजीटी समेत विभिन्न पदों पर बंपर भर्ती करीब 2500 पदों पर आज से करें आवेदन

केंद्रीय विद्यालय संगठन ने वर्ष 2025 के लिए टीजीटी, पीजीटी और विभिन्न अन्य पदों पर कुल 2499 रिक्तियों को भरने के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। यदि आप एक सरकारी शिक्षक बनने का सपना देखते हैं, तो यह आपके लिए सुनहरा अवसर है। इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवार केवीएस की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 26 दिसंबर 2025 निर्धारित की गई है।

कौन कर सकता है आवेदन?

केवीएस टीजीटी, पीजीटी और अन्य पदों के लिए पात्रता मानदंड पद के अनुसार अलग-अलग निर्धारित किए गए हैं। PGT पद के लिए उम्मीदवार के पास संबंधित विषय में पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री तथा B.Ed होना अनिवार्य है, साथ ही न्यूनतम 50% अंकों की आवश्यकता होती है। वहीं TGT पद के लिए संबंधित विषय में ग्रेजुएशन डिग्री, B.Ed तथा CTET (पेपर 2) की उत्तीर्णता जरूरी है। इसके अतिरिक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा निकाले गए अन्य पदों के लिए योग्यता मानदंड पदों के अनुसार अलग-अलग है। कुछ पदों के लिए 12वीं पास योग्यता पर्याप्त है, जबकि कुछ के लिए ग्रेजुएशन, डिप्लोमा या प्रोफेशनल डिग्री की मांगी गई है। प्रत्येक पद की विस्तृत शैक्षणिक योग्यताएं आधिकारिक अधिसूचना में देख सकते हैं।

जानें आयु सीमा की शर्तें

एलडीई/एलडीसीई के माध्यम से पदों को भरने के लिए आयु, सेवा अवधि और शैक्षणिक योग्यता निर्धारित करने की अंतिम तिथि 01.01.2026 होगी। इसी तिथि के आधार पर उम्मीदवार की पात्रता तय की जाएगी।आयु में छूट भारत सरकार के नियमों के अनुसार लागू होगी। एससी/एसटी को 5 वर्ष, ओबीसी को 3 वर्ष, दिव्यांगजन को सरकारी मानक के अनुसार छूट मिलेगी। साथ ही, सेवा नियमों के अनुसार आंतरिक उम्मीदवारों को भी ऊपरी आयु सीमा में छूट प्रदान की जाती है।

केवीएस में वेतन 7वें केंद्रीय वेतन आयोग के वेतन मैट्रिक्स के अनुसार दिया जाता है। प्रधानाचार्य, उप-प्रधानाचार्य, पीजीटी, टीजीटी और अन्य पदों पर नियुक्त कर्मचारियों को उनके निर्धारित वेतनमान के अनुसार पे-लेवल प्राप्त होगा। इसके साथ ही कर्मचारियों को HRA, DA तथा अन्य लागू भत्ते सरकारी नियमों के अनुसार दिए जाते हैं।

महाराष्ट्र के कृषि विश्वविद्यालयों में 7,100 से अधिक पद खाली; कृषि मंत्री ने किया खुलासा

राज्य विधानमंडल के ऊपरी सदन के कई सदस्यों ने अकोला स्थित डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ और ऐसे ही तीन अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों की संख्या जानने की मांग की थी और यह भी जानना चाहा था कि क्या मानव संसाधन की कमी शिक्षा और अनुसंधान को प्रभावित कर रही है।

बानें ने कहा कि डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ में 2,235 पद खाली हैं। अन्य तीन विश्वविद्यालय हैं महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी, परभणी में वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, और दापोली में डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ।

चार कृषि विश्वविद्यालयों में 7,199 पद रिक्त

भारणे ने कहा कि राज्य के चार प्रमुख कृषि विश्वविद्यालयों में शिक्षण और गैर-शिक्षण श्रेणी के 7,199 पद रिक्त हैं।

हालांकि, उन्होंने कहा कि अन्य शिक्षक, गैर-शिक्षण कर्मचारी और संविदा कर्मचारी प्रभावी रूप से कार्यभार संभाल रहे हैं।

मंत्री जी ने बताया कि चारों कृषि विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों के संबंध में आंकड़े संकलित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंतिम रूप दिए जाने के बाद वित्त विभाग को एक प्रस्ताव भेजा जाएगा और अनुमोदन के बाद सरकारी नीति के अनुसार रिक्त पदों को भरा जाएगा।

रूस के बाद अमेरिका ने भी मरोड़े वेनेजुएला के कान

कच्चे तेल की सप्लाई हुई ठप, भारत पर क्या असर

नई दिल्ली,14 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस के बाद अब अमेरिका ने वेनेजुएला पर भी तेल सप्लाई को लेकर प्रतिबंध लगा दिए हैं। अमेरिका ने इस हफ्ते वेनेजुएला के एक तेल टैंकर को जब्त कर लिया। साथ ही उसके साथ व्यापार करने वाली शिपिंग कंपनियों पर नए प्रतिबंध भी लगाए हैं। ऐसे में वेनेजुएला के तेल निर्यात में भारी गिरावट आई है। हालांकि इसका असर भारत पर बहुत ज्यादा नहीं पड़ेगा। अल जजीरा के मुताबिक वेनेजुएला के पानी में तेल टैंकरों का आना-जाना लगभग रुक गया है। अमेरिका ने यह घोषणा की है कि वह वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मदुरो पर सैन्य दबाव बनाने के लिए और भी जहाज जब्त करेगा। बुधवार को स्किपर टैंकर को जब्त किया गया था। यह साल 2019 में अमेरिका की ओर से वेनेजुएला पर प्रतिबंध लगाने के बाद अमेरिकी द्वारा वेनेजुएला के तेल कार्गो की पहली जब्ती थी। यह कैरिबियन सागर में अमेरिकी सैन्य जमावड़े के बीच भी हुआ है, जिसका मकसद मदुरो को सत्ता से हटाना लगता है।

पानी में फंसे हैं वेनेजुएला के तेल टैंकर

अल जजीरा के अनुसार और अधिक जब्ती की धमकियों के कारण लगभग 11 मिलियन बैरल तेल और ईंधन से लदे टैंकर वेनेजुएला के पानी में फंसे हुए हैं। ये टैंकर आगे बढ़ने से डर रहे हैं क्योंकि अमेरिका की ओर से इन्हें भी जब्त किया जा सकता है। रॉयटर्स के अनुसार स्किपर की जब्ती के बाद से केवल अमेरिकी तेल दिग्गज शेवरॉन द्वारा चार्टर्ड टैंकर ही बंदरगाहों से निकले हैं और वेनेजुएला के कच्चे तेल को अंतरराष्ट्रीय पानी में ले गए हैं।

शेवरॉन के पास वेनेजुएला में काम करने के लिए अमेरिकी सरकार की मंजूरी है। यह मंजूरी राज्य-संचालित तेल कंपनी पीडीवीएसए के साथ संयुक्त उद्यमों के माध्यम से मिली है, और वह अपना तेल अमेरिका को निर्यात कर सकती है।

भारत पर कितना पड़ेगा असर?

भारत दुनिया के कई देशों से कच्चा तेल खरीदता है। इसमें रूस और वेनेजुएला भी शामिल हैं। रूस की तरह वेनेजुएला भी सस्ता तेल बेचता है। अमेरिकी बैन के बाद भी भारत का रूस से तेल खरीदना जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत ने वेनेजुएला से साल 2024 में लगभग 22 मिलियन बैरल तेल का आयात किया था।

इस साल ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ सिर्फ रूस से तेल खरीदने के कारण लगाया था। इसके बाद भी भारत ने रूस से तेल खरीदना जारी रखा लेकिन वेनेजुएला से कम कर दिया। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत ने अब वेनेजुएला से तेल खरीदना लगभग बंद कर दिया है और इस साल के अंत तक यह पूरी तरह बंद हो सकता है। ऐसे में भारत पर इसका बहुत ज्यादा असर नहीं पड़ेगा।

ये है मुकेश अंबानी की ताकत, गिरते बाजार में आरआईएल ने कमाए 20 हजार करोड़

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी और उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की ताकत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले हफ्ते गिरते शेयर बाजार में भी जबरदस्त फायदा कमाया है. खास बात तो ये है कि देश की टॉप 10 कंपनियों में से 8 कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट देखने को मिली है. जबकि दो कंपनियों के मार्केट कैप में बढ़ोतरी देखी गई है. जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केट कैप में 20 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है. जबकि देश की बड़ी इंफ्रा कंपनी एलएंडटी के मार्केट कैप में इजाफा देखने को मिला है. जानकारी के अनुसार पिछले सप्ताह टॉप 10 सबसे मूल्यवान घरेलू कंपनियों में से आठ के ज्वाइंट मार्केट कैप में 79,129.21 करोड़ रुपए की गिरावट आई, जिसमें बजाज फाइनेंस और आईसीआईसीआई बैंक को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ. शेयर बाजार में व्यापक मंदी के रुझान के बीच यह गिरावट दर्ज की गई. पिछले सप्ताह, बीएसई बेंचमार्क इंडेक्स में 444.71 अंकों या 0.51 प्रतिशत की गिरावट आई. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर किस कंपनी के वैल्यूएशन में कितना इजाफा और कितनी गिरावट देखने को मिली है.

देश की टॉप 10 कंपनियों की वैल्यूएशन

देश की टॉप एनबीएफसी कंपनी बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण (एमसीएपी) 19,289.7 करोड़ रुपए घटकर 6,33,106.69 करोड़ रुपए हो गया.

देश का दूसरा सबसे बड़ा प्राइवेट लेंडर आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 18,516.31 करोड़ रुपए घटकर 9,76,668.15 करोड़ रुपए हो गया.

देश की टॉप टेलीकॉम कंपनियों में से एक भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 13,884.63 करोड़ रुपए घटकर 11,87,948.11 करोड़ रुपए हो गया.

देश के सबसे बड़े सरकारी लेंडर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का 7,846.02 करोड़ रुपए घटकर 8,88,816.17 करोड़ रुपए हो गया.

देश की बड़ी आईटी कंपनियों में से एक इंफोसिस के बाजार पूंजीकरण में 7,145.95 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 6,64,220.58 करोड़ रुपए पर पहुंच गया.

देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 6,783.92 करोड़ रुपए घटकर 11,65,078.45 करोड़ रुपए हो गया.

देश की सबसे बड़े प्राइवेट लेंडर एचडीएफसी बैंक का 4,460.93 करोड़ रुपए घटकर 15,38,558.71 करोड़ रुपए हो गया.

देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी एलआईसी का मूल्यांकन 1,201.75 करोड़ रुपए घटकर 5,48,820.05 करोड़ रुपए हो गया.

वहीं दूसरी ओर देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 20,434.03 करोड़ रुपए बढ़कर 21,05,652.74 करोड़ रुपए हो गया.

देश की सबसे बड़ी इंफ्रा कंपनी लार्सन एंड टुब्रो का मार्केट कैप 4,910.82 करोड़ रुपए बढ़कर 5,60,370.38 करोड़ रुपए हो गया.

आर्थिक मंदी में भी बैंकों को फायदा, आम आदमी को नुकसान

रॉबर्ट कियोसाकी ने सिस्टम पर उठाए सवाल

नई दिल्ली,14 दिसंबर (एजेंसियां)। 'रिच डैड पुअर डैड' के मशहूर लेखक और आर्थिक मामलों के जानकार रॉबर्ट कियोसाकी ने मौजूदा बैंकिंग सिस्टम पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि बैंकिंग सिस्टम ऐसा बना है कि आर्थिक संकट में भी बैंकों की जीत होती है। जबकि आम आदमी को नुकसान उठाना पड़ता है।उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दुनिया की अर्थव्यवस्था पर फिर से दबाव आ रहा है। कियोसाकी का दावा है कि चाहे बाजार ऊपर जाए या नीचे, आखिर में बैंकर ही जीतते हैं। उन्होंने लिखा है- हेड्स आया तो बैंक जीतते हैं, टेल्स आया तो भी बैंक ही जीतते हैं... और नुकसान आम लोगों का होता है। कियोसाकी के अनुसार, जब अर्थव्यवस्था अच्छी चलती है तो बैंक खूब मुनाफा कमाते हैं, लेकिन जब नुकसान होता है तो आम जनता को ही उसका बोझ उठाना पड़ता है।

'मुनाफा अपना, नुकसान सबका'

कियोसाकी का तर्क है कि आज के जमाने के फाइनेंस का मुख्य नियम है 'मुनाफा अपना, नुकसान सबका'। उनके हिसाब से जब बैंक अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो उनका मुनाफा निजी रहता है। लेकिन जब उन्हें घाटा होता है, तो सरकारें आगे आती हैं और अक्सर टैक्स देने वाले लोगों के पैसे से ही सिस्टम को संभाला जाता है।

2008 के संकट का दिया उदाहरण

उन्होंने साल 2008 के वैश्विक आर्थिक संकट का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि जब बैंकों को अरबों का नुकसान हुआ, तो असल में जनता ने ही इसका भुगतान किया। यह भुगतान ज्यादा टैक्स और सरकारी मदद के रूप में हुआ। इसलिए, उन्होंने कहा, 'यह खेल ही ऐसा है कि सिक्के का एक ही पहलू: बैंकर जीतें, टैक्स देने वाले हारें।'

दुनियाभर में बैंकरों का दबदबा

लेखक का मानना है कि बैंकरों का बहुत ज्यादा दबदबा है क्योंकि वे दुनिया भर के पैसों के प्रवाह को कंट्रोल करते हैं। इससे वे आर्थिक नतीजों को अपने फायदे के लिए बदल सकते हैं। कियोसाकी का सुझाव है कि इस वजह से आम टैक्स देने वाले लोग आर्थिक अस्थिरता के समय में मुश्किल में पड़ जाते हैं, खासकर तब जब सरकारें उन बड़े संस्थानों को बचाने के लिए आती है जिन्हें 'इतना बड़ा कि फेल न हो सके' कहा जाता है।

एआई आई... लाल धातु के निवेशकों की मौज लाई, इस साल रॉकेट सी बढ़ी कीमत, कितना दिया रिटर्न?

नई दिल्ली,14 दिसंबर (एजेंसियां)। इस साल सोना-चांदी ही नहीं, दूसरी धातुओं ने भी अच्छा रिटर्न दिया है। इन्हीं में एक है तांबा यानी कॉपर। इसे लाल धातु भी कहा कहा जाता है। ठीक उसी तरह जैसे सोने को पीली धातु और चांदी को सफेद धातु कहते हैं। इस साल कॉपर की कीमत 12,000 डॉलर प्रति मीट्रिक टन के स्तर के करीब पहुंच गई है। इसकी मुख्य वजह है एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से जुड़े डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर की बढ़ती मांग और अमेरिका के बाहर सप्लाई की कमी की चिंताएं। इस साल अब तक कॉपर की कीमतों में 35% का उछाल आया है। यह साल 2009 के बाद से सबसे अच्छी सालाना बढ़ोतरी है। शुक्रवार को तो यह धातु 11,952 डॉलर प्रति टन तक पहुंच गई थी। खदानों में उत्पादन में आई रुकावटें और अमेरिका में बड़े पैमाने पर की गई खरीदारी के कारण इसकी कीमत में तेजी आई है।

क्या है इसकी खासियत?

कॉपर की सबसे बड़ी खासियत है इसकी बिजली को बहुत अच्छे से संचालित करने की क्षमता। इसी वजह से यह पावर ग्रिड, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रिक गाड़ियों और क्लीन एनर्जी के लिए बहुत जरूरी है। दुनिया भर में बिजली के नेटवर्क को बेहतर बनाने के लिए अरबों डॉलर खर्च किए जा रहे हैं। डेटा सेंटर और रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स को लगातार और बहुत ज्यादा बिजली की जरूरत होती है।

क्यों बढ़ी निवेशकों की दिलचस्पी

कॉपर भी इस समय निवेशकों का ध्यान खींच रही है। क्योंकि एआई ने कमोडिटी (कच्चे माल) में निवेश की रणनीतियों को बदल दिया है। बेंचमार्क मिनरल इंटेलिजेंस के एनालिस्ट दान डे जोंगे कहते हैं कि जो निवेशक एआई से जुड़ी चीजों में बड़े पैमाने पर निवेश करना चाहते हैं, वे ऐसे फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स में भी पैसा लगा रहे हैं जिनमें डेटा सेंटर के लिए जरूरी हार्ड एसेट्स शामिल हों। वे आगे कहते हैं कि निवेशक कॉपर से जुड़े एसेट्स जैसे ईटीएफएस (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) खरीदेंगे।

ईटीएफ ने दिया और ज्यादा रिटर्न

इस बदलाव को नए निवेश वाहनों में भी देखा जा सकता है। कनाडा की स्प्रॉट एसेट मैनेजमेंट ने साल 2024 के मध्य में दुनिया का पहला फिजिकल कॉपर ईटीएफ लॉन्च किया। इस फंड में करीब 10,000 टन कॉपर है और इस साल यह लगभग 46% बढ़ गया है। इसकी एक यूनिट की कीमत करीब 14 कनाडाई डॉलर है।

क्या आगे और बढ़ेगी कीमत?

सप्लाई (आपूर्ति) की कमी एक बड़ी चिंता बनी हुई है। रॉयटर्स के एक सर्वे के मुताबिक, इस साल कॉपर बाजार में 1,24,000 टन की कमी रहेगी, जो साल 2026 तक बढ़कर 1,50,000 टन हो जाएगी। प्रोडक्शन में आई दिक्कतें भी इस कमी को बढ़ा रही हैं। सितंबर में इंडोनेशिया की फ्रीपोर्ट मैकमोरन की ग्रासबर्ग खदान में एक दुर्घटना हुई थी। ग्लेनकोर जैसी बड़ी माइनिंग कंपनियों ने भी साल 2026 के लिए अपने उत्पादन के अनुमान कम कर दिए हैं। ऐसे में आने वाले समय में कॉपर की कीमत में तेजी देखी जा सकती है।

कर्नाटक की जमीन में छिपा है अकूत खजाना

सोना इतना कि रोजाना हो सकती है करोड़ों की कमाई

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में सोने का एक बहुत बड़ा भंडार मिला है। यह भंडार इतना कीमती है कि इसे अब तक के सबसे बड़े खजानों में गिना जा रहा है। यह कर्नाटक के कोप्पल जिले में है।

यहां सोने की मात्रा 12 से 14 ग्राम प्रति टन है। यह मात्रा आम तौर पर सोने की खदानों के लिए फायदेमंद मानी जाने वाली मात्रा से 4 से 7 गुना ज्यादा है। इतना ही नहीं, रायचूर जिले के अमृतेश्वर ब्लॉक में बैटरी के लिए जरूरी लिथियम के भी अंश मिले हैं। लेकिन एक बड़ी समस्या है कि यह सारा खजाना संरक्षित जंगलों के अंदर है। इसलिए इसे अभी निकाला नहीं जा सकता। न्यूज18 की एक रिपोर्ट के मुताबिक राज्य के खान और भूविज्ञान विभाग ने नवंबर 2025 में इन खोजों की पुष्टि की है। यह खोज 65 ब्लॉकों में किए गए एक बड़े सर्वे का हिस्सा है, जो कुल 6 लाख हेक्टेयर इलाके में फैला है। कोप्पल के अमरापुर ब्लॉक से मिले शुरुआती नतीजों में सतह के नमूनों में 14 ग्राम प्रति टन तक सोना पाया गया है। यह वह स्तर है जिससे खदानें फायदेमंद मानी जाती हैं, जो कि 2 से 3 ग्राम प्रति टन है। रायचूर में लिथियम वाले पेग्माटाइट चट्टानों का पहली बार पता चला है।

इससे कर्नाटक भी उन राज्यों की सूची में शामिल हो गया है जहां लिथियम पाया गया है। इस सूची में पहले से जम्मू और कश्मीर और छत्तीसगढ़ शामिल हैं।

रोजाना करोड़ों रुपये की कमाई

अगर इन खदानों की गहराई में भी सोने की मात्रा 8 से 10 ग्राम प्रति टन बनी रहती है, तो 1 लाख टन प्रति वर्ष की एक खदान हर दिन 25 से 30 किलोग्राम सोना निकाल सकती है। इसकी कीमत करोड़ों रुपये होगी। यानी इन खदानों से निकले सोने से रोजाना करोड़ों रुपये की कमाई हो सकती है।

मंत्रालयों से मंजूरी का इंतजार

इस खदानों से सोना और लिथियम निकालने के लिए कई अड़चनें सामने आनी है। यह जगहें रिजर्व फॉरेस्ट (आरक्षित वन) और इको-सेंसिटिव जोन (पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्र) के अंतर्गत आती हैं। ऐसे में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से स्टेज-I की मंजूरी के बिना 10 मीटर से ज्यादा गहराई में ड्रिलिंग की इजाजत नहीं है। और यह मंजूरी अभी तक नहीं मिली है। स्टेज-I की वन मंजूरी के लिए राज्य सरकार की सिफारिश और एमओईएफसीसी की मंजूरी की जरूरत होती है, जो वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के तहत आती है।

वहीं स्थानीय वन अधिकारी वन्यजीव गलियारों, भूजल पुनर्भरण क्षेत्रों और आदिवासी बस्तियों का हवाला दे रहे हैं। पर्यावरण से जुड़ी गैर-सरकारी संस्थाएं और सामुदायिक समूह पहले ही आपत्ति जता चुके हैं। उनका कहना है कि पश्चिमी घाट से सटे इस इलाके के पर्यावरण को नुकसान होगा।

भारत से उत्साह अमेरिका की ओर गया: रघुराम राजन

बताया वो ट्रिगर जो कहानी बदल देगा

नई दिल्ली,14 दिसंबर (एजेंसियां)। आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने भारतीय शेयर बाजार की चाल पर अपनी राय रखी है। उनका मानना है कि यह तब और मजबूत होगा जब अमेरिका के साथ व्यापार समझौता पक्का हो जाएगा। उनका कहना है कि मौजूदा टैरिफ इतने ज्यादा नहीं रहने चाहिए। इन्हें 20% से कम होना चाहिए। राजन ने सीए कुशल लोढ़ा से बातचीत में कहा, 'भारतीय बाजार पर ज्यादा दबाव रहा है। जबकि अमेरिकी बाजार में ज्यादा उछाल आया है।' उन्होंने बताया कि इस अंतर की एक बड़ी वजह एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और इसके इस्तेमाल का तरीका है।राजन ने समझाया कि जब भी कोई नई तकनीक आती है तो शुरुआत में एक उत्साह का दौर आता है। उन्होंने कहा कि अगर आप पैटर्न देखें तो शुरुआत में यह उत्साह अक्सर निराशा में बदल जाता है। लेकिन, बाद में वह चीज हकीकत बन जाती है।

उन्होंने इंटरनेट स्टॉक्स का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, 'अमेजन को डॉट-कॉम बूम के समय बहुत अच्छा माना जाता था। फिर यह गिर गया। लेकिन, हमने तब अमेजन खरीदा होता तो हम आज बहुत अमीर होते। अमेजन फिर से ऊपर आया और अब एआई की वजह से बहुत अच्छा कर रहा है। अमेजन की क्लाउड सेवाएं अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं।'

भारत से अमेरिका की ओर रुख

उन्होंने आगे कहा, 'तो सीधी बात यह है कि भारत से उत्साह अमेरिका की ओर चला गया है।' यह बात उन्होंने भारतीय और अमेरिकी शेयर बाजार के वैल्यूएशन की तुलना करने वाले सवाल के जवाब में कही। उन्होंने कहा, 'एक समय था जब हर कोई भारत को लेकर उत्साहित था। अब टैरिफ और दूसरी वजहों से भारत को लेकर थोड़ी निराशा हो सकती है।'

राजन ने सुझाव दिया कि भारतीय बाजार जो पिछले एक साल से ज्यादातर सपाट रहा है, व्यापार वार्ता समाप्त होने के बाद फिर से रफ्तार पकड़ेगा। उन्होंने कहा, 'इसलिए, मैं उम्मीद करता हूं कि अमेरिका के साथ इन टैरिफ वार्ताओं का समाधान हो जाएगा।

ऐसा कोई कारण नहीं है कि भारत को दुनिया के बाकी देशों से ज्यादा टैरिफ देना पड़े। अगर हम इसे अपने प्रतिस्पर्धियों के बराबर यानी 10% से 20% के बीच ले आते हैं तो भारत के विकास की उम्मीदें फिर से बेहतर होंगी।'

कहा, ठीक-ठाक रफ्तार से बढ़ रहा भारत

राजन ने यह भी जोड़ा कि भारत ठीक-ठाक रफ्तार से बढ़ रहा है। लेकिन, टैरिफ की वजह से भारत के विकास पर एक बादल मंडरा रहा है। उन्होंने कहा, 'इसलिए, विदेशी निवेशकों की उम्मीदें बढ़ेंगी, भारत के लिए उम्मीदें और महत्वाकांक्षाएं बढ़ेंगी और जब ऐसा होगा तो भारत बेहतर प्रदर्शन करेगा।

'जब उनसे पूछा गया कि क्या शेयर बाजार लंबी अवधि में बेहतर प्रदर्शन करेगा तो राजन ने कहा, 'मुझे ऐसा लगता है।

यह हमेशा कहना मुश्किल होता है क्योंकि अगर मौजूदा स्तर बहुत ज्यादा है तो भविष्य में बदलाव उतना बड़ा नहीं होगा। लेकिन, भारत वैसा ही विकसित होता है जैसा वादा किया गया है तो ऐसा कोई कारण नहीं है कि भारत का शेयर बाजार पीछे रह जाए। ओवरवैल्यूएशन (ज्यादा मूल्यांकन) और अंडरवैल्यूएशन (कम मूल्यांकन) के दौर आएंगे। लेकिन, आप लंबे समय तक बने रहते हैं तो आपको पर्याप्त रिटर्न मिलने की पूरी संभावना है।'

एसबीआई का लक्ष्य: अगले दो साल में वाईओएनओ यूजर्स की संख्या 20 करोड़ करने की तैयारी, चेयरमैन ने बताई योजना

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अगले दो साल में योनो एप उपयोगकर्ता की संख्या को दोगुना करके 20 करोड़ करना है। इसके लिए बैंक वाईओएनओ 2.0 में बड़ा निवेश करेगा, जिसे सोमवार को लॉन्च किया जा रहा है। एसबीआई चेयरमैन सी.एस.शेट्टी ने एक इंटरव्यू में बताया कि वाईओएनओ 2.0 एक बड़ा अपग्रेड है, जिससे ग्राहकों को बेहतर डिजिटल अनुभव मिलेगा। इसके सभी फीचर्स को 6 से 8 महीने में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बैंक के लिए वाईओएनओ 2.0 डिजिटलाइजेशन का मुख्य आधार है। इसमें इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग के लिए एक ही कॉमन कोड इस्तेमाल किया गया है, जिससे सभी डिजिटल चैनलों पर एक समान और आसान अनुभव मिलेगा। इससे एसबीआई को नए प्रोडक्ट और सर्विस जल्दी लॉन्च करने में मदद मिलेगी। शेट्टी ने बताया कि वाईओएनओ 2.0 में ग्राहक जर्नी के लिए कॉमन कोर सिस्टम तैयार किया गया है, जिससे खाता खोलने से लेकर अन्य सभी लेन-देन इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल ऐप और ब्रांच – तीनों माध्यमों पर सहज रूप से किए जा सकेंगे।उन्होंने कहा, "फिलहाल वाईओएनओ पर हमारे करीब 10 करोड़ ग्राहक हैं। हमारा लक्ष्य मोबाइल और इंटरनेट बैंकिंग के जरिए 20 करोड़ ग्राहकों को जोड़ने का है। इसके लिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़े स्तर पर निवेश किया जा रहा है।"

दैनिक पंचांग

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-42
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 16-40
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - पौष कृष्ण पक्ष सोमवार 15 Dec
तिथि - एकादशी 21-20 तक उपरान्त द्वादशी
नक्षत्र - चित्रा 11-08 तक उप स्वाति
योग - शोभन 12-29 तक उप अतिगण्ड
करण - बव 08-03 तक बालुव
सफला एकादशी व्रत सर्वे
धनुष्य अर्क शुक्र अस्त रात्रि

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 08-03 09-26

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
अमृत	06-42 - 08-03 शुभ	चंचल	17-40 - 19-20 शुभ
काल	08-03 - 09-26 अशुभ	रोग	19-20 - 20-57 अशुभ
शुभ	09-26 - 10-48 शुभ	काल	20-57 - 22-35 अशुभ
रोग	10-48 - 12-11 अशुभ	लाभ	22-35 - 00-12 शुभ
उत्पात	12-11 - 13-34 अशुभ	उत्पात	00-12 - 01-49 अशुभ
चंचल	13-34 - 14-57 शुभ	शुभ	01-49 - 03-26 शुभ
लाभ	14-57 - 16-20 शुभ	अमृत	03-26 - 05-03 शुभ
अमृत	16-20 - 17-40 शुभ	चंचल	05-03 - 06-42 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले,लो, अ,

आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है । आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो

आप हंसी-मजाक के मूड में हैं । अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है । आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ ।अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा । मछली खाते हुए सावधान रहें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,

आज आप किसी भी ,अच्छे-बुरे तरीके से अपना लक्ष्य पा लेने के मूड में हैं ।काफी समय तक हाशिये पर रहने के बाद आपको आज अपने ग्रहों की बदौलत काफी आत्मविश्वास का अनुभव होगा । आप अपनी मानसिक प्रवृति के आधार पर फैसले ले सकते हैं,यकीन मानिए वे सही ही साबित होंगें ।

कर्क ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आप अन्दर से डरे हुए से हैं । यह जान लें कि इन मुद्दों से घबराने की जरूरत नही है। इन वर्तमान समस्याओं के कई कारण हैं और इनके लिए दूसरे जिम्मेदार हैं,आप नहीं । ये छोटी बातें जल्दी ही सुलझ जायेंगी ।अपने आपको राहत देने के लिए किसी मनोरंजक कार्यकलाप की योजना बनाएं ।

सिंह मा, मी ,मू,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी ,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते । हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी। आज का दिन आपकी जीवनशैली में कुछ अपेक्षित बदलाव करने के लिए एकदम उपयुक्त है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज का दिन आपके लिए विशेष हो सकता है । आपके दृष्टिकोण में आज कोई नया आयाम जुड़ेगा या आप किसी अपरिचित व्यक्ति के दृष्टिकोण से अत्यधिक प्रभावित होंगे । आपको यह सीख मिलेगी कि अपना भविष्य तय करने में तथा अपनी जिंदगी में फिलहाल चल रही समस्या से जूझने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आप०को ही निभानी है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी । आप आज तर्क के स्थान पर अपने दिल की आवाज और प्रवृति के आधार पर फैसले कर सकते हैं,लेकिन वे भी वित्त के मामले में लाभकारी ही साबित होंगे ।आप इन दिनों फैसले लेने में सबसे अधिक महत्ता अपने मन की आवाज को देते हैं।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यु,

आपको दोस्तों का प्यार पाने के लिए थोडा नम्र बनना पड़ेगा ।आप यह नही जानते लेकिन आपको घमंडी समझा जाता है इसीलिए यह सबसे अच्छा समय है कि आप दूसरों की आलोचना करने के स्थान पर अपनी भूतकाल की गतिविधियों का विश्लेष्ण करें । यह आपके लिए अपने अंतर्मन में झाँकने का बहुत अच्छा समय है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए बहुत कम साधन उपलब्ध होंगें और इससे आपके काम में बाधा पहुचेगी । इससे परेशान न हों,आपको दिन के अंत तक अपनी पसंद का काम और साधन दोनों ही मिल जायेंगे । आप प्रकृति से ही मेहनती हैं और आप जिम्मेदारियों के साथ साथ स्वतंत्रता का भी आनंद लेंगे ।

मकर भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा । पहचान और इज्जत भी मिलेगी । वित्तीय स्थिति बेहतर होगी,ऑफिस में तारीफ़ मिलेगी । वेतन में बढ़ोतरी भी संभव है ।सेल्स क्षेत्र वाले लोग भी लक्ष्य हासिल क्र पायेंगे । आज अपने परिधान में नीला रंग शामिल करें । इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी ।

कुंभ गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

एकरसता आपको अच्छी न लगती ।इससे आप बोर अनुभव करते हैं ।आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे ।अपनी दिनचर्या बदलें । इसमें फिटनेस को जगह दें । किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं । आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगें । ऑफिस में नयी पहचान बनेगी ।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज सब कुछ आपके मनचाहे तरीके से होगा और आपको अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी । आप पुराने नुक्सान की भरपाई भी कर लेंगे । इसके परिणामस्वरूप आप अपनी संभावनाओं के प्रति अधिक आशावादी भी हो सकते हैं ,किसी भी अवसर के बारे में गहरे से सोचे बिना जोखिम ना उठायें । असावधान रहेंगे तो किसी से मुठभेड़ हो सकती है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

केन्द्र सरकार ने छत्तीसगढ़ को दी बड़ी सौगात

राज्य में 513 नए 4जी टावर स्थापित करने की मंजूरी

रायपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ को केन्द्र सरकार से बड़ी सौगात मिली है। केंद्र सरकार ने डिजिटल भारत निधि के तहत राज्य में 513 नए 4जी मोबाइल टावर स्थापित करने की मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्र सरकार के इस निर्णय का स्वागत किया। उन्होंने इसे नक्सल प्रभावित और दूर-दराज के क्षेत्रों में शांति बहाली, सुरक्षा और विकास के साझा प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण पहल बताई है।

इंटरनेट से जुड़ सकेंगे गांव

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा, "यह निर्णय नक्सल उन्मूलन की दिशा में जारी प्रभावी प्रयासों की एक मजबूत कड़ी है। सुरक्षा बलों की सतत कार्रवाई और प्रशासनिक समन्वय से जिन क्षेत्रों में स्थायित्व स्थापित हुआ है, वहां अब विकास और डिजिटल कनेक्टिविटी का विस्तार सुनिश्चित किया जा रहा है।" उन्होंने कहा, "इन 4जी मोबाइल टावर की स्थापना से सुदूर और दुर्गम इलाकों में रहने वाली जनता को पहली बार सुलभ तथा विश्वसनीय मोबाइल एवं इंटरनेट सेवाएं हासिल होंगी। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, प्रशासनिक सेवा और आपातकालीन संचार की सुविधा सशक्त होगी।"

मील का पत्थर साबित होगा

सीएम साय ने कहा कि डिजिटल कनेक्टिविटी का यह विस्तार वित्तीय समावेशन की दिशा में भी मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि मोबाइल नेटवर्क के सशक्त होने से बैंकिंग सेवाएं, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, यूपीआई, बीमा, पेंशन और अन्य डिजिटल सेवाओं की पहुंच आम नागरिकों तक सहज रूप से सुनिश्चित हो सकेगी। मुख्यमंत्री कहा, "यह पहल 'डिजिटल इंडिया' के उस मूल उद्देश्य को साकार करती है, जिसमें अंतिम छोर तक विकास पहुंचाने का संकल्प निहित है। इससे स्थानीय युवाओं को डिजिटल माध्यमों से नये अवसर मिलेंगे और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।"

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा नक्सल प्रभावित राज्यों के लिए सुरक्षा के साथ-साथ विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार भी इस दृष्टिकोण के अनुरूप केंद्र के साथ मिलकर राज्य के प्रत्येक नागरिक को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

मंत्री का जताया आभार

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ की जनता की ओर से प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रति हार्दिक आभार जताया और कहा कि यह निर्णय छत्तीसगढ़ को डिजिटल रूप से सशक्त, सुरक्षित एवं समावेशी बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

नक्सलियों की शामत, बीजापुर के जंगल में विस्फोटक और हथियार छुपाकर भागे थे, जवानों ने खोदकर निकाल लिए

रायपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। बीजापुर जिले के जंगलों में सुरक्षा बलों को नक्सलियों के छिपाए हथियार और विस्फोटक मिले हैं। मुखबिर की सूचना पर सीआरपीएफ 85 बटालियन के जवानों ने यह बड़ी कार्रवाई की है। इलाके में नक्सलियों पर लगातार दबाव बना हुआ है, जिसके चलते वे अपने हथियार और विस्फोटक छिपा रहे थे।

सीक्रेट मिशन पर निकले थे जवान

यह घटना गंगालूर थानाक्षेत्र के हिरोली मर्रेपारा के पास जंगल में हुई। सीआरपीएफ के जवानों को गुप्त सूचना मिली थी कि नक्सलियों ने यहां भारी मात्रा में विस्फोटक और हथियार छिपा रखे हैं। सूचना मिलते ही जवान मौके पर पहुंचे और तलाशी अभियान चलाया। इस तलाशी में जवानों को नक्सलियों द्वारा छिपाए गए हथियार, वायरलेस सेट, जिंदा कारतूस और विस्फोटक मिले, जिन्हें उन्होंने बरामद कर लिया है।

31 मार्च 2026 तक करेंगे खात्मा

पुलिस और सुरक्षा बल 31 मार्च 2026 तक नक्सलियों के खात्मे के ऐलान के तहत लगातार इलाके में सर्चिंग अभियान चला रहे हैं। नक्सलियों के खिलाफ यह ऑपरेशन जारी है, जिसमें उनकी गिरफ्तारी, एनकाउंटर और सरेंडर की घटनाएं लगातार हो रही हैं। इसी कड़ी में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के छिपाए हुए विस्फोटक भी बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नक्सलियों के खिलाफ यह अभियान और कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

बस्तर को विकसित करने का लक्ष्य

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रायपुर में कहा कि बस्तर अगले पांच सालों में देश का सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्र बनेगा। उन्होंने यह भी दोहराया कि नक्सलवाद 31 मार्च 2026 तक पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा। शाह ने यह बात जगदलपुर में बस्तर ओलंपिक्स 2025 के समापन समारोह में कही।

इस समारोह में कई सरेंडर कर चुके माओवादी और नक्सली हिंसा के पीड़ितों के परिजन भी शामिल हुए।

संताल परगना में मानव तस्करी गंभीर सामाजिक समस्या

झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने जताई चिंता

रांची, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक तरलोक सिंह चौहान ने संताल परगना क्षेत्र में मानव तस्करी को गंभीर सामाजिक समस्या बताते हुए चिंता व्यक्त की। मुख्य न्यायाधीश ने यह बात राज्य भर में एकसाथ आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के उद्घाटन अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा चुनौतीपूर्ण है और बाल श्रम को रोकना एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है।

चौहान ने चुड़ैल-सिद्धांत या जादू-टोना जैसी कुप्रथाओं को सामाजिक अभिशाप बताते हुए जागरूकता और कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि न्याय केवल अदालतों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि आम नागरिकों के जीवन में इसका अनुभव होना चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, "कानूनी सेवाओं और सशक्तिकरण शिविरों के माध्यम से न्यायपालिका समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का प्रयास कर रही है, ताकि प्रत्येक नागरिक को समानता, गरिमा और न्याय सुनिश्चित हो। लोक अदालत, कानूनी सहायता और सुलह जैसी व्यवस्थाएं केवल विवादों का समाधान नहीं करती, बल्कि सामाजिक समरसता और आपसी विश्वास को भी मजबूत बनाती हैं और कानूनी सेवाओं को टकरावपूर्ण से सहयोगात्मक बनाती हैं।"

उन्होंने यह भी कहा कि कानूनी सेवाएं अब केवल मुफ्त कानूनी सहायता तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि यह नागरिकों के व्यापक सशक्तिकरण का एक साधन बन गई हैं। इसके साथ ही, न्यायालय ने एक लीगल एड क्लिनिक द्वारा प्रस्तुत किए गए लघु फिल्म को भी सराहा, जिससे आम लोगों की समस्याओं, संघर्ष और आकांक्षाओं को उजागर करते हुए कानूनी जागरूकता बढ़ती है।

रांची के झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्यकारी अध्यक्ष न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद ने कहा कि आज भी महिलाएं और समाज के कमजोर वर्ग अंधविश्वास के चलते चुड़ैलों के रूप में हिंसा का शिकार होते हैं। उन्होंने कहा, "चुड़ैल जैसी कोई चीज़ नहीं है। ऐसे विश्वास अज्ञानता और भ्रांति का परिणाम हैं।"

कार्यक्रम में लाभार्थियों को कानूनी जागरूकता प्रदान की गई और विभिन्न सरकारी कल्याण योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही विभिन्न राज्य सरकार विभागों द्वारा स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, पहचान पत्र और आजीविका से संबंधित सेवाओं के स्टॉल लगाकर मौके पर ही सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

बिना सूचना बस में सवार होकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का औचक निरीक्षण, हकीकत खुद देखी रांची की

रांची, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बिना किसी पूर्व सूचना के बस में सवार होकर राजधानी रांची की शहरी व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री आम यात्रियों के बीच मौजूद रहे और शहर की भीड़भाड़ वाली सड़कों पर उनकी गाड़ी चलती रही, लेकिन किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी।

इस निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने शहर की यातायात व्यवस्था, सड़कों की स्थिति, साफ-सफाई, पैदल यात्रियों की सुविधाओं और सार्वजनिक स्थलों पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। इस औचक निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य शहरी व्यवस्था की वास्तविक स्थिति को समझना और आम नागरिकों को होने वाली समस्याओं को प्रत्यक्ष रूप से देखना था।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शहरी विकास से जुड़ी सभी योजनाओं को केवल कागजों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि आम लोगों को बेहतर आवागमन, स्वच्छ वातावरण और सुरक्षित जीवन सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सड़क मरम्मत, जलनिकासी, ट्रैफिक प्रबंधन और साफ-सफाई जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने इस निरीक्षण से जुड़ी तस्वीरें अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा करते हुए लिखा कि झारखंड सरकार राज्य के प्रत्येक शहर को रहने योग्य, सुरक्षित और आधुनिक बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि शहरी विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचना चाहिए, ताकि नागरिक सम्मान के साथ बेहतर जीवन जी सकें।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने यह भी कहा कि प्रशासन को संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करना होगा। सरकार आम जनता की समस्याओं को लेकर पूरी तरह सजग और प्रतिबद्ध है। इस औचक निरीक्षण के दौरान रांची के उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री, नगर प्रशासक सुशांत गौरव सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में अवैध धान परिवहन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, लाखों का धान जब्त

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में प्रशासन ने अवैध धान परिवहन के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। उड़नदस्ता टीम ने मध्यप्रदेश से अवैध रूप से धान लेकर आ रहे दो पिकअप वाहनों को पीछा कर पकड़ा। इन वाहनों से कुल 96 बोरी धान, जिसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 86 हजार रुपये है, जब्त किया गया है। जिले में धान खरीदी सुचारू रूप से चल रही है, लेकिन इसी बीच अवैध धान परिवहन की सूचना मिलने पर प्रशासन हरकत में आया। उड़नदस्ता टीम ने लाटा से जोगीसार रोड पर लगभग 10 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद दो पिकअप वाहनों को रोका। प्रारंभिक जांच में पता चला कि दोनों वाहनों में बिना किसी वैध दस्तावेज के धान का परिवहन किया जा रहा था। एक पिकअप वाहन में लगभग 30.00 क्विंटल (48 बोरी) धान लोड था, जिसकी कीमत लगभग 93 हजार रुपये आंकी गई। वहीं, दूसरे वाहन भी समान मात्रा में, यानी 30.00 क्विंटल (48 बोरी) धान था, जिसकी कीमत भी लगभग 93 हजार रुपये बताई गई। इस प्रकार, दोनों वाहनों से कुल 96 बोरी धान जब्त किया गया, जिसका कुल मूल्य लगभग 1 लाख 86 हजार रुपये है।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि धान को ग्राम लाटा, पेंड्रा क्षेत्र में बिना किसी वैध अनुमति या दस्तावेज के लाया जा रहा था। प्रशासन ने तत्काल दोनों वाहनों और उनमें लदे धान को जब्त कर लिया है। जब्त धान को सुरक्षा की दृष्टि से रक्षित आरक्षी केंद्र अमरपुर, पेंड्रा की अभिरक्षा में सौंप दिया गया है।

महिला टीचर के साथ मारपीट का वीडियो वायरल, केस दर्ज

साहिबगंज, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। बोरियो प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय छोटा वियांसी की प्रधान शिक्षिका रेखा कुमारी के साथ मारपीट का वीडियो वायरल हो गया। आरोप स्कूल के पास ही रहने वाली एक महिला संझली टुडू पर है। उस पर मारपीट और छिनतई करने का गंभीर मामला दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया गया है। घटना के संबंध में प्रधान शिक्षिका रेखा कुमारी ने बोरियो थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। रेखा कुमारी ने बताया कि वो अपने कार्यरत विद्यालय के आस-पास अनावश्यक झाड़-झुरमुट की साफ सफाई करवा चुकी थी। इसके बाद वो गंदे पानी की निकासी के लिए एक गड्ढा खुदवा रही थी। इसी दौरान गांव के ही एक महिला सांझली टुडू, पति नारायण हेंब्रम ने आकर मारपीट की। फिर उसने टीचर के बाल पकड़कर उसे विद्यालय परिसर में ही पटक दिया। उधर बोरियो थाना प्रभारी रोहित कुमार सिंह ने बताया कि थाना कांड संख्या 101/25 दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। वहीं मौके पर शिक्षक रवि कुमार, इनामुल हक, संतोष कुमार, मुख्तार आलम, मुजफ्फर अंसारी, मायाशंकर महतो सहित भी पहुंचे थे।

जांजगीर-चांपा में तेज रफ्तार ई-रिक्शा पलटी: नौ लोग थे सवार, एक शख्स की मौत, घायलों का इलाज जारी

जांजगीर-चांपा, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। चांपा रेल्वे स्टेशन से 9 सवारी लेकर जा रही तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर ग्राम करनौद में सड़क के किनारे जा पलटी। हादसे में सभी यात्रियों को चोट आई है। वहीं, एक व्यक्ति की मौत हुई है। घायलों का बम्हनीडीह स्वास्थ्य केंद्र में उपचार जारी है। घटना बिर्रा थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी अनुसार, रविवार की सुबह करीबन 5 बजे चांपा रेलवे स्टेशन से ऑटो चालक ने अपनी ऑटो में क्षमता से ज्यादा 9 सवारीयों को लेकर निकला था। ऑटो की रफ्तार तेज होने से चालक ने नियंत्रण खो दिया और ग्राम करनौद में सड़क के किनारे जा पलटी, जिससे ऑटो में सवार सभी यात्री सड़क पर जा गिरे।

राहगीरों ने घटना को देखा और स्थानीय लोगों ने 108 की मदद से सभी घायलों को उपचार के लिए बम्हनीडीह के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इलाज के लिए भेजा गया। जिसमें एक व्यक्ति को डॉक्टर ने जांच उपरांत मृत घोषित किया है। जिसकी पहचान घासी राम खूंटे 45 वर्ष के रूप में हुई है। वहीं, घायलों का उपचार किया गया।

मृतक घासीराम खूंटे की पत्नी ने बताया कि वे हैदराबाद में रहकर रोजी मजदूरी का काम करते हैं। आज सुबह चांपा रेलवे स्टेशन से अपने गांव कुरदा जाने के लिए ऑटो में बैठे थे। तब जाते समय ऑटो पलट गई। हादसे में पति की जान चली गई। एसडीओपी यदुमणि सिदार ने बताया कि घायल घासी राम खूंटे की मौत हुई है।

लोन दिलाने के नाम पर व्यवसायियों से लाखों की ठगी

रांची से बंटी-बबली गिरफ्तार

रांची, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी रांची में रहकर एक दंपती बंटी-बबली की तर्ज पर शहर के कारोबारियों को लोन देने के नाम पर लाखों का चूना लगा रहा था. शिकायत के आधार पर रांची पुलिस ने पति-पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है. दोनों ठग पति-पत्नी की तलाश ओडिशा पुलिस को भी थी.

रांची के कांके पुलिस ने एक इंटरस्टेस्ट ठगी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए एक दंपती को गिरफ्तार किया है. दोनों के निशाने पर बड़े व्यवसायी होते थे, जिन्हें ये कम ब्याज और कम प्रोसेसिंग फीस पर बड़े अमाउंट के लोन दिलाने का वादा करते थे और मोटी रकम ऐंठ लेते थे. इस बंटी और बबली के द्वारा रांची के कांके थाना क्षेत्र में 70 लाख की ठगी की गई थी, जिसके बाद ठग दंपती शिवाजी पाटिल और एंजेला कुजूर को गिरफ्तार किया गया. दरअसल, रामगढ़ जिले के व्यवसायी सरोजकांत झा को एंजेला कुजूर और शिवाजी पाटिल उर्फ अमित महतो ने अपने झांसे में लिया था और 74 लाख की ठगी की थी. सरोजकांत झा ने रांची के कांके थाना में एफआईआर दर्ज करायी थी. शिकायत के अनुसार, एंजेला कुजूर और शिवाजी पाटिल ने व्यवसायी को कम ब्याज पर लोन दिलाने की बात कही थी. इसके एवज में व्यवसायी से 74 लाख रुपए भी ऐंठ लिए थे. वहीं लोन न मिलने पर एक जमीन को फर्जी तरीके से एग्रीमेंट कर दिया गया, जबकि वो जमीन भी ठग दंपती की नहीं थी. जब दोनों पति-पत्नी को गिरफ्तार किया गया, तब यह जानकारी मिली कि उन्होंने कई कारोबारी को लोन दिलाने के नाम पर ठगा है.

रांची के ग्रामीण एसपी प्रवीन पुष्कर ने बताया कि पुलिस की जांच में ये बात भी सामने आई है कि ओडिशा के सुदाम बारीक नामक युवक के साथ काम करने वाले एक व्यवसायी को झांसे में लेकर करीब 42 लख रुपए की ठगी भी दंपती ने की थी. दोनों की तलाश ओडिशा पुलिस को भी थी.

तंत्र-मंत्र के फेर में तीन की गई जान, फंदा कसा तो न कोई तड़पा, न सुनाई दी चीख

कोरबा, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। बैगा ने लक्ष्मण रेखा खींच दी थी और कह दिया था कि बाहर खड़े लोग इसे लांघ कर अंदर न आएं, नहीं तो अनर्थ हो जाएगा। इसी आशंका में लोग बाहर खडे.रहे और एक-एक कर बैगा कमरे के अंदर बुलाकर मौत का खेल खेलता रहा। पुलिस ने तंत्र-मंत्र करने वाले चार लोगों के साथ दो लोगों को भी आरोपित बनाया है, जिन्होंने इस पूरी प्रक्रिया को करने के लिए उकसाया।

पुलिस मामले को सुलझा लेने का दावा कर रही है, पर गला घोटे जाने के दौरान निकलने वाली चीख बाहर खड़े किसी व्यक्ति क्यों नहीं सुनी और ना ही फंदा कसे जाने पर किसी ने प्रतिरोध किया। इस रहस्य का पता अब तक नहीं चल सका है। तंत्र-मंत्र की वजह से कबाड़ व्यवसायी अशरफ मेमन, दूध व्यवसायी सुरेश साहू तथा बिलासपुर में वाहन चलाने वाले नीतेश राठौर की हुई रहस्यमय मौत के मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतिश ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि बिलासपुर में रहने वाले बैगा आशीष दास (24 वर्ष) निवासी कमल बिहार के साथ राजेंद्र जोगी (70 वर्ष) निवासी जरहाभाठा, केशव सूर्यवंशी (55 वर्ष) निवासी गोकुलधाम सकरी, व अश्वनी कुर्रे (42 वर्ष) निवासी अमेरी एक साथ तीन बाइक में कोरबा के कुदरी स्थित स्क्रैप यॉर्ड पहुंचे। इससे पहले बुधवारी बाजार कोरबा में नींबू खरीदा। जबकि नॉयलोन की रस्सी लोरमी से खरीद कर लाए थे।

एक-एक कर अंदर बुलाता गया

सीपत थाना के मोदर गांव निवासी संजय साहू (46 वर्ष) और भागवत महंत (48 वर्ष) निवासी मुड़ापार बाद में बाइक में यॉर्ड तक पहुंचे। कार में सुरेश साहू, अशरफ मेमन उसके दो पुत्र, भांजा व चालक आए। यॉर्ड के अंदर एक कमरे में बैगा आशीष ने लकड़ी से एक घेरा खींच दिया था और कहा था, मेरी इजाजत के बगैर इसके अंदर कोई नहीं आएगा। एक-एक कर अंदर बुलाता गया और फंदा डाल कर मौत की नींद सुला दिया।

कमरे के बाहर निकाली गई रस्सी को बैगा के कहने पर उसके राजेंद्र, केशव एवं अश्वनी एक साथ पूरी ताकत लगा कर खींचते थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ठाकुर ने बताया, फंदा कसने पर किसी तरह की कोई चीख तांत्रिक के कमरे से बाहर नहीं सुनाई दी। वहां खड़े सभी लोगों का बयान दर्ज किया गया है पर किसी ने भी अंदर से किसी तरह की कोई गतिविधि की जानकारी नहीं होने की बात कही है। अब ऐसे में सवाल उठता है कि क्या बैगा ने हाथ की नस में इंजेक्शन लगाकर बेहोश कर दिया था। इसका जवाब अभी पुलिस के पास नहीं है।

विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही इन तथ्यों से पर्दा उठ सकेगा। यहां बताना होगा कि अशरफ के भाई इमरान मेमन ने हाथ के पास इंजेक्शन लगाने का निशान मिलने की बात कही है। इससे बेहोश करने के बाद तंत्र क्रिया की बात को अब बल मिल गया है।

आरोपित राजेंद्र का बिलासपुर में मेडिकल स्टोर है। यहां केशव सूर्यवंशी व अश्वनी कुर्रे का आना-जाना था।पिछले चार साल से तीनों हंडा की खोज में थे। इस बीच अश्वनी ने तंत्र- मंत्र में माहिर आशीष दास की जानकारी दी। महज 24 साल के इस कथित बैगा ने सबको अपने झांसे में ले लिया और पांच लाख रुपये को ढाई गुना करने के फेर में तीन लोगों की जान ले ली।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि बैगा गिरोह की रुपये लेकर भाग जाने की योजना थी। पहले यह बात सामने आई थी कि दूध व्यवसायी सुरेश साहू ने पांच लाख रुपये तंत्र-मंत्र के लिए निकाले थे पर जांच के बाद यह स्पष्ट हुआ था कि साहू ने केवल एक लाख रुपये दिए थे। शेष चार लाख रुपये अशरफ ने दिया था।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ठाकुर ने बताया कि बैगा गिरोह का उद्देश्य रुपये लूटकर भागने का था। तीन लोगों पर तंत्र क्रिया करने के बाद वहां मौजूद लोगों को अंदर बुलाया पर वे विरोध पर उतर गए। साथ ही काफी समय बाद मूर्छित लोगों के होश में नहीं आने पर विवाद हो गया। नहीं तो और भी लोगों की जान इस घटना में जा सकती थी।

जेएनवी की प्रवेश परीक्षा विवादों में

गलत तरीके से एग्जाम में शामिल हुए कई छात्र, जांच शुरू

लोहरदगा, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय के कक्षा 6 की प्रवेश परीक्षा में फर्जी तरीके से कई विद्यार्थियों के शामिल होने का मामला सामने आया है. इसकी शिकायत जिला प्रशासन को भी मिली है. जिसके बाद जिला प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है. इस तरह का मामला सामने आने के बाद संबंधित स्कूल प्रबंधन भी हैरान है. महत्वपूर्ण बात है कि जिन विद्यार्थियों के बारे में फर्जी तरीके से प्रवेश परीक्षा को लेकर शामिल होने की बात कही जा रही है उन विद्यार्थियों का कोई भी डाटा संबंधित स्कूलों में नहीं है.

लोहरदगा के पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में फर्जी तरीके से विद्यार्थियों के शामिल होने का खुलासा तब हुआ, जब एडमिट कार्ड वितरण के लिए संबंधित स्कूलों को निर्देश प्राप्त हुए. प्रधानाध्यापकों से कहा गया कि वह एडमिट कार्ड विद्यार्थियों के घर तक पहुंचा दें. जब स्कूल के प्रधानाध्यापकों ने देखा कि जो सूची और एडमिट कार्ड उन्हें दी गई है, वह विद्यार्थी उनके विद्यालय के नहीं हैं, तब वह हैरान रह गए.

मामले में उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय अरकोसा नवा टोली के प्रधानाध्यापक ने मामले की लिखित शिकायत जिला शिक्षा पदाधिकारी से की है. प्रारंभिक रूप से उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय अरकोसा नवा टोली में चार और उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय गुड़ी फुदकी टोली कैरो में चार विद्यार्थियों द्वारा फर्जी तरीके से पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में उपरोक्त विद्यालय में नामांकन दर्शाते हुए आवेदन करने और परीक्षा में शामिल होने की बात सामने आई है.

शिकायत मिलते ही जिला प्रशासन हरकत में आ गया है. इस मामले को लेकर डीसी ने जिला शिक्षा पदाधिकारी दास सुनंदा चंद्रमौलेश्वर को जांच का निर्देश दिया है. आशंका जताई जा रही है कि प्रारंभिक रूप से जब आठ विद्यार्थियों के नाम सामने आ चुके हैं, तो गहन जांच में काफी ज्यादा ऐसे मामले प्रकाश में आ सकते हैं. जिला प्रशासन मामले की जांच में जुट गया है.गड़बड़ी की आशंका से ही हड़कंप मचा हुआ है. एक बड़े रैकेट की संलिप्तता की चर्चा है.

मासूम अनिका के लिए पैसा जुटाने में लगा परिवार

इंदौर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। इंदौर की ढाई साल की मासूम अनिका एक दुर्लभ बीमारी से जूझ रही है, जिसका इलाज भारत में उपलब्ध नहीं है। इस बीमारी से बचाने के लिए अमेरिका से 9 करोड़ रुपए का इंजेक्शन मंगवाना जरूरी है।माता-पिता बेटी की जान बचाने के लिए क्राउड फंडिंग के जरिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। अब तक करीब सवा दो करोड़ रुपए जुटाए जा चुके हैं, लेकिन रास्ता अभी लंबा है। इंदौर के द्वारकापुरी इलाके में रहने वाले प्रवीण शर्मा और उनकी पत्नी सारिका शर्मा अपनी 2 साल 11 महीने की बेटी अनिका के इलाज के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं।

परिवार के सदस्य कलेक्टर की जनसुनवाई से लेकर धार्मिक आयोजनों और सार्वजनिक कार्यक्रमों तक फंड जुटाने में लगे हुए हैं। अनिका एक दुर्लभ बीमारी से पीड़ित है, जो 10 से 12 लाख बच्चों में किसी एक को होती है।इस बीमारी में बच्चे की मांसपेशियां और कोशिकाएं धीरे-धीरे कमजोर होने लगती हैं। बच्चा न बैठ पाता है, न चल पाता है और समय के साथ हाथ-पैर तक हिलाने में असमर्थ हो जाता है। देश में अब तक इस बीमारी के करीब 17 मामले सामने आए हैं।

सुधार गृह से बाहर आते ही युवक पर किया चाकू से हमला, कैमरे में कैद हुई घटना

भोपाल, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल में आए दिन बदमाश कानून-व्यवस्था को धता बताते हुए संगीन वारदातों को अंजाम देते आ रहे हैं। ताजा मामला शहर के मुख्य थाने अरेरा हिल्स के भीम नगर का है। यहां एक नाबालिग बदमाश दो दिन पहले ही सुधार गृह से बाहर आया था। बाहर आने के बाद उसने एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। आरोपी के साथ और युवक भी था। भीड़ जब आरोपियों को दबोचने के लिए आगे बढ़ी तो आरोपी चाकू लहराते हुए मौके से फरार हो गए। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। अरेरा हिल्स थाना पुलिस के अनुसार दानिश खान पिता असलम खान (22) निवासी भीम नगर में रहता है और प्राइवेट कार्य करता है।

एम्स की डॉक्टर को मिला था 'सीरियस मिसकंडक्ट' नोटिस

भोपाल, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। एम्स भोपाल के ट्रॉमा और इमरजेंसी मेडिसिन विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ। रश्मि वर्मा का मामला अब सिर्फ एक मेडिकल इमरजेंसी नहीं, बल्कि संस्थान के भीतर के प्रशासनिक दबाव, कार्यसंस्कृति और विभागीय खींचतान पर भी सवाल खड़े कर रहा है। डॉ। रश्मि ने ड्यूटी के बाद घर पर जहरीला इंजेक्शन लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया, जिसके बाद से वे एम्स में वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं।

डॉ। रश्मि वर्मा को 10 सितंबर 2025 की शाम करीब 5 बजे "सीरियस मिसकंडक्ट" शीर्षक वाला नोटिस दिया गया था। इसी नोटिस के बाद वे मानसिक रूप से बेहद परेशान बताई जा रही हैं। नोटिस और उससे जुड़े दस्तावेज सामने आने के बाद यह बहस तेज हो गई है कि क्या यह केवल प्रशासनिक कार्रवाई थी या इसके पीछे विभागीय राजनीति भी है। डॉ. रश्मि ने अपने लिखित जवाब में कहा कि इस तरह की भाषा वाला नोटिस पीड़ादायक, अपमानजनक और मानसिक रूप से झकझोरने वाला था। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी जानबूझकर नियमों का उल्लंघन नहीं किया और नोटिस के बाद वे गहरे तनाव में चली गईं।

मेक्सिको ने लगाया एकतरफा 50% टैरिफ

भारत अपने निर्यातकों के हित में उठाएगा 'उचित कदम'

मेक्सिको, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। मेक्सिको के कई उत्पादों पर एकतरफा तरीके से शुल्क बढ़ाने के फैसले को लेकर भारत उसके साथ संपर्क में है, ताकि पारस्परिक रूप से लाभकारी समाधान निकाला जा सके। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। साथ ही नई दिल्ली ने अपने निर्यातकों के हितों की रक्षा के लिए उचित कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखा है। इन शुल्क की घोषणा उन देशों के खिलाफ की गई है, जिनका मेक्सिको के साथ मुक्त व्यापार समझौता नहीं है।

इनमें भारत, चीन, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया शामिल हैं। मेक्सिको सिटी अधिकारी ने कहा कि इस संबंध में विधेयक पेश किए जाने के शुरुआती चरण से ही भारत मेक्सिको के साथ संवाद में था। मेक्सिको स्थित भारतीय दूतावास ने 30 सितंबर 2025 को मेक्सिको के आर्थिक मंत्रालय के सामने यह मुद्दा उठाया था और भारतीय निर्यात को

नए शुल्कों से बचाने के लिए विशेष रियायतों की मांग की थी। अधिकारी ने कहा कि भारत मेक्सिको के साथ अपनी साझेदारी को महत्व देता है और दोनों देशों के व्यवसायों और उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाने वाले स्थिर एवं संतुलित व्यापारिक माहौल की दिशा में सहयोग के लिए पूरी तरह तैयार है।

इसके अलावा दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने पर भी विचार कर रहे हैं और औपचारिक वार्ता शुरू करने के लिए संदर्भ शर्तों (टीओआर) को जल्द अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह व्यापार समझौता भारतीय कंपनियों को इन शुल्कों से बचाने में मदद करेगा, ये शुल्क अमेरिका के दबाव में लगाए गए हैं, ताकि चीन के खिलाफ शुल्क बढ़ाने के मामले में अमेरिका के साथ तालमेल किया जा सके। मेक्सिको की सीनेट ने 11 दिसंबर 2025 को नए शुल्क उपाय को मंजूरी दी थी, जिसे बाद में संसद के दोनों सदनों से भी स्वीकृति मिल गई। इसका उद्देश्य विनिर्माण को बढ़ावा देना और व्यापार असंतुलन को कम करना है।

इस फैसले के तहत, मेक्सिको उन देशों से आने वाले व्यापक श्रेणी के उत्पादों (करीब 1,463 शुल्क लाइनों) पर लगभग पांच प्रतिशत से लेकर 50 प्रतिशत तक का ऊंचा आयात शुल्क लगाएगा, जिनका उसके साथ मुक्त व्यापार समझौता नहीं है। इनमें भारत, चीन, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया शामिल हैं हालांकि जिन वस्तुओं को इसके दायरे में लाया जाएगा, उनकी सूची अभी आधिकारिक रूप से जारी नहीं की गई है। ये बढ़े हुए शुल्क एक जनवरी 2026 से प्रभावी होंगे।

इस संबंध में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल और मेक्सिको के उप-आर्थिक मंत्री लुइस रोजेंडो के बीच उच्चस्तरीय बैठक पहले ही हो चुकी है और आगे तकनीकी स्तर की बैठकों की उम्मीद है।

गिरती जनसंख्या से चिंता में चीन

अब गर्भ निरोधक उत्पादों पर लगाएगा टैक्स

बीजिंग, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। गिरती जनसंख्या से चिंतित चीन गर्भ निरोधक उत्पादों पर टैक्स लगाएगा। यह कदम उन्हें अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के उठाया जा रहा है। चीन ने दशकों से परिवारों को एक बच्चे तक सीमित रखा है। तीन दशकों में पहली बार होगा जब गर्भ निरोधक उत्पादों पर पर मूल्य वर्धित कर (वैल्यू एडेड टैक्स) वसूला जाएगा। नवीनतम मूल्य वर्धित कर कानून के अनुसार, एक जनवरी से ये उत्पाद कर-मुक्त नहीं होंगे। कंडोम जैसे उत्पादों पर 13 प्रतिशत मूल्य वर्धित कर लागू होगा।जानकारी सामने आने के साथ ही यह चीनी इंटरनेट मीडिया पर ट्रेंड करने लगा है। कुछ लोगों का कहना है कि जो लोग यह नहीं जानते कि बच्चे का पालन-पोषण करना कंडोम के इस्तेमाल से कहीं अधिक महंगा है, वे मूर्ख ही होंगे, भले ही उन पर कर लग जाए।

विशेषज्ञ गर्भनिरोधकों की बढ़ती लागत के कारण अनियोजित गर्भधारण और यौन संचारित रोगों में संभावित वृद्धि को लेकर चिंता जता रहे हैं। सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी की पूर्व एक-बच्चा नीति लगभग 1980 से 2015 तक लागू रही, जिसमें भारी जुर्माना और अन्य दंड शामिल थे। कभी-कभी जबरन गर्भपात भी कराया जाता था। वर्जीनिया विश्वविद्यालय के जनसांख्यिकी अनुसंधान समूह के निदेशक कियान कै ने कहा, "उच्च प्रजनन दर को प्रोत्साहित करने पर कर का प्रभाव बहुत सीमित होगा। जो दंपति बच्चे नहीं चाहते या अतिरिक्त बच्चे नहीं चाहते, उन्हें गर्भनिरोधकों पर 13 प्रतिशत कर प्रभावित नहीं कर पाएगी। खासकर जब बच्चे के पालन-पोषण की कहीं अधिक लागतों से इसकी तुलना की जाए।"

हिमालय में गुम हुआ सीआईए का परमाणु जनरेटर, चीन की जासूसी करने आए अधिकारी ने छोड़ी थी मशीन

वॉशिंगटन/नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। प्लूटोनियम से भरा एक जनरेटर दुनिया के सबसे ऊंचे पहाड़ों में से एक पर, एक सीक्रेट मिशन के दौरान गायब हो गया, जिसके बारे में अमेरिका आज भी बात नहीं करता। ये मिशन अत्यंत गोपनीय और रहस्यमय थी। इसका मकसद चीन की जासूसी करना था। लेकिन अमेरिकी जासूसों का मिशन नाकाम हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी पर्वतारोहियों की एक टीम, जिसे सीआईए ने उनकी पर्वतारोहण स्किल्स को देखते हुए चुना था, उन्हें इस मिशन के लिए चुना गया था। वो हिमालय के सबसे ऊंचे पहाड़ों में से एक पर चढ़ाई कर रहे थे और इसी दौरान ये हादसा हुआ। ये एक बेहद खतरनाक मिशन था, क्योंकि पर्वतारोहियों के लिए भी हिमालय पर चढ़ना कोई आसान काम नहीं था। कदम कदम पर संकट था। बर्फीली हवाएं उनके शरीर पर चोट कर रही थी और वो नुकीली चोटी पर चढ़ रहे थे। एक गलत कदम, एक छोटी सी चूक और 2,000 फीट नीचे सीधी खाई थी। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, चोटी पर चढ़ाई से पहले अमेरिकियों और उनके भारतीय साथियों ने सब कुछ तैयार कर लिया। एंटीना, केबल और, सबसे जरूरी, स्नैप-19सी, एक पोर्टेबल जनरेटर जिसे एक टॉप-सीक्रेट लैब में डिजाइन किया गया था। ये रेडियोएक्टिव फ्यूल से चलता था, जिसे गहरे समुद्र और बाहरी अंतरिक्ष की खोज के लिए इस्तेमाल किया जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस मिशन के तहत अमेरिकी और भारतीय पर्वतारोहियों की एक संयुक्त टीम को हिमालय की दुर्गम चोटी नंदा देवी पर भेजा गया। वहां एक स्पेशल निगरानी उपकरण लगाया जाना था, जो चीन से आने वाले मिसाइल रेडियो सिग्नल को पकड़ सके।

यूरोपीय संघ ने रूसी संपत्ति फ्रीज की : रूस की धमकी

यह ट्रंप के शांति प्रयासों को विफल करने की कोशिश

मॉस्को, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। यूरोपीय संघ परिषद ने रूस के सेंट्रल बैंक ऑफ रशिया की संपत्ति को रूस वापस भेजने पर कुछ समय के लिए रोक लगाने का फैसला किया। यूरोपीय संघ के इस फैसले से रूस नाराज हो गया है। रूस ने बयान जारी कर कहा है कि रूसी की संपत्ति पर इस तरह से हमला, यूक्रेन शांति समझौते की कोशिशों पर सीधा हमला है। मॉस्को ने कहा कि रूस जल्द ही इसका जवाब देगा। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने एक बयान जारी कर कहा कि यूरोपीय संघ के फैसले का समय दिखाता है कि यूरोपीय संघ, यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने की कोशिशों को कमतर करना चाहता है। यह सीधे तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति की कोशिशों के लिए बड़ा झटका है।

रूस ने कहा, 'ब्रूसेल्स सावधानी से इस

तथ्य को छिपा रहा है कि यूरोप के लोग इन राजनीतिक महत्वकांक्षाओं की कीमत चुकाएंगे। हम जल्द ही इसके खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेंगे।' जब रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता से रूस की जवाबी कार्रवाई को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि बैंक ऑफ रशिया ने इस बारे में विस्तृत जानकारी प्रकाशित की है।

रूस ने यूक्रेन पर किया बड़ा ड्रोन हमला

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने उसके ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर 450 से ज्यादा ड्रोन और 30 मिसाइलों से हमला किया, जिससे कई इलाकों की बिजली और पानी की सप्लाई ठप हो गई। आपाकालीन सेवाएं उसे बहाल करने के लिए लगातार काम कर रही हैं। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया में कहा, रूस ने फिर से यूक्रेन की ऊर्जा अवसंरचना को निशाना बनाया है। दक्षिणी यूक्रेन और ओडिसा क्षेत्र में हुए हमले में दो लोग घायल भी हो गए। उन्होंने कहा, रातभर हुए इन हमलों से एक दर्जन से अधिक नागरिक सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है और हजारों परिवार बिना बिजली के रहने को मजबूर हैं। जिन इलाकों में बिजली गुल हुई है उनमें किरोवोहाद, मायकोलाइव, ओडेसा, सूमी, खार्किव, खेरसॉन और चेर्निहाइव शामिल हैं।

यूक्रेन के ड्रोन हमलों में दो रूसी नागरिकों की मौत

रूसी ड्रोन हमलों के जवाब में यूक्रेन ने भी पलटवार किया। यूक्रेन के ड्रोन्स ने दक्षिण पश्चिम रूस के इलाकों को निशाना बनाया। यूक्रेन के ड्रोन हमले के दो रूसी नागरिकों की मौत हुई है। ये हमले ऐसे समय हुए हैं, जब बर्लिन में अमेरिका, यूक्रेन और जर्मनी के अधिकारी मिलने वाले हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति सोमवार को जर्मनी दौरे पर रहेंगे। इस दौरे पर यूक्रेन शांति समझौते पर चर्चा हो सकती है।

सीरिया में घात लगाकर हमला

2 सैनिकों समेत मारे गए तीन अमेरिकी, ट्रंप बोले- आईएसआईएस को बख्शेंगे नहीं

वॉशिंगटन, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी मध्य कमान ने बताया कि मध्य सीरिया में इस्लामिक स्टेट समूह द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में अमेरिकी सेना के दो जवान और एक अमेरिकी नागरिक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। सीरिया के राष्ट्रपति बशर असद के एक साल पहले सत्ता से हटने के बाद इराक में अमेरिकी सैनिकों पर यह पहला हमला है, जिसमें जनहानि हुई है। मध्य कमान ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि परिवारों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए और युद्ध विभाग की नीति के अनुसार मारे गए जवानों की पहचान तब तक गोपनीय रखी जाएगी जब तक उनके निकटतम संबंधियों को सूचित करने के 24 घंटे पूरे नहीं हो जाते।

'हम इसका बदला जरूर लेंगे'

व्हाइट हाउस से निकलते समय पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यह आईएसआईएस का हमला है और हम इसका बदला जरूर लेंगे। वह इस दौरान आर्मी-नेवी फुटबॉल मैच देखने के लिए बाल्टीमोर रवाना हो रहे थे। ट्रंप ने हमले में मारे गए तीनों अमेरिकियों के प्रति गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि इस हमले में घायल हुए तीन अन्य अमेरिकी फिलहाल ठीक हैं और उनकी हालत में सुधार हो रहा है।

क्या बोले अमेरिकी युद्ध मंत्री?

अमेरिकी युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि जिस वहशी ने यह हमला किया था, उसे पार्टनर फ़ोर्स ने मार गिराया। यह जान लो, अगर तुम अमेरिकियों को निशाना बनाते हो – दुनिया में कहीं भी – तो तुम अपनी छोटी, बेचैन जिंदगी का बाकी हिस्सा यह जानते हुए बिताओगे कि यूनाइटेड स्टेट्स तुम्हें ढूंढेगा, तुम्हें खोज निकालेगा, और तुम्हें बेरहमी से मार डालेगा।

यूनुस पर चौतरफा संकट, देश में बवाल, सूडान में छह बांग्लादेशी सैनिकों की मौत, दक्षिण अफ्रीका से भी आई बुरी खबर

ढाका, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस चौतरफा संकट में घिरे हैं। बांग्लादेश में चुनाव आयोग के दफ्तर को आग के हवाले कर दिया गया। वहीं अब अफ्रीका से दो बेहद चिंताजनक खबरें सामने आई हैं। एक तरफ सूडान में संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन पर आतंकी हमले में बांग्लादेशी सैनिकों की जान गई है, तो दूसरी तरफ साउथ अफ्रीका में अवैध तरीके से पहुंचे बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लेकर देश से बाहर निकालने की तैयारी की जा रही है।

इन दोनों घटनाओं ने एक साथ बांग्लादेश की सरकार और सुरक्षा तंत्र की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सूडान के अशांत अबेई इलाके में संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन यूएनआईएसएफए पर हुए आतंकी हमले में बांग्लादेश के छह सैनिकों की मौत हो गई, बल्कि छह घायल हो गए।

संयुक्त राष्ट्र के कैंप पर यह हमला एक ड्रोन के जरिए किया गया था। बांग्लादेश सेना के मुताबिक यह हमला इतना भीषण था कि इलाके में अब भी हालात पूरी तरह काबू में नहीं आए हैं और आतंकियों के साथ झड़प जारी है। सेना ने बताया कि घायल जवानों को निकालने और इलाज के लिए हरसंभव कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन क्षेत्र में न तो मजबूत प्रशासन है, न पुलिस व्यवस्था और न ही कोई प्रभावी न्यायिक ढांचा।

संयुक्त राष्ट्र अधिकारियों के हवाले से सामने आई जानकारी के अनुसार, यह हमला पिछले तीन सालों में अबेई क्षेत्र में हुआ सबसे घातक हमला है, जिसमें अब तक 50 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है।

स्थानीय प्रशासन का आरोप है कि विद्रोही गुटों ने हथियारबंद युवाओं के साथ मिलकर सुनियोजित और बर्बर हमले किए। बांग्लादेश लंबे समय से यूएन पीसकीपिंग मिशनों में बड़ा योगदान देने वाला देश रहा है और इस वक्त भी अफ्रीका के कई संघर्षग्रस्त इलाकों में उसके 6,000 से ज्यादा सैनिक और सुरक्षाकर्मी तैनात हैं।

ऐसे में सैनिकों की मौत ने सरकार के सामने सुरक्षा, विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय दबाव से जुड़े कई सवाल खड़े कर दिए हैं। मोहम्मद यूनुस ने भी इस हमले पर अफसोस जताया है। इसी बीच साउथ अफ्रीका से आई दूसरी खबर ने बांग्लादेश की चिंता और बढ़ा दी है। जोहान्सबर्ग के ओआर टैम्बो इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 16 बांग्लादेशी नागरिकों को फर्जी वीजा के साथ पकड़ा गया है।

प्रख्यात अंग्रेजी लेखक रस्किन बॉन्ड अस्पताल में भर्ती, स्वास्थ्य में सुधार... जल्द मिलेगी छुट्टी

मसूरी, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। अंग्रेजी के मशहूर लेखक रस्किन बॉन्ड को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर देहरादून के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। उनके पोते राकेश बॉन्ड ने बताया कि उन्हें पैरों में दिक्कत थी। चलने में परेशानी महसूस हो रही थी। इस पर उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। बताया जा रहा है कि उनकी हालत फिलहाल खतरे से बाहर है और चिकित्सकों की देखरेख में वह स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। बताया जा रहा है कि उनकी सेहत में सुधार हो रहा है। वे खतरे से बाहर हैं और स्थितियां नियंत्रण में हैं। कहा जा रहा है कि उन्हे जल्द ही अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी।

अमेरिका के ब्राउन यूनिवर्सिटी में ताबड़तोड़ गोलीबारी, दो की मौत, कई लोग घायल

वॉशिंगटन, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रोविडेंस शहर (आइलैंड राज्य अमेरिका में एक बार फिर गोलीबारी की घटना सामने आई है। रोड आइलैंड के ब्राउन यूनिवर्सिटी में हुई गोलीबारी में दो लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि रविवार को ब्राउन यूनिवर्सिटी के इलाके में कई लोगों को गोली मारी गई। इसके बाद आइवी लीग स्कूल ने अलर्ट जारी किया और छात्रों-स्टाफ से सुरक्षित जगह जाने की अपील की। दरअसल कानून प्रवर्तन सूत्रों के अनुसार, ब्राउन विश्वविद्यालय में हुई गोलीबारी में कम से कम 2 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

अधिकारी ने चल रही जांच के विवरण पर सार्वजनिक रूप से चर्चा करने से इनकार कर दिया। आपातकालीन सूचना प्रणाली के माध्यम से जारी अलर्ट के अनुसार, विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने पहले छात्रों और कर्मचारियों को बताया कि एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है, लेकिन बाद में उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है और पुलिस अभी भी संदिग्धों की तलाश कर रही है।

कई लोगों को गोली लगी

पुलिस ने बताया कि रविवार को ब्राउन विश्वविद्यालय के इलाके में कई लोगों को गोली लगी। आइवी लीग के इस विश्वविद्यालय ने सक्रिय शूटर अलर्ट जारी किया और अंतिम परीक्षाओं के दूसरे दिन छात्रों और कर्मचारियों से सुरक्षित स्थान पर जाने का आग्रह किया। पुलिस ने पीड़ितों की संख्या, उनकी हालत या गोलीबारी की परिस्थितियों के बारे में तुरंत कोई जानकारी जारी नहीं की। ब्राउन विश्वविद्यालय के आपातकालीन सूचना प्रणाली के माध्यम से जारी अलर्ट के अनुसार, विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने पहले छात्रों और कर्मचारियों को बताया कि एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है, लेकिन बाद में उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है और पुलिस अभी भी संदिग्धों की तलाश कर रही है।

पीड़ितों के साथ हमारी संवेदनाएं

प्रोविडेंस काउंसिल के सदस्य जॉन गोंकाल्व्स ने कहा कि हमें अभी भी घटनाक्रम के बारे में जानकारी मिल रही है, लेकिन हम लोगों से अपने दरवाजे बंद रखने और सतर्क रहने का आग्रह कर रहे हैं। ब्राउन के पूर्व छात्र के रूप में, ब्राउन समुदाय से प्यार करने वाले और इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्ति के रूप में, मैं बहुत दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं सभी परिवार के सदस्यों और प्रभावित लोगों के साथ हैं।

इंजीनियरिंग डिजाइन की परीक्षाएं

गोलीबारी की घटना बारस और हॉली बिल्डिंग के पास हुई, जो सात मंजिला इमारत है और जिसमें विश्वविद्यालय का इंजीनियरिंग स्कूल और भौतिकी विभाग स्थित है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट के अनुसार, इस इमारत में 100 से अधिक प्रयोगशालाएं, दर्जनों कक्षाएं और कार्यालय हैं। जिस समय गोलीबारी हुई, उस समय इमारत में इंजीनियरिंग डिजाइन की परीक्षाएं चल रही थीं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने जताया दुख

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोपहर बाद कहा कि उन्हें गोलीबारी के बारे में जानकारी दी गई है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया साइट पर कहा कि पीड़ितों और उनके परिवारों को ईश्वर की कृपा प्राप्त हो। पुलिस के घटनास्थल पर पहुंचने के बाद छात्रों से सुरक्षित स्थानों पर रहने का आग्रह किया गया और लोगों को उस क्षेत्र से दूर रहने के लिए कहा गया। एक पुलिस अधिकारी ने मीडियाकर्मियों को वाहनों में छिपने की चेतावनी दी क्योंकि क्षेत्र में अभी भी हिंसा जारी थी।

बचाव कार्य में सहयोग कर रही एफबीआई

अधिकारियों ने आगाह किया कि जानकारी अभी प्रारंभिक है क्योंकि जांचकर्ता घटना के कारणों का पता लगाने में जुटे हैं। प्रोविडेंस शहर की मुख्य जन सूचना अधिकारी क्रिस्टी डोसरेइस ने कहा कि पुलिस सक्रिय रूप से जांच कर रही है और घटनास्थल से जानकारी जुटा रही है। एफबीआई ने कहा कि वह बचाव कार्य में सहयोग कर रही है। ब्राउन एक निजी संस्थान है,

जिसमें लगभग 7,300 स्नातक छात्र और 3,000 से अधिक स्नातकोत्तर छात्र हैं। रविवार को शरदकालीन सत्र की अंतिम परीक्षाओं का दूसरा दिन था।

विधायकों के 'कमीशनखोरी' के खुलासे के बाद सीएम की दो टूक

भजनलाल बोले- जिसने भष्ट्राचार किया उसे बख्शा नहीं जाएगा

जयपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की सियासत में रविवार को तीन विधायकों की पोल खोलते कुछ वीडियो वायरल हो रहे हैं। इनके साथ उनपर विधायक कोष से बदले कमीशनखोरी का आरोप लगाया जा रहा है। इसी बीच रविवार सुबह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खुले मंच से भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्त एक्शन की बात कही है। उन्होंने पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने का दावा किया। वहीं दूसरी ओर तीन विधायकों से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के खुलासे ने राजनीतिक गलियारों में हलचल बढ़ा दी है।

विधायकों के ममीशनखोरी का मामला क्या है?

राजस्थान में विधायक निधि से जुड़े विकास कार्यों को लेकर कथित भ्रष्टाचार का मामला

सामने आया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कुछ विधायक काम की अनुशंसा के बदले कमीशन की मांग करते पाए गए, जिससे राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई। खींवसर से भाजपा विधायक, हिंडौन की कांग्रेस विधायक और बयाना की निर्दलीय विधायक का नाम इस रिपोर्ट में सामने आया है। मामले की पड़ताल के लिए एक रिपोर्टर ने डमी फर्म बनाकर संपर्क किया, जहां काम की जरूरत या गुणवत्ता से ज्यादा चर्चा कथित तौर पर कमीशन को लेकर हुई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का भ्रष्टाचार पर रुख

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों में किसी को बख्शा नहीं जाएगा। सरकार ने अपने स्तर पर ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं और आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। उनके इस बयान को हालिया घटनाक्रम के संदर्भ में खास माना जा रहा है, क्योंकि इसी बीच तीन विधायकों से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

स्वच्छता कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने स्वयं झाड़ू लगाकर श्रमदान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को जयपुर के जल महल की पाल पर आयोजित राज्य स्तरीय स्वच्छता जागरूकता एवं श्रमदान कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सरकार की नहीं, बल्कि समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से स्वच्छता योद्धाओं का सम्मान करने और सिंगल यूज प्लास्टिक से दूरी बनाने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने स्वयं झाड़ू लगाकर श्रमदान किया, पौधारोपण किया और उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस मौके पर उन्होंने स्वच्छता कर्मियों को पीपीई किट वितरित की, पीएम स्वनिधि योजना के तहत लाभार्थियों को चेक सौंपे और रोड स्वीपिंग मशीन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

अशोक गहलोत के बयानों पर जवाहर सिंह बेढम का तीखा वार

बोले- भ्रम फैलाकर जनता को कर रहे हैं गुमराह

जयपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयानों पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में हुए विकास को देखकर कांग्रेस परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया कि अशोक गहलोत गलत तथ्यों के आधार पर बयान देकर राजस्थान की जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं।

गृह राज्य मंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय प्रदेश में जंगलराज की स्थिति थी। कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई थी और आमजन खुद को असुरक्षित महसूस करता था। उन्होंने कहा कि यदि अशोक गहलोत ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों को गंभीरता से देखा होता, तो वे इस तरह के भ्रामक बयान नहीं देते।

जवाहर सिंह बेढम ने दावा किया कि वर्तमान सरकार के दो वर्षों के कार्यकाल में सभी प्रकार के अपराधों में लगभग 13 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। यह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सख्त प्रशासनिक नीति और प्रभावी कानून-व्यवस्था का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता जनता की सुरक्षा और सुशासन रही है, जिसका असर जमीन पर स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

उन्होंने प्रदेश के आर्थिक विकास पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि राजस्थान में बड़े पैमाने पर उद्योग स्थापित हो रहे हैं। राइजिंग राजस्थान जैसे निवेश सम्मेलन के माध्यम से प्रदेश में करीब 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए हैं, जो आने वाले वर्षों में रोजगार और विकास के नए अवसर पैदा करेंगे।

गृह राज्य मंत्री ने बताया कि सरकार ने युवाओं को प्राथमिकता देते हुए अब तक 92 हजार से अधिक सरकारी नौकरियां दी हैं। इससे न केवल बेरोजगारी कम हुई है, बल्कि युवाओं का सरकार पर विश्वास भी मजबूत हुआ है।

उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन कर देश-विदेश में रह रहे राजस्थानियों को प्रदेश से जोड़ा गया है, जिससे निवेश और विकास को नई गति मिलेगी। अंत में उन्होंने अशोक गहलोत से सकारात्मक राजनीति करने की अपील करते हुए कहा कि सोशल मीडिया और अखबारों के माध्यम से भ्रामक जानकारी फैलाना किसी वरिष्ठ नेता को शोभा नहीं देता।

'घर से लेकर सार्वजनिक स्थल तक रखें स्वच्छ'

सीएम भजनलाल ने कांग्रेस को लेकर कही बड़ी बात

जयपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने जलमहल की पाल पर राज्य स्तरीय स्वच्छता जागरूकता एवं श्रमदान कार्यक्रम के तहत कहा कि जल महल हमारी गौरवशाली विरासत है, हमारा कर्तव्य है कि हम अपने घर से लेकर सार्वजनिक स्थलों तक को स्वच्छ रखें। उन्होंने कहाकि 2 साल में हमारी सरकार ने सभी क्षेत्रों में काम किए हैं। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य शासन विभाग और पंचायती राज विभाग की ओर से आयोजित किया गया था।

सीएम भजनलाल ने कांग्रेस पर साधा निशाना

इस अवसर पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए सीएम भजनलाल ने कहाकि कांग्रेस जिस दल के साथ जाती है, उसे भी लेकर डूब जाती है। कांग्रेस भ्रष्टाचार, लूट और तुष्टीकरण के कारण खत्म हो रही है।

जनता का पैसा जनता के काम में लगाया

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहाकि जो उन्होंने 5 साल में नहीं किया, हमने उसे 2 साल में कर दिखाया। हमारे समय एक भी पेपर लीक नहीं हुआ, भ्रष्टाचार करने वाले जेल जा रहे हैं। जनता का पैसा जनता के काम में लगाया।

हमारे स्वच्छता योद्धाओं का होना चाहिए सम्मान

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में स्वच्छता जागरूकता एवं श्रमदान कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। सरकार और समाज दोनों का काम है कि प्रदेश साफ रहे है। हमारे स्वच्छता योद्धाओं का सम्मान होना चाहिए। स्वच्छता योद्धाओं के स्वास्थ्य का ध्यान रखना हमारा कर्तव्य है।

सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग बंद होना जरूरी

सीएम भजनलाल कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग बंद करना होगा। गलियों को साफ करने से अभियान शुरू हुआ था। सरकार ने शहर और गांव को स्वच्छ बनाने के लिए कदम उठाए, स्वच्छता और स्वास्थ्य के बीच गहरा संबंध है।

सरकार के 2 साल पूरे, पीएम-गृहमंत्री की मंजूरी मिली तो 25 दिसंबर को हो सकती है जनसभा

जयपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर 10 दिसंबर से प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पहले 15 दिसंबर को दो साल की वर्षगांठ पर जनसभा प्रस्तावित थी, लेकिन फिलहाल इसे स्थगित कर दिया गया है। जनसभा के स्थान पर अब इस दिन रक्ततदान शिविर और आरोग्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। रोड सेफ्टी फंड से खरीदे गए वाहनों और एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाई जाएगी तथा राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का शुभारंभ भी होगा। 25 दिसंबर तक के अन्य कार्यक्रम पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही आयोजित किए जाएंगे।

सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के राजस्थान दौरे का कार्यक्रम तय नहीं होने के कारण जनसभा को आगे खिसकाया गया है। यदि केन्द्रीय नेतृत्व की स्वीकृति मिलती है तो जनसभा 25 दिसंबर को आयोजित हो सकती है, अन्यथा अगले वर्ष जनवरी में बाड़मेर या जयपुर में मुख्य आयोजन किया जाएगा। इस दौरान सरकार कई विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेगी, जिनमें रिफाइनरी और जयपुर मेट्रो फेज-द्वितीय भी शामिल हैं। प्रदेश में स्वच्छता अभियान रविवार से शुरू होगा, जिसके तहत मंदिरों और स्मारकों की साफ-सफाई की जाएगी।

110 प्रतिष्ठानों पर छापेमारी, 300 अधिकारियों की रेड में 200 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी का खुलासा

जयपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में वाणिज्य कर विभाग ने कर चोरी के खिलाफ अब तक की बड़ी कार्रवाइयों में से एक को अंजाम दिया है। विभाग ने राज्यभर में एक साथ 110 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर सर्वे और छापेमारी कर करीब 200 करोड़ रुपये की कर चोरी का खुलासा किया है। इस कार्रवाई से व्यापारिक जगत में हड़कंप मच गया है।

वाणिज्य कर विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस अभियान में 300 से ज्यादा अधिकारियों और कर्मचारियों की अलग-अलग टीमें बनाई गई थीं। इन टीमों ने विभिन्न जिलों में एक साथ कार्रवाई कर संदिग्ध लेनदेन और रिकॉर्ड की जांच की। विभाग को लंबे समय से कर चोरी से जुड़ी सूचनाएं मिल रही थीं, जिसके बाद इस बड़े अभियान की रूपरेखा तैयार की गई।

जांच के दौरान प्लाईवुड, सेनेटरी आइटम, टाइल्स, खाद्य तेल, होटल और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों से जुड़े व्यापारियों पर विशेष ध्यान दिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इन क्षेत्रों में कुछ व्यापारी फर्जी बिलिंग और आय छुपाकर कर चोरी कर रहे थे।

कच्ची पर्चियां और फर्जी बिल बरामद

विभाग की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, छापेमारी के दौरान कई प्रतिष्ठानों से कच्ची पर्चियां, फर्जी बिल और अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए हैं। इन दस्तावेजों के आधार पर कर चोरी की राशि का आकलन किया जा रहा है।

कार्रवाई के दौरान कई व्यापारियों ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए करीब 10 करोड़ रुपये की कर राशि स्वेच्छा से जमा करवाई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जब्त दस्तावेजों की गहन जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बदमाशों की अंधाधुंध फायरिंग से फैली दहशत

युवक गंभीर घायल, आरोपियों को पकड़ने के लिए की नाकाबंदी

डीडवाना, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले के परबतसर उपखंड के बिल्लू गांव में शुक्रवार देर रात कुख्यात बदमाशों ने एक युवक पर अंधाधुंध फायरिंग कर दहशत फैला दी। घटना गांव के ही तेजा चौक की है जहां सफेद रंग की कार में सवार चार बदमाशों ने 24 वर्षीय विपिन मेघवाल पर गोली चलाई। गोली लगने से गंभीर रूप से घायल विपिन को तुरंत परबतसर अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में उसे अजमेर रैफर कर दिया गया।

बडू थाने के हेड कांस्टेबल दयाराम महिया ने बताया कि बदमाश सफेद रंग की इको कार में आए थे। उन्होंने अचानक युवक पर फायरिंग शुरू कर दी और वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गए। सबसे बड़ी बात यह रही कि आरोपियों ने फायरिंग की पूरी घटना का वीडियो बनाया और दहशत फैलाने के लिए उसे सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिले के सभी थाना प्रभारियों को अलर्ट जारी किया गया। नाकाबंदी कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस टीम कार के संभावित रूट, सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। मकराना डीवाईएसपी विक्की नागपाल और बडू सीआई अजय सिंह शेखावत खुद घटना की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों में भय व्याप्त है कि गैंगवार की यह वारदात आगे और बढ़ सकती है। सूत्रों के अनुसार युवक पर हमले की वजह पुरानी रंजिश या गैंग से जुड़ा कोई विवाद हो सकता है, जिसकी गहन जांच की जा रही है। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि बदमाशों की पहचान हो सके।

एसआइ पेपरलीक केस में 3 संदिग्ध सब-इंस्पेक्टर रडार पर

एसओजी ने कसा शिकंजा

जयपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। एसआइ परीक्षा में पेपरलीक के मामले को लेकर स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने जांच का दायरा और बढ़ा दिया है। इसी क्रम में एसओजी ने 3 संदिग्ध सब-इंस्पेक्टर को पूछताछ के लिए बुलाया है। टीम इन अधिकारियों से यह जानकारी जुटा रही है कि उन्होंने परीक्षा किस प्रश्न पत्र से दी थी और लीक हुई सामग्री तक उनकी पहुंच किस तरह बनी।

एसओजी के एडीजी विशाल ने बताया कि तीनों संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल पूछताछ के लिए बुलाए गए इनमें से किसी भी सब-इंस्पेक्टर की गिरफ्तारी नहीं की गई है, लेकिन यदि जांच के दौरान ठोस साक्ष्य सामने आते हैं तो कानूनी कार्रवाई करते हुए गिरफ्तारी भी की जाएगी।

जांच एजेंसी परीक्षा से पहले और बाद की गतिविधियों की बारीकी से पड़ताल कर रही है। साथ ही मोबाइल फोन, कॉल डिटेल,

डिजिटल ट्रेल और सोशल मीडिया संपर्कों की जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि संदिग्ध किस-किस के संपर्क में थे। एसओजी यह भी जांच कर रही है कि पेपरलीक किसी संगठित गिरोह के माध्यम से हुआ या फिर इसमें विभाग के अंदर से किसी तरह की मदद मिली थी।

इस मामले में आरपीएससी के एक निलंबित सदस्य और एक पूर्व सदस्य को गिरफ्तार किया गया। इस प्रकरण में गिरफ्तार कुल 132 आरोपियों में 61 प्रशिक्षणरत उप निरीक्षक और 6 चयनित उपनिरीक्षक जिन्होंने जॉइन नहीं किया, सहित 67 उप निरीक्षक शामिल थे। इसके अतिरिक्त जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा 2018 में पेपर लीक के मुख्य आरोपी और टीसीएस कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर जगजीत सिंह को भी गिरफ्तार किया गया है। सरकार का दावा है कि दो साल के दौरान हुई भर्ती परीक्षाओं में नकल सिंडीकेट टूटा है और एक भी भर्ती परीक्षा में पेपर लीक नहीं हुआ है।

पेपर लीक और धांधली की जांच में पाया गया कि परीक्षा का पेपर बड़े स्तर पर लीक हुआ था। इसमें डमी अभ्यर्थियों को बैठाने और साल्व्ड पेपर 28 लाख रुपए तक में बेचने के मामले सामने आए। इस मामले में 50 से अधिक सब-इंस्पेक्टरों (ट्रेनी) सहित कुल 120 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया था। फर्जीवाड़े में राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा और रामूराम रायका की संलिप्तता भी पाई गई, जिन्होंने कथित तौर पर परीक्षा से पहले पेपर लीक किया था।

आयोग ने 3 फरवरी 2021 को सब इंस्पेक्टर और प्लाटून कमांडर के 859 पदों की भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की थी। ऑनलाइन फॉर्म 9 से 10 मार्च तक मांगे गए। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों को आयु में तीन वर्ष की छूट देने कारण 9 से 23 जून 2021 तक वापस आवेदन लिए गए। परीक्षा के लिए 7 लाख 97 हजार 030 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें 3 लाख 83 हजार अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

उदयपुर- नेशनल हाईवे पर 6 गाड़ियां भिड़ीं

3 की मौत, पत्थर से भरे ट्रेलर से टैंकर टकराया
तीन कारों को चपेट में लिया, 5 कि.मी लंबा जाम

उदयपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। उदयपुर में पिंडवाड़ा नेशनल हाईवे पर एक के बाद एक 6 गाड़ियां टकरा गईं। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। एक्सीडेंट गोगुंदा थाना क्षेत्र में पीर बावजी के पास हुआ है। हादसे के बाद हाईवे पर 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया है। पत्थरों से भरे बेकाबू ट्रेलर से एक टैंकर टकराकर टकरा गया। इसके बाद तीन कारें भी उससे टकरा गईं।हादस में 6 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। घटनास्थल से निकल रहे भाजपा के उदयपुर (देहात) के जिलाध्यक्ष पुष्करलाल तेली ने बताया- पिंडवाड़ा की ओर से आ रहा ट्रेलर अनियंत्रित हो गया था। इसके बाद एक-एक कर गाड़ियां टकराती गईं।

पुष्करलाल तेली ने बताया- आठ से ज्यादा लोग अलग-अलग गाड़ियों में फंस गए। जिनको निकाला जा रहा है। एक फॉर्च्यूनर कार चकनाचूर हो गई। पौष मास में इस बार सीजन में पहली बार राजस्थान के पूर्वी इलाकों में घने कोहरे ने दस्तक दी है है। मौसम विभाग ने आगामी 18 दिसंबर से एक नए पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के संकेत दिए हैं लेकिन उससे पहले विंड पैटर्न में हुए बदलाव के कारण बीती रात से दौसा,भरतपुर और चित्तौड़गढ़ जिले में सीजन में पहली बार घना कोहरा छा गया। घने कोहरे के चलते हाईवे पर वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। वहीं भरतपुर के दिदवाली गांव के पास हाईवे पर घने कोहरे के चलते दो वाहनों में भिड़ंत होने से कार सवार तीन लोग घायल हो गए। बीती रात चित्तौड़गढ़ जिले में छाई धुंध के कारण सड़क दुर्घटना होने के समाचार हैं। मौसम विज्ञानियों के अनुसार विंड पैटर्न में बीती रात से हुए बदलाव के कारण हवा में सापेक्षित आर्द्रता बढ़ने पर अब पहाड़ों की सर्दी मैदानों का रुख करने लगी है। माना जा रहा है कि आगामी दिनों में पश्चिमी विक्षोभ से शीतलहर चलने और प्रदेश के उत्तर पूर्वी इलाकों में घना कोहरा छाने की संभावना है।

कड़ा पहनने पर छात्रा को टीसी; शिक्षकों का धरना पुलिस ने हटवाया

उदयपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। उदयपुर की ग्रेगोरियस स्कूल अपने विवादित कारनामों की वजह से चर्चा में है। तिलक-कलावा प्रतिबंध को लेकर उपजे विवाद के बाद सेंट ग्रेगोरियस स्कूल एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार मामला 12वीं कक्षा की एक सिख छात्रा को कड़ा पहनकर स्कूल आने पर ट्रांसफर सर्टिफिकेट (टीसी) थमाने का है।

इस कार्रवाई से छात्रा के परिजनों, अभिभावकों और सामाजिक संगठनों में भारी आक्रोश है। वहीं, दूसरी ओर, स्कूल से टर्मिनेट किए गए शिक्षकों का धरना भी प्रशासनिक कार्रवाई के बाद समाप्त करा दिया गया है, जिससे विवाद और गहरा गया है।

परिजनों का आरोप है कि 12वीं की छात्रा को लंबे समय से कड़ा पहनने को लेकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। अंततः बोर्ड परीक्षा के महत्वपूर्ण वर्ष में स्कूल प्रशासन ने उसकी टीसी काट दी। छात्रा के पिता ने इस कदम को "मनमाना और शर्मनाक" बताते हुए कहा कि कड़ा सिख धर्म की पहचान और आस्था का प्रतीक है, जिसे हटाने का दबाव बनाना धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। उन्होंने स्कूल की मान्यता रद्द करने की मांग भी उठाई है।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले इसी स्कूल में तिलक-कलावा पहनने पर रोक के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया था, जिसके बाद पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा था। वह मामला अभी पूरी तरह शांत भी नहीं हुआ था कि छात्रा की टीसी का नया विवाद सामने आ गया।

इसी बीच, स्कूल की कथित मनमानी के खिलाफ पिछले कई दिनों से धरने पर बैठे टर्मिनेटेड शिक्षकों को पुलिस ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए धरना स्थल से हटा दिया। धरना हटाए जाने के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। शिक्षक अपनी मांगों को लेकर प्रशासन के सामने अड़े रहे, लेकिन पुलिस कार्रवाई के आगे उन्हें हटना पड़ा। इस दौरान कई शिक्षक भावुक होकर रोते नजर आए और स्कूल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए।

शिक्षकों का कहना है कि वे करीब 30 वर्षों से स्कूल में सेवाएं दे रहे थे, इसके बावजूद बिना किसी ठोस कारण के उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। उनका आरोप है कि तिलक-कलावा विवाद के बाद ही उन्हें टारगेट किया गया और उसी के विरोध में वे "स्कूल बचाओ" अभियान के तहत शांतिपूर्ण धरने पर बैठे थे।

तीन वाहनों की जोरदार भिड़ंत, एक के परखच्चे उड़े

दंपति समेत मध्यप्रदेस के तीन लोगों की मौत

चित्तौड़गढ़, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के नीमच जिले के एक दंपति और मंदसौर जिले के एक ड्राइवर की राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में हुए सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। निम्बाहेड़ा के पास हुए इस भीषण हादसे ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं, जबकि एक परिवार पूरी तरह उजड़ गया। घटना की खबर जैसे ही नीमच जिले के सरवानिया महाराज गांव पहुंची, पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

चित्तौड़गढ़–नीमच मार्ग पर निम्बाहेड़ा सदर थाना क्षेत्र में मुख्यमंत्री जन आवास योजना के पास हादसा हुआ।

यहां तीन वाहनों की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और यातायात भी कुछ देर के लिए बाधित हो गया।

हादसे के समय एक पिकअप वाहन का चालक और उसका सहयोगी सड़क किनारे खड़े होकर टायर बदल रहे थे। तभी पीछे से आ रही एक मारुति ओमनी वैन पिकअप से टकरा गई। इसके तुरंत बाद उसी दिशा से आ रही एक थार गाड़ी भी वैन से जा भिड़ी। लगातार हुई इन टक्करों से तीनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और यह भयावह हादसा हो गया।

बारूद का ब्लास्ट या सुनियोजित हत्या?

शव के उड़े चिथड़े; सिर धड़ से अलग होकर दूर-दूर तक बिखरा

नागौर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया है। भावण्डा थाना क्षेत्र के खोड़वा गांव में एक किसान के अपने ही खेत में क्षत-विक्षत शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 38 वर्षीय प्रहलाद राम बुगासरा के रूप में हुई है, जो गांव के ही निवासी थे। शव की हालत इतनी भयावह थी कि सिर और एक हाथ पूरी तरह चिथड़े उड़ चुके थे, जबकि मांस के टुकड़े खेत में दूर-दूर तक बिखरे पड़े थे।

प्रहलाद राम के बड़े भाई जयपाल ने उन्हें दोपहर खेत में छोड़ा था। मात्र दो घंटे बाद ही ग्रामीणों ने परिवार को सूचना दी कि खेत में कुछ गलत हुआ है। मौके पर पहुंची भावण्डा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर खींवसर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

थानाधिकारी मानवेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में बारूद से ब्लास्ट होने के संकेत मिले हैं। प्रहलाद के चेहरे के पास धमाका हुआ लगता है, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। क्षेत्र में लाइमस्टोन (चूना पत्थर) की बड़ी संख्या में खदानें हैं, जहां माइनिंग के लिए बारूद का इस्तेमाल आम है। पुलिस का मानना है कि यह माइनिंग बारूद से जुड़ा मामला हो सकता है। हालांकि, परिवार वाले हत्या की आशंका जता रहे हैं। बड़े भाई जयपाल ने पुलिस को रिपोर्ट दी है, जिसमें हत्या का शक व्यक्त किया गया है। पुलिस ने इस आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आत्महत्या के एंगल से भी सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। प्रहलाद राम शादीशुदा थे और उनके दो बच्चे हैं। परिवार में पिता और बड़ा भाई भी हैं। वे खेती-किसानी का काम करते थे। गांव में यह घटना चर्चा का विषय बनी हुई है। लोग कयास लगा रहे हैं कि क्या यह दुर्घटना थी या किसी रंजिश का नतीजा? पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया और सभी संभावित कोणों से जांच तेज कर दी है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट और आगे की जांच से ही सच्चाई सामने आएगी कि यह भयानक ब्लास्ट हादसा था, आत्महत्या या फिर कोई सुनियोजित साजिश।

द अग्रसेन कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड की विशेष आम सभा की बैठक संपन्न

एग्रोहा कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड के प्रस्तावित विलय की मंजूरी ली गई

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। द अग्रसेन कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने रविवार को केएलएन प्रसाद ऑडिटोरियम, एफटीसीसीआई हाउस, रेडहिल्स में एक विशेष आम सभा की बैठक बुलाई। इस बैठक का मुख्य कारण एग्रोहा कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड के द अग्रसेन कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड के साथ प्रस्तावित विलय के लिए शेयरधारकों से मंज़ूरी लेना था।

अग्रसेन बैंक के चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया ने अपनी बातचीत में शेयरधारकों को बताया कि यह विलय सिर्फ़ एसेट्स को मज़बूत करने के लिए नहीं है, बल्कि यह साझा विजन, पूरक ताकतों और हमारे ग्राहकों की सेवा के लिए आपसी प्रतिबद्धता का मिलन है। उन्होंने आगे बताया कि रेगुलेटरी कंप्लायंस पहले ही मिल चुके हैं। आखिर में उन्होंने सभी शेयरधारकों से इस विलय के लिए अपनी सहमति देने की अपील की।

अग्रसेन बैंक के सीईओ सीवी राव ने विलय से संबंधित सभी एजेंडा आइटम बैठक में रखे। द अग्रसेन कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड के सभी शेयरधारकों ने सर्वसम्मति से इस विलय को मंज़ूरी दे दी।

वाइस चेयरमैन सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने सभी को धन्यवाद दिया, जिसमें सभी शेयरधारक और अग्रसेन बैंक के सभी ग्राहक, एग्रोहा बैंक के चार डायरेक्टर शामिल थे, जिन्होंने आज की बैठक में हिस्सा लिया।

चेयरमैन प्रमोद केडिया, सीनियर वाइस चेयरमैन सीए नवीन कुमार अग्रवाल, वाइस चेयरमैन सुरेश कुमार अग्रवाल, डायरेक्टर नारायण दत्त, नरसिंह दास, मोहन अग्रवाल, गोपाल चंद अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल, राजेश कुमार अग्रवाल, अपूर्व अग्रवाल, बजरंग प्रसाद गुप्ता, पंकज कुमार अग्रवाल ने हिस्सा लिया। बैठक में आनंद अग्रवाल डीजीएम और अग्रसेन बैंक के अन्य स्टाफ सदस्य भी मौजूद थे। चार एग्रोहा बैंक के डायरेक्टर सुधीर कुमार गुप्ता, अजीत गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल, विनय सी अग्रवाल का सम्मान किया गया। अग्रसेन बैंक के पूर्व सीईओ पी.वी. शर्मा का भी सम्मान किया गया।

भारत ने 7 विकेट से जीता तीसरा टी-20 मैच

साउथ अफ्रीका पर 2-1 बढ़त बनाई, अभिषेक-गिल की फिफ्टी पार्टनरशिप, 4 बॉलर्स को 2-2 विकेट

धर्मशाला, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज का तीसरा मैच जीतने से 9 रन दूर है। 118 रन का टारगेट चेज कर रही टीम ने 14.5 ओवर में तीन विकेट पर 109 रन बना लिए हैं। तिलक वर्मा और शिवम दुबे नाबाद हैं।

कप्तान सूर्यकुमार यादव 12 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें लुंगी एनगिडी ने ओर्टनील बार्टमैन के हाथों कैच कराया। शुभमन गिल (28 रन) को मार्को यानसन ने और अभिषेक शर्मा (35 रन) को कॉर्बिन बॉश ने पवेलियन भेजा। अभिषेक-गिल ने 32 गेंद पर 60 रन की ओपनिंग साझेदारी की।

धर्मशाला स्टेडियम में रविवार शाम भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफ्रीकी टीम 117 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम ने महज 7 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे। क्विंटन डी कॉक एक रन, रीजा हेंड्रिक्स जीरो और डेवाल्ड ब्रेविस 2 रन बनाकर आउट हुए।

ऐसे में ऐडन मार्करम ने एक छोर से पारी संभाली, जबकि दूसरे छोर से विकेट गिरते रहे। मार्करम ने 61 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली। उनके अलावा, डोनेवान फरेरा ने 20 रन का योगदान दिया। भारत से अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव ने 2-2 विकेट झटके। हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे को एक-एक विकेट मिला। जवाबी पारी में भारतीय ओपनर्स ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई। अभिषेक-गिल की जोड़ी ने 31 बॉल पर 68 रन की साझेदारी कर डाली। अभिषेक (18 बॉल पर 35 रन) के आउट होने के बाद उतरे तिलक वर्मा ने भारत को जीत दिला दी।

संगारेड्डी में धर्मगुरु दीवानजी व भैलरथ का भव्य बधावा आज

कलश एवं रंगारंग गैर नृत्य, ढोल-नगाड़ों से होगा धर्मगुरु व भेल का बधावा

संगारेड्डी, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी श्री आई माताजी मंदिर बडेर में आईपंथ का धर्मरथ भैल व धर्मगुरु दीवान साहब माधसिंहजी का भव्य बधावा आज होगा। अध्यक्ष रूगाराम परिहारिया एवं सचिव घिसाराम काग ने बताया कि आज सोमवार 15 दिसंबर शाम 4:21 बजे से माताजी के भैल एंव धर्मगुरु दिवान सहाब का बधावा कार्यक्रम रहेगा और शाम 6:21 बजे माताजी की आरती एवं धर्मसभा होगी l शाम 7:21 बजे से महाप्रसादी का आयोजन मंदिर प्रांगण में किया जाएगा और रात्री 9 बजे से सम्पूर्ण रात्रि भजनों की प्रस्तुति होगी, जिसमें ओमजी कुमावत एंड पार्टी भजनों की प्रस्तुति देंगे। बधावा कार्यक्रम समाज बन्धुओं के सानिध्य में भक्तों द्वारा फूलों की वर्षा मंगल गीत, ढ़ोल थाली व रंगारंग गैर नृत्य के साथ धर्मगुरु दीवानजी बधावा कार्यक्रम रहेगा। अवसर पर मंदिर के मुख्य द्वार से महिलाओं द्वारा कलश यात्रा एंव गैरियों द्वारा गैर नृत्य के साथ दीवानजी व माताजी का भेल का बधावा होगा। कार्यक्रम के तत्पश्चात मंगलवार को सुबह 9 बजे भैल का विदाई कार्यक्रम होगा।

यूनेस्को में भारत के राजदूत ने रामप्पा मंदिर का दौरा किया

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यूनेस्को में भारत के राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि विशाल वी. शर्मा ने रविवार को मुलुगु जिले के पालमपेट गांव स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर का दौरा किया। यह दौरा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और तेलंगाना सरकार के समन्वय से किए जा रहे संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों की समीक्षा के उद्देश्य से किया गया।

श्री शर्मा, जिन्होंने यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, इस प्रतिष्ठित पद पर आसीन होने वाले पहले भारतीय हैं। उनके नेतृत्व में वर्ष 2021 में रामप्पा मंदिर को यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया था। हाल ही में उन्होंने नई दिल्ली के लाल किले में आयोजित अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सुरक्षा के लिए अंतर-सरकारी समिति के 20वें सत्र की अध्यक्षता भी की, जिसमें दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची में शामिल किया गया। हैदराबाद में भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (इनकॉइस) के कार्यक्रम में भाग लेने के दौरान, राजदूत शर्मा ने व्यक्तिगत रूप से रामप्पा मंदिर में चल रहे संरक्षण कार्यों का आकलन करने के लिए मुलुगु जिले का दौरा किया। उनके साथ एएसआई के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. एच.आर. देसाई (उप अधीक्षण पुरातत्वविद), कृष्ण चैतन्य (उप सहायक अधीक्षण अभियंता) और डॉ. रोहिणी पांडे अंबेडकर (सहायक अधीक्षण पुरातत्वविद)उपस्थित थे। इनकॉइस से वरिष्ठ कार्यकारी नागोजी राव भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

श्री दीवान साहब का बधावा कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर (वडेर) में सीरवी समाज ट्रस्ट समाज बन्धुओं के तत्वावधान में शनिवार 13 दिसंबर धर्मगुरु दीवान श्री माधवसिंहजी एवं बैल का बधावा व शोभा यात्रा का कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा व सचिव पुखराज चोयल ने संयुक्त रूप से बताया कि समाज बन्धुओं के सानिध्य मे पूजा-अर्चनाकर, महाआरती के पश्चात मध्यान् 4 बजे से शोभा यात्रा, रंगारंग गैर नृत्य धर्मगुरु दीवान साहब का बधावा रमेश, अशोक, चेनाराम लचेटा परिवार, श्री आईमाताजी के बैल का बधावा प्रकाश, नेमाराम, हीरालाल आगलेचा परिवार, ज्योत के गोविन्दराम, ताराराम पँवार परिवार, कलश के हीरालाल, श्रवण सेणचा परिवार एवं महाप्रसादी के चुन्नीलाल, वेनाराम, भँवरलाल, धनराज वरपा परिवार द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का सम्मानकर समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। धर्मगुरु दीवान साहब ने समाज बन्धुओं को शुभकामनाएं देते हुए बताया कि समाज में संगठित होकर भाईचारे के साथ बच्चों मे शिक्षा एवं संस्कार का ध्यान रखते हुए रहना चाहिए।

अवसर पर मंदिर भूमि के लिए विशेष बोलियों का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, उपाध्यक्ष भाणाराम बर्फा, चेनाराम सिन्दड़ा, सचिव पुखराज चोयल, सहसचिव गजाराम सेणचा, सहकोषाध्यक्ष मंगलाराम परिहारिया, खेल मंत्री धनराज वरपा, मोतीलाल चोयल, मीडिया प्रभारी गोविन्दराम पँवार, सलाहकार वेनाराम वरपा, चौथाराम पँवार, हँसाराम आगलेचा, पूर्व सचिव हीरालाल सेणचा, नेमाराम काग, चुन्नीलाल वरपा व समाज बन्धुओं का

विशेष सहयोग रहा। अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा ने कार्यक्रम में पधारे समाज बन्धुओं का तहदिल से आभार प्रकट करते हुए बताया कि सभी के सहयोग से यह कार्यक्रम भव्य रूप से सफल हुआ। सचिव पुखराज चोयल के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

प्रवासी मैथिलों के लिए उत्कर्ष का प्रतीक बना विद्यापति स्मृति पर्व

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में रहने वाले प्रवासी मैथिलों के लिए रविवार को आयोजित विद्यापति स्मृति संध्या पर्व जबरदस्त उत्साह का केंद्रबिंदु बना। मिथिला सामाजिक मंच के तत्वावधान में आयोजित समारोह का विधिवत शुभारंभ मिथिला की हृदय स्थली दरभंगा के सांसद डॉ. गोपाल जी ठाकुर, मैथिली अकादमी, बिहार के पूर्व अध्यक्ष पं. कमलाकांत झा, पूर्व विधायक सह तेलंगाना प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष एनवीएसएस प्रभाकर, तेलंगाना भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष डॉ. शिल्पा रेड्डी, मिधानी के पूर्व अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डॉ. संजय कुमार झा, मिथिला सामाजिक मंच के अध्यक्ष राम विनोद झा, महासचिव रंजन कुमार झा एवं वरिष्ठ मैथिली सेवा अभियानी प्रवीण कुमार झा ने मिलकर किया।

उद्घाटन संबोधन में सांसद डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने कहा कि विद्यापति विश्वव्यापी महान साहित्यकार थे। मिथिला से कोसों दूर दण्डकारण्य क्षेत्र में स्थित हैदराबाद में मिथिला सामाजिक मंच द्वारा उनके कृतित्व को संरक्षित एवं संवर्धित किए जाने का किया जा रहा कार्य काबिलेतारीफ है। इसके साथ ही मंच इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन कर जिस प्रकार से मिथिला-मैथिली के गौरवशाली परंपरा को जीवंत बनाए रखने का उत्कृष्ट कार्य कर रही है, उसकी जितनी तारीफ की जाए कम है। उन्होंने कहा कि आज जिस तरह से पूरी दुनिया में कवि कोकिल बाबा विद्यापति के नाम पर कार्यक्रम हो रहे हैं और सभी मिथिलावासी एक जगह एकत्रित हो अपने मातृभूमि और मातृभाषा के विकास के प्रति एकत्रित हो रहे हैं, यह मिथिला और मैथिली के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए अत्यंत गौरवशाली है कि मिथिला सामाजिक मंच के इस आयोजन में उन्हें शामिल होने का मौका मिला है।

बतौर विशिष्ट अतिथि मैथिली अकादमी, बिहार के पूर्व अध्यक्ष पं. कमलाकांत झा ने कहा कि विद्यापति का सम्मान सिर्फ मिथिलावासी ही नहीं, पूरे देश और विश्व के लोग करते हैं। मिथिला के विकास में मिथिलावासी के साथ प्रवासी मैथिलों का भी अहम योगदान रहा है। मिथिला के सर्वांगीण विकास के लिए पृथक मिथिला राज्य का गठन वर्तमान समय के हिसाब से अपरिहार्य है और इसके लिए एकजुट होकर जोर लगाने की जरूरत है।

पूर्व विधायक सह तेलंगाना भाजपा प्रदेश कमेटी के उपाध्यक्ष एनवीएसएस प्रभाकर ने कहा कि हैदराबाद में मिथिला की सांस्कृतिक ललक जगाने में मिथिला सामाजिक मंच का अहम योगदान रहा है। तेलंगाना भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष डॉ. शिल्पा रेड्डी एवं मिधानी के पूर्व अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डॉ. संजय कुमार झा ने कहा कि दुनिया की सबसे मीठी भाषा मैथिली बोलने वाले लोगों की आपसी एकता और एकजुटता अहम है। यह ना सिर्फ सराहनीय है, बल्कि हम सभी के लिए अनुकरणीय भी है।

इससे पहले अतिथियों का स्वागत करते हुए मिथिला सामाजिक मंच के अध्यक्ष राम विनोद झा ने कहा कि मिथिला विद्यापति के कारण भारत की सांस्कृतिक विरासत और मानवीय मूल्यों के संवाहक के रूप में कार्य करती रही है और भारत की उत्स्कृटता में मिथिला का अहम योगदान है। मंच के कार्यकारी अध्यक्ष शंभु नाथ झा ने मिथिला और मैथिली की यथास्थिति की विस्तार से चर्चा करते कहा कि यह अत्यंत दुखद है कि मैथिली को भले ही संवैधानिक भाषा का दर्जा मिल गया है लेकिन वह राजनीतिक उपेक्षा का शिकार होकर अभी भी अपने अधिकार से वंचित है। अपना भावोद्गार व्यक्त करते हुए महासचिव रंजन कुमार झा ने कहा कि हैदराबाद के प्रवासी मैथिलों के अभूतपूर्व सहयोग के कारण ही विद्यापति स्मृति संध्या का भव्य आयोजन लगातार सातवीं बार संभव हो रहा है। इसके लिए सभी मैथिल भाई बधाई के पात्र हैं। उद्घाटन सत्र का संचालन प्रवीण कुमार झा एवं धीरेन्द्र झा 'धीरू' ने मिलकर किया।

उद्घोषक राधेभाई के संचालन में आयोजित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में मैथिली मंच के स्थापित कलाकार माधव राय, रचना झा एवं उनके साथियों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। आरंभ में अतिथियों का स्वागत मिथिला की गौरवशाली परंपरा के अनुरूप मिथिला पेंटिंग से सजे पाग, चादर, स्मृति प्रतीक एवं पुष्पगुच्छ प्रदान कर किया गया। कार्यक्रम में प्रवीण कुमार झा के संपादन में प्रकाशित मंच की स्मारिका नव जागृति का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में दर्शक मौजूद थे।

मध्य एशियाई देशों के मीडिया प्रतिनिधि हैदराबाद दौरे पर

तेलंगाना की व्यापार, आईटी, पर्यटन और सांस्कृतिक ताकत से होंगे रूबरू

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मध्य एशिया क्षेत्र के सात देशों आर्मेनिया, जॉर्जिया, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के प्रमुख प्रिंट, टीवी और समाचार एजेंसियों से जुड़े 21 मीडिया प्रतिनिधि 17 दिसंबर तक हैदराबाद के दौरे पर हैं।

इस दौरान मीडिया प्रतिनिधिमंडल तेलंगाना के उन प्रमुख स्थलों का दौरा करेगा, जो देश के विकास में अहम भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम के तहत व्यापार, आध्यात्मिक, सूचना प्रौद्योगिकी और पर्यटन से जुड़े महत्वपूर्ण केंद्रों को दिखाया जाएगा। दौरे के पहले दिन मीडिया प्रतिनिधियों ने शिल्पारामम का भ्रमण किया। बताया गया है कि यह दौरा भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा संबंधित देशों के साथ व्यापार, शिक्षा और सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। इस मीडिया यात्रा का समन्वय राज्य सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की विशेष आयुक्त च. प्रियंका द्वारा किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इस पहल से तेलंगाना की वैश्विक छवि को मजबूती मिलेगी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य की संभावनाओं को व्यापक प्रचार मिलेगा।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा मासिक सत्संग एवं भंडारा कार्यक्रम का आयोजन

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा रविवार को प्रातः 10:00 बजे से 12:30 बजे तक पर्ल पैलेस अपार्टमेंट, गन फाउंड्री, बशीरबाग में मासिक सत्संग एवं भंडारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन साध्वी साक्षी भारती ने किया। अपने प्रेरक प्रवचन में उन्होंने विचारों की शक्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मनुष्य के विचार ही उसके कर्मों का निर्माण करते हैं और कर्मों से उसका चरित्र बनता है। अतः प्रत्येक व्यक्ति को अपने विचारों पर सजग एवं सतर्क दृष्टि रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मन यद्यपि हमारा है, परंतु वह सदैव हमारे नियंत्रण में नहीं रहता। साधना के माध्यम से ही मन पर संयम स्थापित किया जा सकता है।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता साध्वी आरती भारती ने गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को प्रभावशाली उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि जैसे एक साधारण धागा बुनकर के हाथों में पड़कर उपयोगी वस्त्र का रूप लेता है, उसी प्रकार शिष्य गुरु के मार्गदर्शन में ही जीवन की सार्थकता प्राप्त करता है।

उन्होंने गुरु आयोद-धौम्य एवं शिष्य आरुणि के प्रसंग के माध्यम से गुरु आज्ञा और सेवा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि गुरु द्वारा प्रदत्त प्रत्येक आदेश शिष्य के लिए गुरु आज्ञा होता है और उसका पालन करना ही सच्ची सेवा है। उन्होंने यह भी कहा कि गुरु द्वारा दी गई सेवा शिष्य के कर्मों के शोधन का माध्यम होती है तथा आध्यात्मिक मार्ग पर सेवा के बिना पूर्णता संभव नहीं है।

इस अवसर पर 12 वर्ष से कम आयु के बच्चों हेतु संस्कार शाला का आयोजन भी किया गया, जिसमें उन्हें नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों की शिक्षा दी गई। सत्संग के उपरांत सभी उपस्थित साधकों ने सामूहिक साधना में भाग लिया। शिष्यों द्वारा प्रस्तुत सुमधुर भजनों ने संपूर्ण

दीवान माधवसिंहजी का बधावा कार्यक्रम 16 को

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईलापुर बिरमगुड़ा स्थित सीरवी समाज की आस्था का केन्द्र

श्री आईमाताजी मंदिर (वडेर) में सीरवी समाज ट्रस्ट समाज बन्धुओं के तत्वावधान में मंगलवार 16 दिसम्बर धर्मगुरु दीवान श्री माधवसिंहजी एवं श्री आईमाताजी के बैल का बधावा, रंगारंग गैर नृत्य व शोभा यात्रा का कार्यक्रम आयाजित किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष कन्हैयालाल बर्फा व सचिव मोहनलाल भायल ने संयुक्त रूप से बताया कि समाज बन्धुओं के सानिध्य में लाभार्थी परिवार द्वारा आईमाताजी की बैल, धर्मगुरु दीवान साहब, ज्योत एवं कलश का बधावा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

पधारे अतिथियों का सम्मानकर समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। रात्रि मे धर्मगुरु दीवान साहब के आर्शीवचन के पश्चात जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसमे भैराराम, भुराराम सेणचा भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। अध्यक्ष कन्हैयालाल बर्फा ने समाज बन्धुओं से निवेदन किया है अपने प्रतिष्ठान बंद रख कर, उपरोक्त कार्यक्रम में सपरिवार समय पर पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

नितिन नबीन को...

बंगाल में सबसे अधिक समय तक सीएम रहने वाले ज्योति बसु भी कायस्थ थे। ऐसे में बीजेपी के इस युवा नेता पर दांव खेलने को मिशन बंगाल से जोड़कर देखा जा रहा है। नबीन बेहद युवा और साफ छवि के नेता हैं। बंगाल के अगले साल की शुरूआत में होने वाले चुनावों में जब वह लोगों के बीच जाएंगे तो सवर्ण वोटरों में बीजेपी की अपील और बढ़ेगी। अगर ऐसा हुआ तो बंगाल में गेम पलट सकता है। फिलहाल नितिन नबीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर बीजेपी ने ममता बनर्जी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

बंगाल में क्या हैं सरनेम :

पश्चिम बंगाल में कायस्थ वर्ग के लोग मित्रा, बोस, घोष, दत्ता, पालित, नंदी, गुहा, चंद्रा, धर और सिल सरनेम लिखते हैं। स्वामी विवेकानंद, श्री अरबिंदो, सुभाष चंद्र बोस भी कायस्थ थे। नितिन नबीन को कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर बीजेपी ने बंगाल चुनावों से पहले दांव खेल दिया है। बिहार में विधान सभा चुनाव संपन्न होने के बाद भी वहां से प्रदेश अध्यक्ष बनाकर पार्टी ने चौंकाया है, लेकिन बंगाल के लिए बड़ा संदेश है, क्योंकि बंगाल के उच्च वर्ग में इस वर्ग की काफी अच्छी पकड़ है। इस वर्ग की वही भूमिका है जो गुजरात में पाटीदार यानी पटेलों की है। यह वर्ग न सिर्फ शिक्षित है बल्कि आर्थिक तौर पर भी सशक्त है।

नकद बांटने के आरोप में सरपंच उम्मीदवार मोबाइल टावर पर चढ़ा

मेदक, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिद्वंद्वी पर मतदाताओं को नकद बांटने का आरोप लगाते हुए एक सरपंच उम्मीदवार रविवार तड़के नरसिंगी मंडल के नरसमपल्ली पेद्दा थंडा में एक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। सरपंच उम्मीदवार शंकर नायक ने आरोप लगाया कि उनका प्रतिद्वंद्वी प्रति वोट 2,000 रुपये बांटकर मतदाताओं को लुभा रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार पर रोक के बावजूद अधिकारी इस पर रोक लगाने में विफल रहे। नायक का आरोप है कि प्रतिद्वंद्वी घर-घर जाकर नकद वितरण कर रहा था, जिससे उसे चुनाव में फायदा मिल सके। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शंकर नायक को समझा-बुझाकर मोबाइल टावर से नीचे उतारा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

अमन सहरावत और अंतिम पंघाल ने दिखाया दम

अलग-अलग वजन वर्ग में जीते स्वर्ण

अहमदाबाद, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। अहमदाबाद में आयोजित नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप में भारत के शीर्ष पहलवानों ने दमदार प्रदर्शन किया। पेरिस ओलंपिक 2024 के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत और विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता अंतिम पंघाल ने स्वर्ण पदक जीतकर सुर्खियां बटोरीं। खास बात यह रही कि दोनों पहलवानों ने अपने परंपरागत वजन वर्ग से अलग श्रेणियों में उतरकर खिताब अपने नाम किए।

अमन सहरावत ने 61 किग्रा में मचाया धमाल

आमतौर पर 57 किग्रा वर्ग में मुकाबला करने वाले अमन सहरावत ने इस बार 61 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में हिस्सा लिया। उन्होंने राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए वजन कम न करने का फैसला किया। इससे पहले अमन को इस साल क्रोएशिया में वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप के दौरान वजन ज्यादा होने पर अयोग्य ठहराया गया था। इसके चलते भारतीय कुश्ती महासंघ ने उन्हें एक साल के लिए निलंबित किया था, लेकिन बाद में यह निलंबन हटा लिया गया, जिससे वह अहमदाबाद में प्रतिस्पर्धा कर सके।

वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए फाइनल में अमन ने निखिल को 10-0 से हराया। इससे पहले उन्होंने क्वार्टरफाइनल में आदित्य नारायण को 12-1 और ललित को 10-0 से मात दी। सेमीफाइनल में उन्होंने चोटिल भौंह और खून बहने के बावजूद अनुज कुमार को 13-2 से हराया।

मैच के बाद अमन की प्रतिक्रिया

मुकाबले के बाद अमन ने एएनआई से बात करते हुए रेसलिंग प्रीमियर लीग, 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स और विनेश फोगाट की वापसी पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, 'यह बहुत अच्छा लग रहा है। डब्ल्यूपीएल एक नेक्स्ट-लेवल प्रतियोगिता है। स्टेडियम और सुविधाएं शानदार हैं। इससे 2028 के लिए कुश्ती का भविष्य उज्ज्वल दिखता है।' कॉमनवेल्थ गेम्स पर अमन ने कहा कि 2026 संस्करण में कुश्ती शामिल नहीं है, लेकिन वह 2030 के लिए पूरी मेहनत करेंगे। विनेश फोगाट की वापसी पर उन्होंने कहा, 'उनका फैसला अच्छा है। 2028 ओलंपिक में उनसे हमें पदक की उम्मीद है।'

अंतिम पंघाल ने 55 किग्रा में जीता खिताब

दो बार की विश्व चैंपियन अंतिम पंघाल ने भी अपने सामान्य 53 किग्रा की बजाय 55 किग्रा वर्ग में हिस्सा लिया। क्वार्टरफाइनल में उन्होंने हंसिका को 8-0 से हराया, सेमीफाइनल में अहिल्या शिंदे को 14-8 से मात दी और फाइनल में ज्योति को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

अन्य मुकाबलों में भी दिखा दम

अंडर-23 विश्व चैंपियन ने पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में विशाल कालिरामन को 10-0 से हराकर खिताब जीता। एशियन U23 गोल्ड मेडलिस्ट विक्की ने 97 किग्रा वर्ग में स्वर्ण हासिल किया। महिला वर्ग में, 62 किग्रा की एशियन चैंपियन मनीषा भानवाला ने 57 किग्रा में उतरकर नेहा शर्मा को 2-1 से हराया। 68 किग्रा फाइनल में ओलंपियन निशा दहिया ने सृष्टि को हराकर गोल्ड जीता।

भारत ने पाकिस्तान को अंडर-19 एशिया कप में हराया

90 रन से जीता मैच, आरोन जॉर्ज ने 85 रन बनाए; कनिष्क-दीपेश को 3-3 विकेट

दुबई, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। एसीसी मेंस अंडर-19 एशिया कप 2025 का 5वां मुकाबला इंडिया और पाकिस्तान के बीच खेला गया। जहां पर पाकिस्तान अंडर-19 क्रिकेट टीम ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। बारिश से बाधित होने के कारण मुकाबला 49-49 ओवर का हुआ। इंडिया अंडर-19 क्रिकेट टीम ने जहां पर अच्छी गेंदबाजी के दम पर मुकाबला जीत लिया। जहां पर फरहान यूसुफ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। जिसका फायदा उठाकर उन्होंने टीम इंडिया को 46.1 ओवर में 240 रनों पर ऑल आउट कर दिया। अच्छी गेंदबाजी के दम पर टीम इंडिया ने मुकाबला 90 रनों से जीत लिया।

टीम इंडिया की बल्लेबाजी हुई फेल

इंडिया अंडर-19 क्रिकेट टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी। वैभव सूर्यवंशी फेल हो गए और सिर्फ 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। कप्तान आयुष म्हात्रे ने 25 गेंदों में 38 रनों की पारी खेली। नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने उतरे आरोन जॉर्ज ने 88 गेंदों में 85 रनों की पारी खेली। इस पारी में 12 चौके और 1 छक्का शामिल था। अभिज्ञान कुंडू ने भी 22 रन बनाए। वहीं कनिष्क चौहान ने भी 46 रनों की बेहद अहम पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 3 गगनचुंबी छक्के जड़े। जिसके कारण ही टीम इंडिया ने 46.1 ओवरों में ऑल आउट होने से पहले 240 रन बना लिए थे। पाकिस्तान अंडर-19 टीम के लिए मोहम्मद सैयाम और अब्दुल सुभान ने 3-3 विकेट अपने नाम किया। वहीं निकाब शफीक को भी 2 विकेट मिले।

खत्म हुआ टीम इंडिया का इंतजार

छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान अंडर-19 टीम को अच्छी शुरुआत नहीं मिली। सिर्फ 30 रनों पर ही टीम ने 4 बड़े विकेट गंवा दिए थे। कप्तान फरहान यूसुफ ने 23 रन बनाए तो वहीं उस्मान खान ने 16 रन जोड़े। हुजैफा अहसान ने अकेले ही लड़ाई करते हुए 83 गेंदों में 70 रनों की पारी खेली, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से अन्य बल्लेबाजों का साथ नहीं मिल सका।

जिसके कारण ही पाकिस्तान की टीम मुकाबला 90 रनों से हार गई।

इंडिया अंडर-19 टीम के लिए दीपेश देवेंद्रन ने 3 विकेट तो वहीं कनिष्क चौहान ने भी 3 विकेट अपने नाम किया। इंडिया अंडर-19 टीम पाकिस्तान के खिलाफ 2020 के बाद से वनडे मैच नहीं जीती थी। भारतीय फैंस का वो इंतजार खत्म हो गया।

अब्दुल कादिर की अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि

दुबई एशियन यूथ पैरा गेम्स में तीन गोल्ड सहित चार पदक

रतलाम, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। एक हादसे में बचपन में अपने दोनों हाथ गंवाने वाले रतलाम के दिव्यांग तैराक अब्दुल कादिर इंदौरी ने दुबई में आयोजित एशियन यूथ पैरा गेम्स में चार पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने चार इवेंट में भाग लेकर तीन स्वर्ण और एक कांस्य पदक अपने नाम किए। उनकी इस उपलब्धि की खेल जगत और शहरभर में सराहना हो रही है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार प्रदर्शन

दुबई में आयोजित एशियन यूथ पैरा गेम्स में अब्दुल कादिर ने 50 मीटर बटरफ्लाई, 50 मीटर बैकस्ट्रोक और 100 मीटर फ्री स्टाइल इवेंट में पहला स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल जीते। इसके साथ ही उन्होंने 50 मीटर

बटरफ्लाई इवेंट में तीसरा स्थान प्राप्त कर ब्रांज मैडल (रजत पदक) भी अपने नाम किया। चारों इवेंट में उनका प्रदर्शन चर्चा का विषय बना रहा।

कोच के मार्गदर्शन में निखरी प्रतिभा

अब्दुल कादिर के कोच राजा राठौड़ के अनुसार, लगभग छह वर्ष की उम्र में हाईटेंशन लाइन से करंट लगने के कारण अब्दुल ने अपने दोनों हाथ खो दिए थे। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और एक वर्ष बाद तैराकी का प्रशिक्षण लेना शुरू किया। कोच के मार्गदर्शन में कुछ ही समय में उन्होंने तैराकी में दक्षता हासिल कर ली और प्रतियोगिताओं में लगातार सफलताएं प्राप्त करने लगे।

एशियन यूथ पैरा गेम्स तक का सफर

दुबई में आयोजित यह पांचवां यूथ एशियन पैरा गेम्स था, जिसमें 18 वर्ष तक के खिलाड़ी भाग ले सकते हैं।

खिलाड़ियों का ट्रायल ग्वालियर में हुआ था, जहां देशभर से आए प्रतिभागियों में से अब्दुल कादिर सहित पांच-छह तैराकों का चयन दुबई एशियन यूथ पैरा गेम्स-2025 के लिए किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों के कुल 162 खिलाड़ी शामिल हुए थे।

भविष्य की बड़ी प्रतियोगिताओं पर नजर

अब्दुल कादिर इससे पहले वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी हिस्सा ले चुके हैं, जिसमें ओलंपिक में कई पदक जीतने वाले जापान और चीन के तैराकों ने भाग लिया था। उस प्रतियोगिता में उन्होंने नौवीं रैंक हासिल की थी।

उनके कोच और समर्थकों को उम्मीद है कि आगे वे सीनियर स्तर पर ओलंपिक और एशियन गेम्स में भी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

छत पर खेलते समय हुआ था हादसा

करीब 18 वर्षीय अब्दुल कादिर का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। वर्ष 2014 में रतलाम की कलीमी कॉलोनी स्थित अपने घर की छत पर खेलते समय वे हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गए थे। हादसे में उनके दोनों हाथ खराब हो गए, जिन्हें अलग करना पड़ा। इस कठिन दौर के बाद उन्होंने तैराकी को अपनाया और उसे अपनी ताकत बनाया। दुबई प्रतियोगिता से पहले वे पैरा स्पोर्ट्स की राष्ट्रीय स्पर्धा में 9 गोल्ड और 3 सिल्वर मेडल भी जीत चुके हैं।

उन्नति और ईशारानी बरुआ ने बरकरार रखा जीत का सिलसिला,

ओडिशा मास्टर्स के फाइनल में पहुंचीं

कटक, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा और हमवतन ईशारानी बरुआ ने ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर महिला एकल फाइनल में जगह बना ली। 18 वर्षीय हुड्डा टूर्नामेंट के 2022 चरण और 2023 अबुधाबी मास्टर्स की विजेता रह चुकी हैं। उन्हें पूर्व जूनियर नंबर एक खिलाड़ी तसनीम मीर ने कड़ी चुनौती दी। लेकिन हुड्डा एक घंटे तक चले मुकाबले में 18-21, 21-16, 21-16 से जीत दर्ज करने में कामयाब रहीं।

दूसरे सेमीफाइनल में असम की ईशारानी ने शानदार वापसी करते हुए तन्वी हेमंत को 18-21, 21-7, 21-7 से हराया। दूसरे वरीय किरण जॉर्ज और रौनक चौहान पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में जगह तय करने के लिए सेमीफाइनल में एक दूसरे से भिड़ेंगे। वहीं मिश्रित युगल सेमीफाइनल में भारत के एस कनापुरम और आर उथयसूरियन को इंडोनेशिया के देजान फर्डिनान्स्याह और बी वर्डाना की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से 16-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

मेसी के टूर ऑर्गनाइजर को जमानत नहीं

14 दिन की कस्टडी में भेजा; जांच पैनल और गवर्नर स्टेडियम पहुंचे

कोलकाता, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के फुटबॉल आइकन लियोनेल मेसी के इंडिया टूर के ऑर्गनाइजर सतादु दत्ता को जमानत नहीं मिली है। बिधाननगर कोर्ट ने मेसी के जीओएटी इंडिया टूर 2025 के प्रमोटर और आयोजक सतादु दत्ता को 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

सतादु पर इवेंट में मिसमैनेजमेंट के आरोप हैं। पब्लिक प्रॉसिक्यूटर ने कोर्ट में कस्टडी की मांग करते हुए कुछ कॉन्स्टेबलों को चोट लगने और मेसी के मैदान में आने पर भीड़ को मैनेज करने में हुई दिक्कतों का हवाला दिया था।

दरअसल, 13 दिसंबर को स्टेडियम से मेसी के जल्दी निकल जाने के बाद फैंस भड़क गए। दूर-दूर से आने और टिकटों के लिए भारी रकम चुकाने के बावजूद वे अपने सुपरस्टार की एक झलक भी नहीं देख पाए। फैंस ने स्टेडियम में जमकर तोड़-फोड़ की। दत्ता को बिधाननगर पुलिस ने शनिवार को कोलकाता एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया था। सतादु मेसी और उनके साथियों को हैदराबाद के लिए छोड़ने गए थे।

बंगाल के गवर्नर सॉल्ट लेक स्टेडियम पहुंचे

मेसी के इवेंट के दौरान हुए हंगामे के एक दिन बाद, पश्चिम बंगाल के गवर्नर सी वी आनंद बोस ने रविवार को मौके पर जाकर जायजा लिया। शनिवार को मेसी के इवेंट में हंगामे और भीड़ की गड़बड़ी के बाद बोस को सॉल्ट लेक स्टेडियम में एंट्री नहीं दी गई थी। उनके पहुंचने पर गेट बंद थे और स्टेडियम की लाइटें बंद थीं।

गवर्नर ने आरोप लगाया था कि यह कदम उनकी एंट्री रोकने के लिए था। उन्होंने इस पर डिटेल में जवाब मांगा था। बोस ने पहले सॉल्ट लेक स्टेडियम में हुई घटना को कोलकाता के खेल प्रेमी लोगों के लिए काला दिन बताया था।

उन्होंने राज्य सरकार को इवेंट ऑर्गनाइजर को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया था। उन्हें हंगामे के लिए पूरी तरह जिम्मेदार ठहराया था।

कोलकाता पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि आयोजकों ने स्टेडियम परिसर के अंदर पानी की बॉटल और कोल्ड ड्रिंक्स ले जाने की अनुमति कैसे दी जो ऐसे आयोजनों के दौरान प्रतिबंधित चीजें हैं। जांच समिति के सदस्यों ने रविवार को वेन्यू का दौरा किया और नुकसान का जायजा लिया। तीन सदस्यों की टीम ने स्टेडियम के ऑन-ग्राउंड निरीक्षण के दौरान टूटी हुई प्लास्टिक कुर्सियों, मुड़े हुए मेटल बैरिकेड्स और बिखरी हुई गैलरी की जांच की। यह स्टेडियम भारत के सबसे बड़े फुटबॉल मैदानों में से एक है।

कलकत्ता हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस असीम कुमार रे की अगुवाई में टीम ने उस जगह से जांच शुरू की, जहां से मेसी ने एंट्री की थी।

पैनल को नुकसान का आकलन करने और अराजकता की वजह बनने वाली घटनाओं के क्रम को फिर से बनाने की अनुमति देने के लिए सफाई और मरम्मत रोक दी गई थी।

नम आंखों से जॉन सीना ने डब्ल्यूडब्ल्यूई को कहा अलविदा

खत्म हुआ एक ऐतिहासिक दौर

वॉशिंगटन, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। यह लगभग 20 वर्षों में पहला मौका था जब जॉन सीना किसी मुकाबले में टैप आउट हुए। इस नतीजे से एरिना में मौजूद फैंस गुस्से और भावनाओं से भर उठे और कई लोग इस फैसले से बेहद निराश दिखे।

वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट के इतिहास में एक सुनहरा और भावनात्मक अध्याय सैटरडे नाइट मेन इवेंट में उस वक्त समाप्त हो गया, जब जॉन सीना को अपने आखिरी मुकाबले में गुंथर के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। कड़े संघर्ष से भरे इस मुकाबले में 'द रिंग जनरल' गुंथर ने सीना को टैप आउट करने पर मजबूर कर दिया। यह मुकाबला इतना रोमांचक था कि दर्शक पूरी तरह अपनी सीटों से चिपके रहे। यह लगभग 20 वर्षों में पहला मौका था जब जॉन सीना किसी मुकाबले में टैप आउट हुए। इस नतीजे से एरिना में मौजूद फैंस गुस्से और भावनाओं से भर उठे और कई लोग इस फैसले से बेहद निराश दिखे।

दिग्गजों की मौजूदगी, जश्न और विदाई की रात

यह रात डब्ल्यूडब्ल्यूई के लिए जश्न की भी थी। सीना के करियर के सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वियों में शामिल कर्ट एंगल, मार्क हेनरी और रॉब वैन डैम रिंगसाइड पर मौजूद थे। उनके साथ डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेमर्स मिशेल मैकूल और ट्रिश स्ट्रेटस भी दिखाई दीं। इसके अलावा द रॉक, केन समेत कई अन्य डब्ल्यूडब्ल्यूई दिग्गजों ने सीना के आखिरी मुकाबले से पहले उन्हें शुभकामनाएं भेजीं। पूरे शो के दौरान डब्ल्यूडब्ल्यूई ने कई वीडियो पैकेज दिखाए, जिनमें जॉन सीना की उपलब्धियों, संघर्ष और ऐतिहासिक सफर को दर्शाया गया। माहौल पूरी तरह भावनात्मक हो चुका था।

गुंथर की एंट्री, फिर सीना के नाम से गूंजा एरिना

सबसे पहले गुंथर ने रिंग में एंट्री की, जिनका स्वागत दर्शकों ने ज़ोरदार हूटिंग के साथ किया। इसके बाद जैसे ही जॉन सीना अपने आइकॉनिक थीम सॉन्ग पर एरिना में उतरे, कैपिटल वन एरिना तालियों और नारों से गूंज उठा। 17 बार के वर्ल्ड चैंपियन सीना की यह आखिरी रिंग रन थी। रिंग तक पहुंचते ही उनके पुराने प्रतिद्वंद्वियों ने उनका स्वागत किया, जिसने इस पल को और भी खास बना दिया।

बॉन्डी बीच पर एक रेस्त्रां में फंस गए थे इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर वॉन, सुरक्षित घर पहुंचे

सिडनी, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल वॉन ऑस्ट्रेलिया के सिडनी के बॉन्डी बीच पर एक रेस्त्रां में फंस गए थे। बॉन्डी बीच पर दो हथियारबंद लोगों ने सामूहिक गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया। कई राउंड गोलियां चलने के बाद बीच पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सिडनी मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, गोलीबारी में शूटर सहित 12 लोग मारे गए हैं। जानकारी के अनुसार यहूदी त्योहार हनुक्का मनाने के लिए सैकड़ों लोग बॉन्डी बीच पर जुटे थे। इसी दौरान हमलावरों ने गोलियां बरसानी शुरू कर दीं।

वॉन ने एक्स पर दी जानकारी

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर वॉन ने एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि वह भी बॉन्डी बीच पर एक रेस्त्रां में फंस गए थे, लेकिन अब सुरक्षित घर पहुंच गए हैं। वॉन ने एक्स पर लिखा, बॉन्डी के एक रेस्टोरेंट में बंद हो जाना बहुत डरावना था। अब सुरक्षित घर पहुंच गया हूं। लेकिन आपातकालीन सेवाओं और आतंकवादी का सामना करने वाले व्यक्ति का बहुत-बहुत धन्यवाद। प्रभावित सभी लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।

मालूम हो कि इंग्लैंड की क्रिकेट टीम पांच मैचों की एशेज सीरीज के लिए फिलहाल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। ऑस्ट्रेलिया इस टेस्ट सीरीज में 2-0 से आगे चल रहा है। दोनों टीमों के बीच अब तीसरा टेस्ट मैच एडिलेड में खेला जाना है।

23 गेंद में फिफ्टी, 48 गेंद में शतक, क्या यशस्वी ने बजा दी 'आउट ऑफ फॉर्म' शुभमन गिल के लिए खतरे की घंटी?

पुणे, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले उपकप्तान शुभमन गिल की फॉर्म बनी हुई है, जो बल्ले से लगातार फ्लॉप हो रहे हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ चल रही टी20 सीरीज के बाकी बचे तीन मैचों को गिल के लिए 'लिटमस टेस्ट' जैसा माना जा रहा है। ऐसे दबाव के बीच गिल के लिए रविवार को उनके ही टीम साथी ने 'रेड अलार्म' बजा दिया है। पुणे के डीवाई पाटिल स्टेडियम में यशस्वी जायसवाल ने मुंबई के लिए हरियाणा के खिलाफ पहले जोरदार फिफ्टी लगाई और फिर उसे शानदार शतक में बदल दिया है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के नॉकआउट मुकाबले में यशस्वी ने महज 23 गेंद में फिफ्टी ठोककर टी20 फॉर्मेट के लिए भी टीम इंडिया में वापसी

की दस्तक लगा दी है। इसके बाद यशस्वी ने पारी को आगे बढ़ाते हुए 48 गेंद में 16 चौकों और 1 छक्के के साथ शतक ठोक दिया है। हरियाणा की टीम ने मुकाबले में मुंबई के सामने 235 रन बनाने का टारगेट रखा हुआ है। यशस्वी जायसवाल की नॉटआउट 50 गेंद में 101 रन की पारी और सरफराज खान के 25 गेंद में 64 रन की मदद से मुंबई ने 6 विकेट पर 238 रन बनाकर हरियाणा को 4 विकेट से हरा दिया है।

यशस्वी जायसवाल ने मुंबई के लिए 235 रन के टारगेट का पीछा करते हुए वेटरन अजिंक्य रहाणे के साथ जोरदार शुरुआत की। रहाणे 10 गेंद में महज 21 रन बनाकर 53 रन के कुल स्कोर पर आउट हो गए, लेकिन उसके बाद आए सरफराज खान और यशस्वी ने गेंदबाजों की जबरदस्त धुलाई की। खासतौर पर दोनों ने रणजी ट्रॉफी की एक पारी में 10 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज अंशुल कांबोज के एक ही ओवर में 28 रन ठोक दिए। सरफराज ने 17 गेंद में फिफ्टी पूरी की, जबकि यशस्वी ने उनके ठीक बाद 23 गेंद में अपने 50 रन पूरे किए। यशस्वी ने 50 रन में 9 चौके और 1 छक्का लगाया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 6.1 ओवर यानी 37 गेंद में ही 88 रन की पार्टनरशिप कर दी।

ग्राम पंचायत चुनावों के दूसरे चरण में मतदान शांतिपूर्ण सम्पन्न

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने कहा कि ग्राम पंचायत चुनावों के दूसरे चरण का मतदान शांतिपूर्ण वातावरण में सुचारू रूप से संपन्न हो रहा है। रविवार को रंगारेड्डी जिले के सात मंडलों में दूसरे चरण के चुनाव आयोजित किए गए। इस दौरान जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने कनकमामिडी, केतीरेड्डीपल्ली, मुदिम्याला, पोटगल, शबाद और सरदार नगर स्थित मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने पीठासीन अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मतदाता सूची के अनुसार मतदान प्रक्रिया का संचालन करें और बिना किसी त्रुटि के अपने दायित्वों का निर्वहन करें। कलेक्टर ने मतदान प्रबंधन और की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मतदान केंद्र परिसर में चुनाव लड़ रहे सरपंचों और वार्ड सदस्यों की सूची का भी अवलोकन किया। दूसरे चरण के रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे समय-समय पर निर्धारित प्रारूप में संबंधित मतदान केंद्रों का मतदान प्रतिशत दर्ज करें। उन्होंने कहा कि दोपहर 1 बजे से पहले मतदान केंद्र परिसर में वोट डालने के लिए कतार में खड़े सभी मतदाताओं को मतदान का अवसर दिया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने चुनाव ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी स्थिति में दोपहर 1 बजे के बाद किसी को भी मतदान केंद्र के गेट के भीतर प्रवेश की अनुमति न दी जाए तथा मतगणना दोपहर 2 बजे प्रारंभ की जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि पहले वार्ड सदस्यों के मतों की गणना की जाएगी और उसके बाद सरपंच पद के मतों की गणना की जाएगी। इस अवसर पर कलेक्टर के साथ आरडीओ चंद्रकला, मोइनाबाद तहसीलदार गौतम सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

बीआरएस राज्य कार्यकारिणी और विधायक दल की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता करेंगे केसीआर

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव 19 दिसंबर को तेलंगाना भवन में बीआरएस विधायक दल और राज्य कार्यकारिणी समिति की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में कृष्णा और गोदावरी नदी जल विवादों तथा कांग्रेस सरकार द्वारा तेलंगाना के सिंचाई हितों की रक्षा में विफलता, जैसा कि पार्टी का आरोप है, पर चर्चा होगी।

बीआरएस नेताओं का आरोप है कि आंध्र प्रदेश बिना रोक-टोक नदी जल का दोहन कर रहा है और राज्य सरकार ने पालमूरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना को कमजोर करते हुए जल आवंटन को 90 टीएमसी से घटाकर 45 टीएमसी कर दिया है। पार्टी नेतृत्व ने संकेत दिया है कि किसानों के अधिकारों की रक्षा और बीआरएस शासनकाल में शुरू की गई सिंचाई परियोजनाओं को पूरा कराने के लिए राज्यव्यापी जन आंदोलन शुरू किया जा सकता है। बीआरएस नेताओं के अनुसार, सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी द्वारा 45 टीएमसी पर सहमति देना तेलंगाना के किसानों के हितों से समझौता है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब प्रथम चरण ही पूरा नहीं हुआ है, तो पालमूरु लिफ्ट सिंचाई परियोजना का दूसरा चरण कैसे पूरा किया जाएगा। इन सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर बैठक में विस्तार से चर्चा की जाएगी।

एआई प्रोजेक्ट के नाम पर भारी कमाई का घोटाला : सावधान रहें!

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोशल मीडिया पर इन दिनों एआई प्रोजेक्ट के नाम पर एक बेहद आकर्षक आय का घोटाला फैलाया जा रहा है। विज्ञापन में दावा किया जा रहा है कि केवल 22,000 रुपये का निवेश करने पर हर महीने 18,50,000 रुपये की भारी कमाई होगी, जो सीधे बैंक खाते में जमा होगी। घोटालेबाज केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की तस्वीर दिखाकर यह झूठा दावा कर रहे हैं कि यह एआई प्रोजेक्ट के तहत भारी आय के लिए उनकी व्यक्तिगत गारंटी है। इसके अलावा, वे नारायण मूर्ति (इन्फोसिस), सुंदर पिचाई और सुधा मूर्ति जैसे प्रतिष्ठित लोगों की तस्वीरें भी यह कहकर दिखा रहे हैं कि वे इस परियोजना से जुड़े हैं। ठग कुछ नामी बैंकों और अखबारों के नाम का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। उनका दावा है कि छोटी राशि निवेश करने के अगले ही दिन से आय शुरू हो जाएगी प्रतिदिन 79,878 रुपये और मासिक न्यूनतम 18,50,000 रुपये। पुलिस ने विज्ञापन में कुछ लोगों के बयान भी दिखाए जा रहे हैं, जो दावा करते हैं कि उन्हें कम निवेश में बड़ी रकम मिली और वे गरीब पृष्ठभूमि से अमीर बन गए। ऐसे लुभावने प्रस्तावों से सावधान रहें।

कोमुरवेल्ली मल्लन्ना कल्याणम के भव्य आयोजन के साक्षी बने हजारों श्रद्धालु

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्धिपेट जिले में रविवार को कोमुरवेल्ली मल्लन्ना स्वामी का दिव्य कल्याणम भव्य रूप से संपन्न हुआ।

इस अवसर पर बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा ने देवता को विवाह समारोह के लिए रेशमी वस्त्र अर्पित किए।

मंदिर परिसर में स्थित थोता भावी के निकट कल्याण वेदिका पर सुबह 10:45 बजे यह भव्य अनुष्ठान आयोजित किया गया। राज्य तथा पड़ोसी राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस पावन अवसर के साक्षी बने।

इस बीच, श्रद्धालुओं की सुविधा और दर्शन के लिए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए। बंदोबस्ती विभाग की प्रधान सचिव शैलजा रामअय्यर, आयुक्त हरीश, मंदिर के कार्यकारी अधिकारी वेंकटेश सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

तेलंगाना को एनईसी अवार्ड 2025; ऊर्जा दक्षता में उत्कृष्टता के लिए दूसरा पुरस्कार

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ने रविवार को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार (एनईसीए)-2025 में राज्य प्रदर्शन श्रेणी में दूसरा पुरस्कार जीतकर ऊर्जा संरक्षण और दक्षता पहलों में अपनी अग्रणी भूमिका को फिर से साबित किया। यह पुरस्कार ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई), विद्युत मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जाता है और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली में यह सम्मान प्रदान किया।

राज्य की ओर से ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव नवीन मित्तल और टीजीआरईडीसीओ की उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वी. अनिला ने पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर टीजीआरईडीसीओ के वरिष्ठ अधिकारी जी.एस.वी. प्रसाद और एम. वेंकट रमण भी उपस्थित रहे। यह सम्मान तेलंगाना की प्रभावी पहलों के लिए दिया गया है, जिनमें हैदराबाद विश्वविद्यालय में कूल रूफ डेमॉन्स्ट्रेशन प्रोजेक्ट , स्वच्छ खाना पकाने के कार्यक्रम, इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन प्रोत्साहन, ईसीबीसी-अनुपालन भवन तथा पीएटी और मानक एवं लेबलिंग योजनाओं का सशक्त क्रियान्वयन शामिल है। 1,178 ईसीबीसी-अनुपालन भवनों, 412.25 मिलियन यूनिट वार्षिक ऊर्जा बचत और 3.03 लाख ईएससर्ट जारी करने के साथ, तेलंगाना सतत विकास में नए मानक स्थापित कर रहा है।

एचएनईडब्ल्यू की बड़ी कार्रवाई एमडीएमए तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

तीन आरोपी गिरफ्तार, 11 ग्राम एमडीएमए समेत वाहन और मोबाइल जब्त

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस की नारकोटिक्स इकाई एचएनईडब्ल्यू ने मसाबटैंक पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाकर एमडीएमए तस्करी में लिप्त एक स्थानीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। कार्रवाई में एक मुख्य तस्कर और दो उप-तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से 11 ग्राम एमडीएमए, तीन मोबाइल फोन, एक दोपहिया और एक चारपहिया वाहन जब्त किए गए हैं।

जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 4.65 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस के अनुसार, 12 दिसंबर को मिली पुख्ता सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उप्पुतुरी कार्तीक उर्फ एलेक्स, चिरुममिल्ला बालाजी और तंद्रा दीपक के रूप में हुई है। जांच में सामने आया कि कार्तीक बेंगलुरू से एमडीएमए लाकर हैदराबाद में 1-1 ग्राम की पुड़ियों में बेचता था। बालाजी उससे नशा खरीदकर आगे सप्लाई करता था, जबकि दीपक उपभोक्ताओं तक ऊंची कीमत पर बेचता था। पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपी आर्थिक दबाव और नशे की लत के चलते तस्करी में शामिल हुए। इनके खिलाफ मसाबटैंक थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

एचएनईडब्ल्यू ने आम जनता से अपील की है कि नशीले पदार्थों से दूर रहें और नशा तस्करी से जुड़ी किसी भी सूचना को तुरंत पुलिस के साथ साझा करें। पुलिस का कहना है कि नशामुक्त हैदराबाद के लिए इस तरह की कार्रवाइयां आगे भी जारी रहेंगी।

डीजीपी अखिल भारतीय पुलिस बैंड प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में करेंगे शिरकत

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा 26वीं अखिल भारतीय पुलिस बैंड प्रतियोगिता का आयोजन 16 से 20 दिसंबर तक मौला-अली स्थित आरपीएफ प्रशिक्षण केंद्र में किया जा रहा है। 16 दिसंबर को होने वाले उद्घाटन समारोह में तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। यह प्रतियोगिता वर्ष 1999 में प्रारंभ की गई थी और इसे राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों तथा केंद्रीय अर्धसैनिक बलों द्वारा बारी-बारी से आयोजित किया जाता है। अब यह आयोजन अखिल भारतीय पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड (एआईपीएससीबी) द्वारा रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को सौंपा गया है। आरपीएफ के महानिदेशक ने इस आयोजन की जिम्मेदारी दक्षिण मध्य रेलवे की रेलवे सुरक्षा बल को प्रदान की है। इस प्रतियोगिता में लगभग 24 टीमें भाग लेंगी, जिनमें करीब 1500 कलाकार शामिल होंगे। इसमें आंध्र प्रदेश, असम पुलिस, असम राइफल्स, बिहार, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), छत्तीसगढ़, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), गुजरात, हिमाचल प्रदेश, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), जम्मू-कश्मीर, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), तमिलनाडु, तेलंगाना तथा अन्य केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की टीमें शामिल होंगी। प्रतियोगिता तीन श्रेणियों में आयोजित की जाएगी ब्रास बैंड, पाइप बैंड एवं ड्रम, तथा स्ट्रैथस्पे और ब्यूगल कॉल्स। ब्रास बैंड और पाइप बैंड प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ कंडक्टर को शुद्ध चांदी का पदक प्रदान किया जाएगा। समग्र चैंपियनशिप ट्रॉफी 20 दिसंबर, 2025 को समापन समारोह में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी द्वारा प्रदान की जाएगी। उद्घाटन और समापन समारोह के अवसर पर अतिथियों के मनोरंजन के लिए बैंड डिस्प्ले भी प्रस्तुत किया जाएगा। इसके अलावा, 17 दिसंबर को चारमीनार और 18 दिसंबर को तेलंगाना सचिवालय में शाम 4:00 बजे से 6:00 बजे तक सार्वजनिक बैंड प्रस्तुतियां होंगी, जिनमें फ्यूजन संगीत, पारंपरिक शैलियों और देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों के माध्यम से आम जनता का मनोरंजन किया जाएगा।

कविता ने सीएम रेवंत से सिंगरेणी फंड लौटाने की मांग की

हैदराबाद, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष कल्वकुंतला कविता ने रविवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर सिंगरेणी कोलियरीज के 10 करोड़ रुपये एक फुटबॉल मैच पर खर्च करने का आरोप लगाया। उन्होंने इसे मजदूरों के पैसे पर एक घंटे का मनोरंजन करार दिया। यहां मीडिया से बात करते हुए कविता ने सवाल उठाया कि फुटबॉल स्टार लियोनेल मेसी के साथ मुख्यमंत्री के मैच से तेलंगाना को क्या लाभ हुआ। उन्होंने कांग्रेस पार्टी से मांग की कि वह सिंगरेनी के 10 करोड़ रुपये वापस करे। उन्होंने श्रमिकों के धन के दुरूपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि यह खर्च पूरी तरह अनुचित है। राहुल गांधी के हैदराबाद दौरे का जिक्र करते हुए कविता ने कहा कि कांग्रेस नेता को मैच देखने के बजाय ऐतिहासिक चिक्कड़पल्ली लाइब्रेरी का दौरा करना चाहिए था। इस अवसर पर कविता ने हैदराबाद में हाल ही में किए गए नगर निगम वार्डों के पुनर्गठन की भी आलोचना करते हुए इसे अवैज्ञानिक बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर में आज भी सार्वजनिक परिवहन, जल निकासी और पेयजल की गंभीर समस्याएं बनी हुई हैं। शहर दौरे के दौरान कई नागरिक समस्याएं सामने आने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना जागृति इनके समाधान के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

ग्राम पंचायत चुनाव में पति-पत्नी के बीच सत्ता हस्तांतरण का चलन

संगारेड्डी, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मेदक जिले के कई गांवों में ग्राम पंचायत चुनावों में पति-पत्नी के बीच सत्ता का स्पष्ट हस्तांतरण देखने को मिल रहा है। आरक्षित पदों के कारण जब नेता सीधे चुनाव नहीं लड़ पाते, तब वे अपनी पत्नियों या महिला परिवारिक सदस्यों को मैदान में उतारकर सत्ता पर अपना प्रभाव बनाए रखते हैं। हथनूरा मंडल के चीक मद्दूर गांव में श्रीनिवास रेड्डी लगातार दो कार्यकाल तक सरपंच रहे। इस बार पद महिलाओं के लिए आरक्षित होने के कारण उन्होंने अपनी पत्नी प्रवीणा को उम्मीदवार बनाया, जिन्होंने जीत हासिल की। इसी तरह गोविंदराजुला पल्ली में भी पिछले चुनावों में महिला सरपंच चुनी गईं, जबकि हाल के चुनावों में उनके पति ने पद संभाला। पूर्व मेदक जिले के पापन्नापेट मंडल और डक्या थंडा में भी इसी तरह की घटनाएं देखने को मिलीं, जहां पति-पत्नी ने एक-दूसरे का स्थान लिया। इस प्रवृत्ति केवल पति-पत्नी तक ही सीमित नहीं है, कुछ पंचायतों में पुत्रों ने अपने माता-पिता और बहुओं ने अपने सास-ससुर का स्थान लिया। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि ग्राम स्तर के नेता अपने परिवारों के प्रभाव को बनाए रखने के लिए अन्य परिवारों को चुनावी मैदान में आने की अनुमति नहीं देते। वार्ड सदस्य चुनावों में भी इसी तरह के परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। जहां आरक्षण मौजूदा नेताओं के पक्ष में नहीं रहा, वहां वे अगले पांच वर्षों तक स्थानीय राजनीति में सक्रिय रहने के लिए आगामी एमपीटीसी चुनावों में चुनाव लड़ सकते हैं।

जुबलीनगर में 45 साल बाद सरपंच पद पर बदलाव

रुद्र परिवार का टूटा वर्चस्व

करीमनगर, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर ग्रामीण मंडल के जुबलीनगर गांव में 11 दिसंबर को हुए ग्राम पंचायत चुनावों में मतदाताओं ने 45 वर्षों तक कायम एक ही परिवार के प्रभुत्व को समाप्त कर दिया। सुद्दला कमलाकर को सरपंच चुना गया, जिन्होंने पुराने वर्चस्व वाले रुद्र परिवार को करारी हार दी। जुबलीनगर ग्राम पंचायत की स्थापना 1980 में हुई थी। तब से रुद्र परिवार के सदस्यों ने लगातार सरपंच पद संभाला। पहले रुद्र विश्वनाथम, फिर उनकी पत्नी सुबद्रा, उनके बेटे रुद्र रामू और 2019 में रामू की पत्नी भारती इस पद पर रही। मौजूदा चुनाव में यह सीट बीसी जनरल के लिए आरक्षित थी। रुद्र रामू ने पुनः चुनाव लड़ा, लेकिन सुद्दला कमलाकर ने 526 वोटों के साथ जीत हासिल की। रामू को 357 वोट ही मिले। कमलाकर ने कहा कि उनकी प्राथमिकता गांव के सर्वांगीण विकास पर होगी और उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा जताने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि रुद्र परिवार के 45 वर्षों के शासन में कई क्षेत्रों की उपेक्षा हुई थी।

कांग्रेस पर बीआरएस अध्यक्ष ने विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमलों का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी

सूर्यापेट, 14 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस पार्टी द्वारा विपक्षी कार्यकर्ताओं पर किए जा रहे उकसावे भरे हमलों के खिलाफ चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर बीआरएस के कार्यकर्ताओं को जवाबी कार्रवाई के लिए मजबूर किया गया, तो राज्य में कानून-व्यवस्था बेकाबू हो सकती है और शांति का नाजुक संतुलन बिगड़ सकता है। रामाराव रविवार को सूर्यापेट के नुथांकल मंडल के लिंगमपल्ली गांव में बीआरएस कार्यकर्ता उप्पल मल्लैया के परिवार से मिले। मल्लैया 9 दिसंबर को पंचायत चुनाव से पहले कांग्रेस समर्थकों के साथ झड़प में मारा गया था।

उन्होंने मल्लैया के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और परिवार को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी। उन्होंने बीआरएस के सत्ता में लौटने पर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का वादा भी किया।

सभा को संबोधित करते हुए रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर स्थानीय निकाय चुनावों में हार के डर से विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमले करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, बीआरएस ने बिना किसी हिंसा के 10 साल शासन किया।

अगर हम जवाबी कार्रवाई करें, तो राज्य ठप्प हो जाएगा। उन्होंने कांग्रेस से शासन व्यवस्था पर ध्यान देने की अपील की और बीआरएस कार्यकर्ताओं को सरपंच और वार्ड सदस्य पदों में लगभग 50 प्रतिशत सीटें जीतने पर बधाई दी। उनके साथ पूर्व मंत्री जी. जगदीश रेड्डी, पूर्व विधायक गडारी किशोर कुमार, एमएलसी कोटिरेड्डी और पूर्व सांसद लिंगैया यादव भी मौजूद थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.